@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार 17 जून 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 217 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

साइप्रस ने दिया सर्वोच्च नागरिक सम्मान

पीएम मोदी बोले- 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान

निकोसिया (एजेंसी)। साइप्रस ने सोमवार को पीएम मोदी को देश के सर्वोच्च सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस III' से नवाजा। राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने राष्ट्रपति भवन में यह सम्मान दिया। मोदी दो दिन के दौरे पर साइप्रस पहुंचे थे।

मोदी ने कहा, मैं साइप्रस सरकार का और साइप्रस के लोगों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। यह सिर्फ नरेंद्र मोदी का ही नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह उनकी क्षमताओं और आकांक्षाओं का सम्मान है। यह हमारी संस्कृति, भाईचारे और वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा का सम्मान है। इससे पहले मोदी का प्रेसिडेंशियल पैलेस में स्वागत किया गया। इसके बाद दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच बैठक हुई। मोदी रविवार को साइप्रस पहुंचे थे। अब मोदी जी7 समिट में हिस्सा लेने के लिए कनाडा रवाना हो जाएंगे।

राष्ट्रपति निकोस ने कहा- आतंकवाद के खिलाफ साइप्रस भारत के साथ खड़ा

पीएम मोदी और राष्ट्रपति निकोस ने ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, 'हमने द्विपक्षीय संबंधों, भारत-यूरोपीय संघ के रिश्तों और आईएमईईसी कॉरिडोर पर भी बात की। साइप्रस-तुर्किये मुद्दे और साइप्रस के पुनः एकीकरण भी चर्चा में शामिल रहा। साइप्रस किसी भी तरह के आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़ा है। पीएम मोदी ने कहा, लोकतंत्र में आपसी विश्वास हमारे संबंधों की मजबूत नींव है। भारत और साइप्रस के बीच रिश्ते न तो परिस्थितियों से बने हैं, और न ही ये सीमित हैं।हम एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते हैं।

इजरायल-ईरान में भीषण जंग के हालात

इजरायल के हमलों से ईरान के हाईवे जाम, तेहरान छोड़कर भाग रहे लोग

इजराइल की धमकी- तेहरान के लोग कीमत चुकाएंगे

तेहरान/ तेलअवीव (एजेंसी)। युद्ध कितना खतरनाक होता है और ये कितनी कुर्बानियां लेता है, ये बताने की ज़रूरत नहीं है। कम से कम इस वक्त दुनिया में छिड़ी हुई जंग तो इसकी खौफनाक तस्वीर दिखाने के लिए काफी है। ऐसे में अब

- **ईरान से आर्मेनिया के रास्ते लौटेंगे भारतीय छात्र**

लोग डर के मारे ईरान छोड़ने की तैयारी कर रहे हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक कई लोग देश के उत्तरी ग्रामीण क्षेत्रों की ओर भागने की कोशिश कर रहे हैं, जिसकी वजह से भारी ट्रैफिक के चलते सड़कें जाम हो चुकी हैं।

ईरान की राजधानी तेहरान में बढ़ते हुए खतरे को देखते हुए नागरिकों ने शहर छोड़ना शुरू कर दिया है। इजरायल के ताबड़तोड़ हमलों के चलते ईरान की सैन्य संरचनाओं और परमाणु ठिकानों को नुकसान पहुंचा है. लगातार हो रही बमबारी, मौत और ज़ख्मी लोगों की कराह ने शहर का माहौल डरावना बना दिया है। अभी युद्ध का कोई अंत नहीं नज़र आ रहा है, ऐसे में लोग देश छोड़कर भागने लगे हैं। इजराइल से लगातार चौथे दिन जारी लड़ाई के बीच ईरान ने सोमवार को विदेशी नागरिकों को देश छोड़ने की इजाजत दे दी है। सूत्रों ने बताया कि भारत ने अपने छात्रों को निकालने के लिए ईरान में आर्मेनिया के राजदूत से बात की है। ईरान में भगदड़ जैसी स्थिति है और हाइवे जाम हो रहे हैं। लोग घर छोड़ भाग रहे हैं।

छात्रों को आर्मेनिया बॉर्डर पर नॉरदुज चौकी से बसों से निकाला जाएगा। ईरान में 1,500 स्टूडेंट्स सहित लगभग 10 हजार भारतीय फंसे हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि मौजूदा हालात में देश के एयरपोर्ट भले ही बंद हैं लेकिन लैंड बॉर्डर्स खुले हुए हैं।

विदेशी नागरिकों को ईरान छोड़ने से पहले राजनयिक मिशनों के जरिए ईरान के जनरल प्रोटोकॉल विभाग को अपना नाम, पासपोर्ट नंबर, गाड़ी डिटेल्स, देश से निकलने का समय और जिस बॉर्डर से जाना चाहते हैं, उसकी जानकारी पहले से देनी होगी।

ईरानी आईआरजीसी के सीक्रेट हेड सहित 4 अफसरों की मौत

इजराइल एयरफोर्स ने एक्स पर बताया कि शनिवार को तेहरान में उसके हमले से 4 ईरानी खुफिया अफसरों की मौत हो गई है।

ईरान के हमले में 8 इजरायलियों की मौत

दूसरी तरफ, ईरानी सेना ने सेंट्रल इजराइल में कई जगहों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इसमें 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हैं। पिछले 4 दिनों के दौरान इजराइल में ईरान का यह सबसे बड़ा हमला है।

ईरानी हमलों से इजराइल में अब 24 लोग मारे गए हैं, जबकि करीब 600 से ज्यादा घायल हैं। ईरान में अब तक 224 लोग मारे गए हैं, जबकि 1,277 से ज्यादा घायल हैं। वहीं, अमेरिका में स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स ग्रुप ने ईरान में 406 लोगों के मारे जाने का दावा किया है।

इजरायल का दावा- ईरान के 30 फीसदी मिसाइल लॉन्चर्स खत्म किए

इजराइल ने दावा किया है कि उसने ईरान के 30 फीसदी मिसाइल लॉन्चर्स खत्म कर दिए हैं। इजराइली सेना के मुताबिक, उसने 50 से ज्यादा फाइटर जेट्स और एयरक्राफ्ट्स से ईरान पर हवाई हमले किए और 120 से ज्यादा मिसाइल लॉन्चर्स नष्ट कर दिए। इजराइली सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर-जनरल एफी डेफ्रिन ने एक टीवी चैनल को यह जानकारी दी।

अगली जनगणना होगी 2027 में, केंद्र ने जारी कर दिया नोटिफिकेशन

* देश में पहली डिजिटल-प्लस जाति जनगणना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने देश की अगली जनगणना के लिए वर्ष 2027 को निर्धारित करते हुए औपचारिक अधिसूचना जारी कर दी है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी इस अधिसूचना के अनुसार, देश के अधिकांश हिस्सों में जनगणना की आधार तिथि 1 मार्च 2027 की मध्यरात्रि होगी। हालांकि, ठंडे और बर्फीले क्षेत्रों–जैसे लद्दाख, जम्मू-कश्मीर के कुछ भाग, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड–में यह तिथि 1 अक्टूबर 2026 तय की गई है। इन क्षेत्रों में मौसम की कठोर परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

गौरतलब है कि यह अधिसूचना वर्ष 2019 में जारी पुराने आदेश को निरस्त करते हुए लागू की गई है। कोविड-19 महामारी के चलते वर्ष 2021 में प्रस्तावित जनगणना को स्थगित कर दिया गया था, जिसके बाद यह निर्णय देशभर में बहुप्रतीक्षित था। सरकार का कहना है कि इस जनगणना के माध्यम से जनसंख्या से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी के साथ-साथ सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और अन्य पहलुओं पर आधारित आंकड़े जुटाए जाएंगे। ये आंकड़े आगामी नीतियों, कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों के लिए दिशा-निर्देशक की भूमिका निभाएंगे।

पहली डिजिटल-प्लस-जाति जनगणना

केंद्र सरकार ने औपचारिक अधिसूचना जारी कर देश-व्यापी जनगणना 2027 की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह 16 वां अखिल भारतीय और स्वतंत्र भारत का 8 वां जनगणना-अभियान होगा, जो 2011 के बाद पहली बार देश की जनसंख्या, धर्म-सम्प्रदाय और सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइल का अद्यतन चित्र पेश करेगा। इस बार की जनगणना को दो-चरणी में शेड्यूल किया गया है, पहले चरण में (हाउस-लिस्टिंग एवं आवास अनुसूची): 16 जून 2025 से 28 फरवरी 2026 तक, जिसके तहत हर मकान और बुनियादी सुविधाओं का ब्योरा दर्ज होगा। दूसरे चरण में (जनसंख्या एवं जाति-गणना): 27 फरवरी 2027 से 1 मार्च 2027 की मध्यरात्रि तक; यही तिथि 'जनगणना-संदर्भ' भी होगी। बर्फीले क्षेत्रों–जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड–में यह संदर्भ-तिथि 1 अक्टूबर 2026 रखी गई है।

जाति-आधारित आंकड़े: आज़ादी के बाद पहली बार मूल जनगणना प्रपत्र में ही विस्तृत जाति-वर्गीकरण दर्ज होगा, जिससे पिछली बार के सामाजिक-आर्थिक सर्वे (एसईसीसी-2011) की विसंगतियाँ दूर होंगी।

मोबाइल-ऐप व पोर्टल: 30लाख से अधिक प्रशिक्षित गणनाकर्मी टैबलेट-आधारित मोबाइल-ऐप से डेटा भरेंगे, जबकि नागरिक सेल्फ एनुमरेशन पोर्टल पर स्वयं व अपने परिजनों का प्रोफ़ाइल अपडेट कर सकेंगे। पोर्टल केवल संदर्भ-तिथि से कुछ दिन पहले तक खुला रहेगा, ताकि अंतिम समेकन समय पर पूरा हो सके।

कोरोना से लगातार दूसरे दिन 10 से ज्यादा मौतें

- **जबलपुर में डिलीवरी के बाद महिला की जान गई; देशभर में 7264 एक्टिव केस**

नई दिल्ली/मुंबई/बेंगलुरु/तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। देश में कोरोना वायरस से लगातार दूसरे दिन 10 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, रविवार को 11 मरीजों ने जान गंवाई। केरल में 7 और दिल्ली, छत्तीसगढ़, एमपी, महाराष्ट्र में 1-1 मौत हुई है। कोविड के 31 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में 7264 एक्टिव मरीज हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1920 केस हैं। इसके बाद गुजरात में 1433 और पश्चिम बंगाल में 747 एक्टिव मामले हैं। बीते 24 घंटे में कोई नया केस नहीं मिला है, जबकि 119 मरीज रिकवर हुए हैं। मध्य प्रदेश के जबलपुर में रविवार को बच्चे को जन्म देने के एक दिन बाद महिला (27 साल) की कोविड से मौत हो गई।

अहमदाबाद विमान हादसा

विजय रूपाणी का शव राजकोट पहुंचा

- **अब तक 99 शवों की पहचान हुई**

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद विमान हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी का निधन हुआ था। सोमवार को उनका शव परिजनों को सौंपा गया। इसके बाद शव चार्टर्ड प्लेन के जरिए राजकोट लाया गया।

पुलिस की सुरक्षा के बीच शव को वाहन के जरिए रूपाणी के राजकोट निवास ले जाया जा रहा है। शाम अंतिम संस्कार किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी राजकोट पहुंचे थे।

इधर, अहमदाबाद विमान हादसे को 4 दिन बीत चुके हैं। इन चार दिनों में 250 शवों का डीएनए सैंपल लिया गया। अब तक 99 डीएनए मैच हो गए हैं, जिनमें से 64 शव उनके परिजनों को सौंपे गए हैं।

एनडीएमए, एनडीआरएफ और सीडीआरआई की प्रशंसा कर शाह ने कहा, भारत आपदा प्रबंधन में वैश्विक नेता बनने के करीब

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और आपदा रोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन (सीडीआरआई) की प्रशंसा की, जिससे भारत आपदा प्रबंधन में वैश्विक नेता बनने के करीब पहुंच गया। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि हम चाहते हैं कि इंटरस्टेट मॉक ड्रिल को सालाना कार्यक्रम बनाए। मेरा मानना ??है कि राज्यों की मदद के बिना इसतरह का काम संभव नहीं है। कई चक्रवात, कई आपदाएँ ऐसी होती हैं जिनके लिए इंटरस्टेट मॉक ड्रिल की जरुरत होती है और हम राज्यों की मदद के बिना नहीं कर सकते। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि हम आने वाले दिनों में इस पर आगे बढ़ना चाहते हैं। हम स्टार्टअप इंडिया को आपदा राहत तकनीक के विकास से भी जोड़ना चाहते हैं। मैं आपको पहले से बता रहा हूँ कि राज्यों को भी इसके लिए मंथन शुरू कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखकर आगे बढ़ना चाहिए। बीते 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने जो काम किया है, वह सराहनीय है। शाह ने कहा कि हम सभी के लिए यह हर्ष का विषय है कि 10 वर्षों के भीतर ही एनडीएएम, एनडीआरएफ और सीडीआरआई इन तीनों संस्थाओं ने भारत को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनने के और करीब ला दिया है। एनडीएमए ने नीतिगत मामलों की संरचना, शोध कार्य, विभिन्न प्रकार के अध्ययनों के लेखों को लोगों तक पहुँचाना, अनेक ऐप बनाना और नीतिगत मामलों के समग्र समन्वय में बहुत बढ़िया काम किया है...एनडीआरएफ ने पूरे देश में अपनी छवि बनाई है, ख्याति और सम्मान भी कमाया है।

जनता की सेवा हमारे डीएनए में, हम जनसेवक हैं शासक नहीं : राजनाथ सिंह

* जनता का भरोसा और कार्यकर्ताओं का परिश्रम ही भाजपा की ताकत
* चरित्र, मूल्यों और क्षमताओं का विकास करके राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया जा सकता है - सीएम डॉ. यादव
* ऑपरेशन सिंदूर में स्वदेशी रक्षा उपकरण के प्रयोग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई- विष्णुदत्त शर्मा
* देश के इतिहास, धर्म, परंपरा और संस्कृति को आगे ले जाने के लिए भाजपा का गठन हुआ-डॉ. महेन्द्र सिंह

भोपाल/पचमढ़ी (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने सांसद एवं विधायकों के प्रशिक्षण वर्ग के समापन सत्र को एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने द्वादश सत्र को संबोधित किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता व केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि सभी सांसद और विधायक हमेशा संगठन से जुड़े रहें, क्योंकि संगठन तब भी था, जब सत्ता नहीं थी। कार्यकर्ताओं को सम्मान दें और उनकी बात सुनें, क्योंकि भाजपा की असली ताकत जनता का भरोसा और कार्यकर्ताओं का परिश्रम ही है। जनता की सेवा हमारे डीएनए में है, हम जनसेवक हैं शासक नहीं है। जनता का भरोसा और कार्यकर्ताओं का परिश्रम ही भाजपा की असली ताकत है। जनता का भरोसा जीतें और हर संकट के समय सबसे पहले जनता के बीच पहुंचें। अपनी सोच को बड़ा रखिए, अपनी दृष्टि को बड़ा कीजिए। महापुरूषों की विचारधारा को आगे बढ़ाकर राष्ट्र निर्माण का कार्य करें। हमारा उद्देश्य सत्ता प्राप्ति नहीं, जनता की सेवा है, इसलिए हमने अपने विचारों से कभी समझौता नहीं किया। हमारी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं इसलिए भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी। हमारे लिए राष्ट्र निर्माण और विचारधारा सबसे प्रथम है। मध्यप्रदेश का आदर्श कार्यकर्ता है, कभी मर्यादाएं नहीं तोड़ता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चरित्र, मूल्यों और क्षमताओं का विकास करके राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दिया जा सकता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में स्वदेशी रक्षा उपकरण के प्रयोग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि हमारी पार्टी की विचारधारा राष्ट्र निर्माण करने वाले विचारों की श्रृखला है। पंच निष्ठाएं हमारे वैचारिक अधिष्ठान और राष्ट्रीय चेतना जागृत करने का आह्वान भी है। देश के इतिहास, धर्म, परंपरा और संस्कृति को आगे ले जाने के लिए भाजपा का गठन हुआ है।

गरीब विरोधी मोदी सरकार, मनरेगा को खत्म करने में जुटी

* कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार मनरेगा को खत्म करने में लगी है और इस योजना के कार्यान्वयन में कटौती करना संविधान के खिलाफ है। उन्होंने लिखा कि मोदी सरकार गरीबों की जीवन–रेखा मनरेगा को ख़त्म करने की कवायद में जुटी है। मोदी सरकार ने अब वर्ष के पहले 6 महीनों के लिए मनरेगा खर्च की सीमा 60 प्रतिशत तय कर दी है। मनरेगा जो संविधान के तहत काम का अधिकार का क़ानूनी अधिकार सुनिश्चित करती है, उसमें कटौती करना संविधान के ख़िलाफ़ अपराध है। खड़गे ने कहा कि क्या ऐसा मोदी सरकार केवल इसलिए कर रही है क्योंकि वे गरीबों की जेब से करीब 25,000 करोड़ छीनना चाहती है, जो कि हर साल, साल के अंत तक, डिमांड से ज़्यादा होने पर अगले वित्तीय वर्ष में अलग से ख़र्च करने पड़ते हैं? उन्होंने दूसरा सवाल किया कि चूंकि मनरेगा एक मांग– के साथ आने वाली योजना है, इसलिए यदि आपदाओं या प्रतिकूल मौसम की स्थिति में पहली छमाही के दौरान मांग में डिमांड की वृद्धि होती है, तब क्या होगा? क्या ऐसी सीमा लागू करने से उन गरीबों को नुकसान नहीं होगा जो अपनी आजीविका के लिए मनरेगा पर निर्भर हैं?

अंडमान सागर में मिले विशाल कच्चे तेल भंडार के संकेत, यदि पुष्टि हुई तो घट जाएगी आयात पर निर्भरता

* पुरी ने कहा- भारत गयाना-स्तर की खोज के मुहाने पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी ईरान-इज़राइल तनाव से कच्चे तेल का बाजार सिहर उठा है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि हालात बिगड़े तो ब्रेंट क्रूड 150 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकता है। इसी पृष्ठभूमि में भारत के लिए उत्साहजनक खबर आई है, जिसके मुताबिक अंडमान सागर में विशाल कच्चे तेल भंडार के संकेत मिले हैं। यदि इसकी पुष्टि हो जाती है तो भारत की आयात निर्भरता घट जाएगी।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक बातचीत में इस आशय का दावा किया है। मंत्री पुरी ने कहा, कि भारत गयाना-स्तर की खोज के मुहाने पर खड़ा है। दरअसल गयाना के स्टैब्रोक ब्लॉक में अमेरिकी हेस कॉरपोरेशन और चीनी सीएनओओसी ने अब तक 11.6 अरब बैरल के अनुमानित भंडार की खोज की है, जिसने उस छोटे दक्षिण अमेरिकी देश को वैश्विक ऊर्जा-नक्शे पर चमका दिया।

तेल आयात में आएगी भारी कमी: फिलहाल भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 फ़ीसदी तेल आयात करता है और आयातक देशों में अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर है। अंडमान में वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य रिज़र्व मिलने पर यह निर्भरता तेज़ी से घट सकती है।

अर्थव्यवस्था को बूस्टर : पुरी के अनुसार, खोज सफल होती है तो 3.7 ट्रिलियन डॉलर की भारतीय अर्थव्यवस्था दो दशक के अंदर में ही 20 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा छू सकती है। ऊर्जा सुरक्षा से विनिर्माण-वित्तीय सेवाओं तक व्यापक असर पड़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पर्यास तेल उत्पादन होने पर भारत खुद तेल निर्यातक क्लब में शामिल हो सकता है, जिससे चालू खाते का घाटा सिमटने और रुपये को बल मिलने की संभावना है।

आगे की राह

सरकारी अन्वेषण कंपनी ओएनजीसी और डीजीएच (हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय) के भूकंपीय सर्वे और अन्वेषण मंच सागर सम्राट पर पहले दौर की ड्रिलिंग की जा रही है। मौजूदा वक्त तक मिले डेटा 'उत्साहजनक' बताये गए हैं, पर भंडार का सटीक प्रमाण और गुणवत्ता का आकलन 'अप्प्रैज़ल वेल' पूरा होने के बाद ही होगा। यदि परिणाम सकारात्मक रहे तो 2027-28 तक विस्तृत विकास-योजना (एफडीपी) तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है।

बावजूद इसके विश्लेषकों का कहना है, कि आशाजनक संकेत के बाद भी तेल का घरेलू उत्पादन कई साल दूर लगता है, इस बीच भू-राजनीतिक उतार-चढ़ाव भारत की ऊर्जा लागत तय करते रहेंगे। यही कारण है कि केंद्र समानांतर रूप से हरित-ऊर्जा और सामरिक पेट्रोलियम भंडार (एसपीआर) विस्तार को भी आगे बढ़ा रही है।

संक्षिप्त समाचार

चीन-यूरोप एक्सप्रेस बनी बेल्ट एंड रोड पहल की रीढ़, विश्व कनेक्टिविटी को मिल रही गति

बीजिंग, एजेंसी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन च्येन ने एक नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कनेक्टिविटी बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई) का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चीन व्यापक परामर्श, संयुक्त निर्माण और साझा लाभ वाले सिद्धांतों का पालन करता रहेगा, जिससे वह वैश्विक कनेक्टिविटी के लिए एक महत्वपूर्ण प्रेरक शक्ति बना रहेगा। चीन का लक्ष्य अपने स्वयं के विकास से दुनिया को लाभ पहुंचाना और सभी पक्षों के लिए जीत-जीत परिणाम हासिल करना है। हाल के आंकड़ों के अनुसार, चीन-यूरोप एक्सप्रेस ने पिछले कुछ वर्षों में 1.1 लाख ट्रेनों का आंकड़ा पार कर लिया है, जिसमें 4.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का कार्गो मूल्य है। कई टिप्पणीकारों का मानना है कि चीन-यूरोप एक्सप्रेस मार्ग से जुड़े देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग के लिए यह एक एक्सलेटर बन गया है। लिन च्येन ने बताया कि चीन-यूरोप एक्सप्रेस बेल्ट एंड रोड पहल की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। वर्तमान में, चीन के 128 शहरों से चीन-यूरोप एक्सप्रेस सेवाएं शुरू हो चुकी हैं, जो 26 यूरोपीय देशों के 229 शहरों और 11 एशियाई देशों के 100 से अधिक शहरों तक पहुंचती हैं। औसतन हर आधे घंटे से भी कम समय में एक ट्रेन रवाना होती है, जो इस नेटवर्क की दक्षता को दर्शाता है। चीन-यूरोप एक्सप्रेस कुशलतापूर्वक, स्थिर और सुचारू रूप से संचालित होती है, न केवल एशिया और यूरोप के बीच आर्थिक और व्यापारिक आदान-प्रदान के लिए एक सेतु का निर्माण करती है, बल्कि मार्ग के साथ-साथ आने वाले देशों में विकास की गति को भी बढ़ाती है।

शी जिनपिंग ने यूनाइटेड किंगडम के राजा चार्ल्स तृतीय को संवेदना संदेश भेजा

बीजिंग, एजेंसी। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने एयर इंडिया के दुर्घटनाग्रस्त यात्री विमान में ब्रिटेन के नागरिकों की मौत पर यूनाइटेड किंगडम के राजा चार्ल्स तृतीय को संवेदना संदेश भेजा। शी चिनफिंग ने कहा कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि एयर इंडिया का यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें आपके देश के नागरिक भी मौजूद थे। चीनी सरकार और जनता की ओर से मैं पीड़ितों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं, पीड़ितों और घायलों के परिवारों के प्रति सच्ची सहानुभूति व्यक्त करना चाहता हूं तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। चीनी प्रधानमंत्री ली छ्यांग ने भी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर को संवेदना संदेश भेजा।

बेजोस के लिए कोई जगह नहीं; अरबपति कारोबारी की शादी के खिलाफ हैं वेनिस के लोग?

वेनिस , एजेंसी। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस और उनकी मंगेतर पूर्व टीवी पत्रकार लॉरेन सांचेज जून के अंत (24 से 26 जून) के बीच वेनिस में शादी करने जा रहे हैं। हालांकि शादी की तारीख और जगह को बेहद गोपनीय रखा गया है, लेकिन वेनिस में तैयारियों से लोगों को अंदेशा हो गया है कि कुछ बड़ा होने वाला है। लेकिन इस भव्य शादी को लेकर वेनिस के कई स्थानीय लोग और कार्यकर्ता नाराज हैं। उनका कहना है कि पहले से ही भीड़भाड़ और पर्यटकों की वजह से परेशान शहर को ये हाई-प्रोफाइल शादी और थका देगी। मामले में स्थानीय एक्टिविस्ट्स ने नो स्पेश फोर बोजोस नाम से विरोध अभियान शुरू किया है। सान जॉर्जियो द्वीप की चर्च की मीनार पर नो स्पेश फोर बोजोस का बैनर भी लगाया गया। प्रदर्शन की आयोजक फेडेरिका टोनीनेलो ने दावा किया कि शादी ला मिसेरीकोर्डिया नामक इवेंट हॉल में हो सकती है। उन्होंने चेतावनी दी है कि बेजोस वहां तक नहीं पहुंच पाएगा। हम रास्तों को अपने शरीरों से रोकेंगे, नहरों को नावों और लाइफसेवर्स से जाम कर देंगे। साथ ही एक और प्रदर्शनकारी ना हैबी स्टेला फे ने कहा कि हमारे पास एक 10 मिलियन डॉलर की शादी को रोकने का मौका है, हमें ये करना चाहिए। वहीं वेनिस के विपक्षी नेता जियोवानी आंद्रेया मार्टिनी ने कहा कि यह शादी वेनिस के डिज्नीफिकेशन (पर्यटन के लिए असली शहर को शोपीस बना देना) का चरम उदाहरण है। उनका कहना है कि आम वेनिस वासियों को इससे कोई लाभ नहीं होगा, बल्कि यह असुविधा ही लाएगा। तेज होते विरोध प्रदर्शन के बीच वेनिस के मेयर लुइगी ब्रुग्नारो बोजोस के समर्थन में सामने आए है। उन्होंने विरोध करने वालों को शर्मनाक बताया। साथ ही दावा किया कि शादी से शहर को कोई नुकसान नहीं होगा। उन्होंने कहा, सिर्फ 200 मेहमान आमंत्रित होंगे, इसलिए शहर की व्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

भारत ने नेपाल को दीं 40 एंबुलेंस

काठमांडो, एजेंसी। काठमांडो स्थित भारतीय दूतावास ने शनिवार को नेपाल के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों को 40 एंबुलेंस उपहार स्वरूप दी। इससे सात राज्यों के 33 जिलों के लोगों को सेवा मिलेगी। भारतीय दूतावास ने एक बयान में कहा, 22 एंबुलेंस काठमांडो, बीरगंज और पोखरा में 7-7 और धरान में 4 एंबुलेंस मुहैया कराई गई। काठमांडो में आयोजित समारोह में वाहनों की चाबियां भारतीय दूतावास के उप प्रमुख प्रसन्ना श्रीवास्तव द्वारा सौंपी गईं। उप प्रमुख ने कहा कि एंबुलेंसों का उपहार देना नेपाल-भारत विकास साझेदारी के तहत भारत सरकार की दीर्घकालिक पहलों में से एक है, जिसका उद्देश्य नेपाल सरकार के स्वास्थ्य क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के प्रयासों को बढ़ावा देना है।

इजराइल का ईरानी रक्षा मंत्रालय पर हमला: तेहरान और बुशहर में ऑयल डिपो पर बमबारी

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। ईरान और इजराइल ने शनिवार देर रात एक बार फिर से एक दूसरे पर कई मिसाइलें दागी। दोनों देशों के बीच बीते 48 घंटे से संघर्ष जारी है। इजराइल का दावा है कि उसने तेहरान में मौजूद रक्षा मंत्रालय को निशाना बनाया है। इसके अलावा तेहरान और बुशहर में ऑयल डिपो और गैस रिफाइनरी समेत 150 से ज्यादा ठिकानों को हिट किया। दो दिन की लड़ाई में अब तक 138 ईरानी मारे जा चुके हैं, जिनमें 9 न्यूक्लियर साइंटिस्ट और 20 से ज्यादा ईरानी कमांडर्स शामिल हैं। इसके अलावा 350 से ज्यादा घायल हैं। ईरान की राजधानी तेहरान समेत 7 राज्यों में एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव कर दिया गया है। ईरान ने भी पलटवार करते हुए इजराइल पर 150 से ज्यादा मिसाइलें दागी हैं। हमले में इजराइल के 13 लोग मारे जा चुके हैं और 300 से ज्यादा घायल हैं। ईरान ने 3 इजराइली स्न-35 विमान गिराने का भी दावा किया है।

इजराइल में 2 और शव बरामद, आज मौत का आंकड़ा 10 पहुंचा : राजधानी तेल अवीव में ईरान के हमले में मारे गए 2 और लोगों के शव बरामद हुए हैं। इसके साथ ही रविवार को मौत का आंकड़ा 10 पहुंच गया है। इसके अलावा 200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। 7 लोग अभी भी लापता हैं। इजराइल में अब तक

ईरानी हमलों में 13 लोगों की मौत हुई है और 300 से ज्यादा घायल हैं।

इजराइली सेना ने ईरान में मिसाइल लॉन्चरों पर हमला किया : इजराइली सेना ने पश्चिमी ईरान में मिसाइल स्टोरेज और लॉन्चरों को निशाना बनाया। सेना ने इन हमलों का एक वीडियो भी जारी किया है। ट्रम्प बोले- ईरान और इजराइल की लड़ाई आसानी से रोक सकते हैं ट्रम्प ने कहा कि वे ईरान और इजराइल के बीच समझौता कराकर इस लड़ाई को आसानी से रोक सकते है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्रुथ पर लिखा- अमेरिका का ईरान पर हुए हमले से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान किसी भी तरह से अमेरिका पर हमला करता है, तो अमेरिकी सेना पूरी ताकत के साथ जवाब देगी। ईरान के हमले में इस्राइल को भारी नुकसान, मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 10 हुआ ईरान द्वारा बैलिस्टिक मिसाइलों से किए गए हमले में इस्राइल को भी भारी नुकसान झेलना पड़ा है। इस्राइल में कई मकान हमले में तबाह हो गए हैं और अब मृतकों का आंकड़ा भी बढ़कर 10 हो गया है। बेत याम इलाके में ईरानी हमले के बाद सात लोग लापता हैं और उनके मलबे में दबे होने की आशंका है। इस्राइल के ईरान पर हमले में 100 से ज्यादा लोगों के मारे जाने का दावा किया जा रहा है। मृतकों में ईरान के दो परमाणु वैज्ञानिक और कई शीर्ष सैन्य कमांडर भी शामिल हैं। इस्राइल ने यमन मे भी किए हमले; ईरानी हमले में मरने वालों का आंकड़ा 10 हुआ शुक्रवार को इस्राइल के ईरान के कई परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद से दोनों देशों में संघर्ष जारी है। इसके चलते पश्चिम एशिया में तनाव और गहराता जा रहा है। दोनों देशों ने तीसरी रात भी एक दूसरे प हवाई हमले जारी रखे हैं। इस संघर्ष में अब तक दर्जनों लोग मारे जा चुके हैं और इस संघर्ष का फिलहाल कोई अंत नजर नहीं आ रहा है। शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात को भी इस्राइली हमले के बाद ईरान ने भी पलटवार किया और इस्राइल पर सैंकड़ों मिसाइलों से हमला बोला। हमले के बाद इस्राइल में भी नुकसान हुआ है और कई लोग घायल हुए हैं। इस्राइल के ईरान में हमलों से जहां उसके परमाणु ठिकानों को नुकसान पहुंचा है वहीं 20 बच्चों सहित कम से कम 80 लोग मारे गए हैं। वहीं इस्राइल में चार लोग मारे गए हैं। साथ ही दोनों पक्षों में जारी हमलों में सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। अमेरिका की स्थिति पर संशय इस्राइल के ईरान पर हमले में अमेरिकी की संलिप्तता को लेकर संशय की स्थिति है। दरअसल अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका हमले में शामिल नहीं है। वहीं राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उन्हें इस्राइल के हवाई हमले के बारे में पहले से जानकारी थी। भारत के पूर्व राजदूत महेश सचदेव का कहना है कि अमेरिका के बयानों में विरोधाभास है। उन्होंने कहा कि इस्राइल का ईरान पर हमला बड़ी सफलता है और इससे अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में अमेरिका ज्यादा शर्त लगा सकेगा। इस्राइल ने रविवार को यमन में भी हवाई हमले किए।

मैं जल्द मर सकता हूं, मिनेसोटा गोलीबारी के आरोपी ने अपने दोस्त को किया था ये मैसेज

वॉशिंगटन, एजेंसी। मिनेसोटा में हुई गोलीबारी के आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस ने आरोपी पर 50 हजार डॉलर का इनाम घोषित किया है। संदिग्ध आरोपी की पहचान वेंस लूथर बोएलटर के रूप में हुई है। 57 वर्षीय वेंस बोएलटर पर ही मिनेसोटा के राज्य विधायक मेलिसा होर्टमैन और उनके पति की हत्या और स्टेट सीनेटर जॉन हॉफमैन और उनकी पत्नी पर गोली चलाने का आरोप है।

आरोपी ने अपने दोस्त को किया था मैसेज : पुलिस ने बताया कि आरोपी ने ग्रे रंग की काउबॉय हैट पहने हुए था। एफबीआई ने आरोपी की जानकारी देने वाले को 50 हजार डॉलर का इनाम देने की घोषणा की है। बोएलटर के दोस्त रहे डेविड कार्लसन (59 वर्षीय) ने पुलिस को बताया कि कुछ समय पहले वे दोनों एक ही घर में रहते थे और दोनों करीब एक साल तक साथ रहे। शुक्रवार की रात उसने आखिरी बार बोएलटर को देखा था और शनिवार सुबह 6 बजे उसके पास बोएलटर का एक मैसेज आया था। इस मैसेज में बोएलटर ने लिखा कि वह शायद जल्द मरने वाला है। कार्लसन ने इसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी। जांच में पता चला है कि बोएलटर को साल 2016 में गवर्नर की वर्कफोर्स डेवलपमेंट बोर्ड में नियुक्ति हुई थी। ये वोर्फोर्स बोर्ड ही मिनेसोटा के गवर्नर को सलाह देता है। बोएलटर द्वारा कथित तौर पर की गई गोलीबारी की वजह अभी पता नहीं चल सकी है। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

राजनीतिक दुश्मनी की आशंका भी नहीं : अभी तक की जांच में पता चला है कि बोएलटर किसी भी राजनीतिक पार्टी का कट्टर समर्थक नहीं था। ऐसे में राजनीतिक दुश्मनी की बात भी गले नहीं उतर रही है। कार्लसन ने बताया कि बोएलटर ने पिछले राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप को वोट किया था और वह भी गर्भपात विरोधी था, लेकिन वह किसी राजनीतिक मुद्दे को लेकर बिल्कुल गुस्से में नहीं था। बोएलटर पूर्व में एक सिक्योरिटी कंपनी का मालिक था, लेकिन हाल के दिनों में बेरोजगार था। एक महीने पहले बोएलटर ने लिंकडन पर लिखा था कि वह फूड इंडस्ट्री में नौकरी की तलाश में है और टेक्सास, मिनेसोटा, फ्लोरिडा और वॉशिंगटन डीसी में काम कर सकता है।

गो फंड मी: ब्रिटेन में भारतीय समुदाय की पहल, अहमदाबाद विमान हादसे में अनाथ बच्चियों की मदद को जुटा रहे फंड

लंदन, एजेंसी। लंदन में रह रहे भारतीय समुदाय ने अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के ब्रिटेन स्थित परिवार वालों की सहायता के लिए पैसे जुटाने के लिए एकजुटता दिखाई है। इसमें दो अनाथ बच्चों के लिए तत्काल सहायता भी शामिल है। दुर्घटना के 241 पीड़ितों में से एक अर्जुन पटोलिया अपनी पत्नी भारती की इच्छा पूरी करने के लिए उनकी अस्थियों को विसर्जित करने गुजरात आए थे। उनके दोस्तों और परिवार ने शुक्रवार को उनकी दो बेटियों की आर्थिक सहायता के लिए एक ऑनलाइन गो फंड मी अभियान शुरू किया। पहले दिन ही लक्ष्य का आधे से अधिक धन जुटा लिया है। अर्जुन की कंपनी इंस्पायर्ड एलिमेंट्स के विनोद खिमजी ने कहा, 18 दिनों में दो छोटी बहनों (चार और आठ साल की) ने माता-पिता को खो दिया। जुटाई गई राशि कानूनी ट्रस्ट में रखी जाएगी या उनकी बेटियों की शिक्षा और अन्य जरूरतों के लिए उनके नियुक्त कानूनी अभिभावकों द्वारा प्रबंधित किया जाएगा। इंग्लैंड के नॉर्थम्प्टन निवासी अबधी पटेल के परिवार के लिए भी इसी तरह का प्रयास शुरू किया गया है। उनके पति पंकज और आठ वर्षीय बेटे मीर पटेल के मदद के लिए रकम जुटाई गई है। भारत में ब्रिटिश उच्चायोग ने अहमदाबाद हवाईअड्डे के पास सहायता केंद्र खोला है।

ईरान-इसराइल तनाव के बीच ओमान में परमाणु वार्ता रद्द

ओमान, एजेंसी। मध्य पूर्व में जारी उथल-पुथल के बीच ईरान और इसराइल के बीच बढ़ते तनाव ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। हालिया घटनाक्रम में ओमान में प्रस्तावित अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता रद्द कर दी गई है। यह वार्ता संभावित रूप से ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर किसी समझौते की दिशा में एक अहम क़दम हो सकती थी, लेकिन इसराइल और ईरान के बीच सैन्य धमकियों और कार्रवाई के बीच इसकी संभावनाएं ध्वस्त हो गई हैं। क्या हुआ वार्ता के साथ?

ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी ने घोषणा की कि रविवार (15 जून 2025) को मस्कट में होने वाली ईरान-अमेरिका वार्ता अब नहीं होगी। उन्होंने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखाः इस रविवार को मस्कट में होने वाली ईरान-अमेरिका वार्ता अब नहीं होगी। लेकिन कूटनीति और बातचीत ही स्थायी शांति का एकमात्र रास्ता है। यह वार्ता ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने और प्रतिबंधों में राहत के बदले ईरान की जवाबदेही तय करने के अमेरिकी प्रयासों का हिस्सा थी। ओमान अब तक दोनों देशों के बीच एक शांतिपूर्ण पुल का कार्य करता रहा है। परंतु मौजूदा स्थिति में यह संवाद अब स्थगित हो गया है।

तनाव की वजह क्या बनी?

1. इसराइल की धमकी और सैन्य कार्रवाई : इसराइल के प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू ने सीधे तौर पर ईरान को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा :

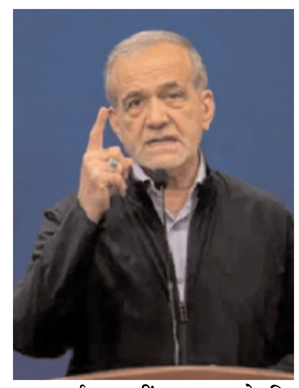

हम बर्दाश्त नहीं कर सकते कि ईरान 20 हज़ार मिसाइलों के उत्पादन की क्षमता विकसित करे। हमने उनकी उत्पादन क्षमता को बर्बाद करने के लिए कार्रवाई की है। नेतन्याहू का यह बयान साफ इशारा करता है कि इसराइल ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल और परमाणु कार्यक्रम को क्षेत्रीय और वैश्विक खतरे के रूप में देखता है। इसके अलावा उन्होंने एक बड़ा दावा भी किया : बहुत जल्द आप तेहरान के आसमान में इसराइली विमान, इसराइली वायुसेना और हमारे पायलटों को देखेंगे। यह एक प्रत्यक्ष चेतावनी है - कि इसराइल ईरान की राजधानी तक हवाई हमले कर सकता है।

2. ईरान की प्रतिक्रिया : ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ से फ़ोन पर बातचीत के दौरान कहाः ज़ायनिस्ट आक्रामकता जारी रही तो ईरानी सशस्त्र बल और कठोर तथा शक्तिशाली जवाब देंगे। यह बयान ईरान की डिटरेंस पॉलिसी यानी 'आक्रामक रोकथाम' रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। पेज़ेश्कियान के तेवरों से साफ है कि ईरान अब पीछे हटने को तैयार नहीं है। कूटनीतिक विश्लेषणः क्या परमाणु वार्ता फिर से शुरू होगी? परमाणु वार्ता का रद्द होना अमेरिका-ईरान संबंधों में एक और गिरावट है। यह वार्ता 2015 के जेसीपीओए की संभावित बहाली की दिशा में एक कदम मानी जा रही थी। लेकिन अब : अमेरिका में चुनावी माहौल गरम है; इसराइल-ईरान युद्ध की आशंका गहराती जा रही है; और ईरान की नई सरकार राष्ट्रीय सम्मान को प्राथमिकता दे रही है। इन सब कारणों से निकट भविष्य में औपचारिक परमाणु वार्ता का दोबारा शुरू होना बेहद मुश्किल दिखता है।

राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग, कई शहरों में फैला विरोध प्रदर्शन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ देश में विरोध प्रदर्शन बढ़ता जा रहा है। विरोध प्रदर्शन की शुरुआत कैलिफोर्निया राज्य के लॉस एंजिलिस से हुई थी। अब यह विरोध प्रदर्शन कई शहरों तक फैल चुका है। शनिवार को फिलाडेल्फिया में सैंकड़ों की संख्या में लोग ट्रंप प्रशासन की नीतियों के खिलाफ सड़कों पर उतरे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप के खिलाफ नारेबाजी भी की। विरोध प्रदर्शनों के आयोजकों का कहना है कि देशभर में सैंकड़ों आयोजनों में लाखों लोग शामिल हुए हैं।

लॉस एंजिलिस में हुए थे दंगे : बीते हफ्ते अवैध अप्रवासियों के खिलाफ अमेरिका के आव्रजन विभाग ने छापेमार कार्रवाई की थी और कई अवैध प्रवासियों को हिरासत में लिया था। इसके खिलाफ लॉस एंजिलिस में हिंसा भड़क गई थी। हिंसा के चलते राष्ट्रपति ट्रंप ने लॉस एंजिलिस में नेशनल गार्ड्स की तैनाती का आदेश दिया, जिससे लोग और नाराज हो गए और शहर में जगह-जगह दंगे और आगजनी शुरू हो गई। अब भी लॉस

एंजिलिस में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। हालांकि फिलहाल हालात सामान्य हैं। न्यूयॉर्क, डेनवर, शिकागो, ऑस्टिन में भी ट्रंप प्रशासन की नीतियों के खिलाफ लोगों ने विरोध मार्च निकाला।

वॉशिंगटन समेत कई शहरों में हुए विरोध प्रदर्शन : मार्च के दौरान प्रदर्शनकारी हाथों में ड्रम लेकर डांस करते दिखे और प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप विरोधी नारे लगाए। अटलांटा में भी करीब पांच हजार लोग एक कार्यक्रम में शामिल हुए। शनिवार को ट्रंप वॉशिंगटन में आयोजित हुई मिलिट्री परेड में शामिल हुए। आर्मी की 250वीं वर्षगांठ के अवसर इस परेड का आयोजन किया गया। वॉशिंगटन में भी करीब 200 लोगों ने लोगन सर्किल में ट्रंप के विरोध में कार्यक्रम आयोजित किया। प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप के बड़े-बड़े कटआउट बनाए हुए थे। वर्जीनिया में तो प्रदर्शनकारियों को एक एसयूवी ने टक्कर भी मार दी, जिसमें 21 साल का एक युवक घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। प्रदर्शनकारियों ने हमें राजा नहीं चाहिए और मिनी मुसोलिनी को निर्वासित करो जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए वे यहां हैं।

बांग्लादेश: निर्वाचित सरकार की प्रतीक्षा में व्यापारी और निवेशक, भरोसा नहीं जीत पाई अंतरिम सरकार?

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश का व्यापारिक समुदाय और निवेशक देश में स्थिरता और उनके हित में स्थायी नीतियों के लिए एक निर्वाचित सरकार की प्रतीक्षा कर रहे हैं। बांग्लादेश परिधान निर्माता व निर्यातक संघ (बीजीएमईए) ने कहा है कि अंतरिम सरकार के दौरान देश में कोई भी निवेशक निवेश नहीं करना चाह रहा। संघ के अध्यक्ष महमूद हसन खान बाबू ने कहा, यूनुस की सरकार ने बैंकिंग सुधारों, लूटपाट पर नियंत्रण समेत कुछ अच्छी पहल की हैं लेकिन वह भरोसा हासिल नहीं कर पाई है। कारोबारियों के सबसे अहम संगठन बीजीएमईए ने कहा कि आम तौर पर, एक अंतरिम सरकार के दौरान, निवेशक निवेश नहीं करना चाहते हैं। महमूद बोले- उम्मीद है कि जल्द ही चुनाव होंगे। यह चुनाव एक विश्वसनीय, निष्पक्ष चुनाव होना चाहिए ताकि लोग अपना फैसला दे सकें।

भारतीयों-बांग्लादेशियों में अच्छे संबंध : महमूद हसन खान बाबू ने कहा, भारतीय और बांग्लादेशी लोगों के बीच संबंध बहुत अच्छे और बहुत सौहार्दपूर्ण हैं। खासकर पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में, हमारे पास कुछ समान सांस्कृतिक चीजें हैं। लेकिन समस्या यह है कि जब दोनों तरफ

सरकार बदलती है, तो स्थिति भी बदल जाती है। कभी बहुत सौहार्दपूर्ण, कभी एकतरफा प्यार और कभी नाराजगी की स्थिति। यह भारत में सरकार या बांग्लादेश में सरकार पर निर्भर करता है। अकुशलता से बंद हुए 4,000 कारखाने महमूद बोले, बांग्लादेश में करीब 4,000 अहम कारखाने उनकी अकुशलता, प्राकृतिक आपदाओं, राजनीतिक हालात जैसी मानव निर्मित आपदाओं या बंदरगाहों, बिजली या ऊर्जा में समस्याओं जैसे बुनियादी ढांचे के कारणों से बंद हो चुके हैं। हम ऊर्जा के मुद्दों जैसे गैस, बिजली और मुद्रास्फीति की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

सिख ऑफ अमेरिका के संस्थापक ने खालिस्तान समर्थकों को लताड़ा, ट्रूडो को बताया सबसे कमजोर प्रधानमंत्री

वॉशिंगटन, एजेंसी। सिख ऑफ अमेरिका के संस्थापक और अध्यक्ष जसदीप सिंह जेसी ने खालिस्तान समर्थकों को लताड़ा है। उन्होंने कनाडा के पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो को सबसे कमजोर प्रधानमंत्री करार दिया। उन्होंने कहा कि ट्रूडो के कार्यकाल के दौरान खालिस्तानी समर्थन बढ़ा। यह नए पीएम मार्क कार्नी के नेतृत्व में कम हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री बनने के बाद मुझे लगता है कि खालिस्तानी समर्थन और खालिस्तानी प्रभाव जो हमने अतीत में देखा था, अब ऐसा नहीं होता। जस्टिन ट्रूडो अपने पिता की तरह ही एक बहुत ही कमजोर प्रधानमंत्री थे और उनके पास भारत के खिलाफ एक एजेंडा था, जो खत्म हो गया है। जेसी ने कहा कि अब कनाडा में खालिस्तानी प्रभाव नहीं है। खालिस्तानी आबादी का बहुत ही छोटा हिस्सा है। भारत से बाहर रहने वाले अधिकांश सिख भारत, पंजाब से प्यार करते हैं, और चाहते हैं कि भारत और पंजाब आगे बढ़ें। मैं खालिस्तानियों को सिख भी नहीं मानता क्योंकि वे सिख सिद्धांतों पर काम नहीं करते। उन्होंने जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पीएम मोदी को कनाडा द्वारा दिए गए निमंत्रण का स्वागत किया और इसे भारत-कनाडा संबंधों का सकारात्मक विकास बताया। उन्होंने पीएम मोदी को आमंत्रित करने के लिए कार्नी की सराहना की

और कहा कि यह दोनों देशों के लिए एक नई शुरुआत है। जेसी ने कहा कि पीएम मोदी को आमंत्रित करने का कनाडा का निर्णय बहुत अच्छा है। भारत एक बहुत मजबूत राष्ट्र है। अच्छी समझ की जीत हुई और मैं पीएम मोदी को आमंत्रित करने के लिए कनाडाई पीएम मार्क कार्नी की सराहना करता हूं। यह एक बहुत अच्छे रिश्ते की शुरुआत है। खालिस्तानी आंदोलन के नाम पर हो रहा अवैध व्यापार कार्नी ने कहा कि खालिस्तानी आंदोलन के नाम पर दुष्ट तत्व हर तरह का अवैध व्यापार कर रहे हैं। हमने उन्हें मानव तस्करी में शामिल देखा है। जब सभी युवा जो डंकी मार्ग से इन विदेशी देशों में आ रहे थे, उन्हें गुरपतवंत सिंह पन्नू जैसे तथाकथित खालिस्तानी नेताओं द्वारा पीड़ित और हेरफेर किया जा रहा था। फिर जनमत संग्रह के लिए इस्तेमाल किया गया और उन्हें झूठे वादे दिए गए कि उन्हें राजनीतिक शरण मिलेगी और इस तरह की सभी चीजें। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के आने के बाद, यह सब बंद हो गया है और इन सभी झूठे आव्रजन मामलों की जांच होने जा रही है। खालिस्तानियों को नहीं मानते सिख सिख ऑफ अमेरिका के संस्थापक ने कहा कि हम खालिस्तानियों को सिख नहीं मानते क्योंकि वे सिख धर्म के सिद्धांतों के खिलाफ काम करते हैं। इसलिए उनका प्रतिशत बहुत कम है, और मुझे नहीं लगता कि इस नई सरकार पर उनका कोई प्रभाव है। पूजा स्थलों पर हमले गलत जेसी ने कहा कि हम सभी तरह की हिंसा की निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन बर्बरता की हरकतें, खासकर हिंदू मंदिरों-पूजा स्थलों में, गलत थीं।

सीएम योगी ने 11690 आश्रित परिवारों के लिए जारी किए 561.86 करोड़

कौमी पत्रिका
सौरभ शर्मा

अंबेडकर नगर, 16 जून। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत सोमवार को 11690 आश्रित परिवारों के लिए 561.86 करोड़ रुपये जारी किए। अंबेडकर नगर में मुख्यमंत्री स्वयं मौजूद रहे, जबकि यूपी की सभी 350 तहसीलों में मंत्री-जनप्रतिनिधियों ने किसानों के आश्रितों को सहायता उपलब्ध कराई। मुख्यमंत्री ने इस वर्ष में अब तक आपदा के शिकार हुए अन्नदाता किसानों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि यूपी सरकार किसानों के हितों के संरक्षण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ तैयार है। मुख्यमंत्री कृषक बीमा दुर्घटना योजना के अंतर्गत इस वर्ष में अभी तक 11690 परिवारों को धनराशि दी गई है। अभी पूरा वर्ष बाकी है, लेकिन पैसे की कमी नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस व्यवस्था से पहले केवल किसान आता था, बटाईदार और किसान के परिवार के सदस्य नहीं आते थे, लेकिन हमारी सरकार ने कहा कि किसान, बटाईदार, कृषि श्रमिक व किसान के परिवार का कोई व्यक्ति अग्निकांड, आंधी-तूफान, आकाशीय बिजली, बाढ़ समेत किसी भी आपदा का शिकार होता है तो सरकार मुख्यमंत्री कृषक बीमा दुर्घटना योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपये की सहायता राशि देकर उस परिवार को आच्छादित करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत सोमवार को अंबेडकर नगर के 431 लोगों को सहायता राशि उपलब्ध कराई। इसमें 408 लोगों को पांच लाख रुपये, 10 लोगों को ढाई लाख, एक किसान परिवार को 1.25 लाख व 12 लाभार्थियों को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई गई। कुल राशि 20 करोड़, 78 लाख, 25 हजार रुपये (लगभग 21 करोड़) है। यह राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे खाते में भेजी गई। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना 14 सितंबर 2019 से लागू हुई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2020-21 में 500 करोड़ रुपये से 11275 आश्रितों को यह राशि दी गई। 2021-22 में 600 करोड़ से 13645, 2022-23 में 650 करोड़ से 15231 परिवारों को सहायता दी गई। 2023-24 में 950 करोड़ से 23821, 2024-25 में 1000 करोड़ उपलब्ध कराए गए, जिससे 25575 लाभार्थियों को सहायता प्राप्त हुई। 2025-26 में यह राशि बढ़कर 1050 करोड़ हुई, जिससे 11690 आश्रितों को लाभ दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंबेडकर नगर में 15 आश्रितों को पांच लाख रुपये का प्रतीकात्मक चेक दिया। यह राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे खाते में भेजी गई। मुख्यमंत्री के हाथों आश्रित गीता देवी, अकिला खातून, सितारा देवी, शांति देवी, रेखा शुक्ला, शालू, ज्योति, वंदना भारती, रुक्मिणी, सिंधू वर्मा, संगीता, शशिकला, कुसुम, अनीता, सबीना को पांच-पांच लाख रुपये चेक दिया गया।

●मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना से लाभान्वित शीर्ष 10 जनपद

जनपद	स्वीकृत दावे	धनराशि
●अंबेडकरनगर	431	20,78,25,000
●कुशीनगर	392	19,55,00,000
●कानपुर देहात	403	19,51,50,000
●मैनपुरी	355	17,66,00,000
●जौनपुर	417	17,20,00,000
●इटावा	352	17,00,80,000
●हरदोई	342	15,99,00,000
●लखीमपुर खीरी	334	15,82,50,000
●सोनभद्र	307	13,75,75,000
●संतकबीर नगर	280	13,35,25,000

तेज रफ्तार टेंपो ने बाइक को जोरदार टक्कर मारी

नई दिल्ली, 16 जून। बवाना औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार को तेज रफ्तार टेंपो ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक पर सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को पुलिस ने पास के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने तीन को मृत घोषित कर दिया है। वहीं गंभीर रूप से घायल युवक को दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। मृतकों की शिनाख्त विजय (38), रमाकांत (30), नंदू कुमार (23) के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक की पहचान राजाराम (19) के रूप में हुई है। सभी बवाना औद्योगिक क्षेत्र की फैक्टरी नंबर 110 में काम करते थे और वहीं रहते थे। घटना के बाद आरोपी चालक टेंपो को मौके पर छोड़कर भाग गया। पुलिस टेंपो को जब्त कर चालक की पहचान करने में जुटी है। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि मृतक और घायल एक ही बाइक पर सवार होकर किसी काम से जा रहे थे, तभी टेंपो ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस चालक की तलाश कर रही है।

ढाबे पर गिरा पेड़, टूटे बिजली के तार और फैल गया करंट

नई दिल्ली, 16 जून। राजधानी में आरके पुरम इलाके में एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एमसीडी के कियोस्क में चल रहे ढाबे पर तेज हवा और बारिश के दौरान पेड़ गिर गया। पेड़ के साथ वहां से गुजर रहे बिजली के तार कियोस्क पर आ गिरे, जिससे उसमें करंट फैल गया। हादसे में वहां सो रहे ढाबे के दो कर्मचारियों को जोरदार करंट लग गया। सूचना मिलने के बाद दोनों को किसी तरह निकालकर एम्स ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया, जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों की शिनाख्त रविंदर (30) और भरत (25) के रूप में हुई है। दोनों बिहार के मधुबनी के रहने वाले थे। ढाबे पर काम करने के बाद दोनों बाहर ही सो जाते थे। रविवार को बारिश आई तो दोनों बचने के लिए कियोस्क में अंदर चले गए और हादसे का शिकार हो गए। पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसा आरके पुरम सेक्टर-1, विवेकानंद मार्ग हुआ है। क्राइम टीम और एफएसएल को मौके पर जांच के लिए बुलाया गया। आरके पुरम थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

मिट्टी के बैक्टीरिया में बढ़ रहा एंटीबायोटिक प्रतिरोध, मानव स्वास्थ्य के लिए भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 16 जून। जैसे-जैसे वैश्विक तापमान में वृद्धि हो रही है, मिट्टी में मौजूद बैक्टीरिया में तेजी से एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस जीन (एआरजी) का स्तर बढ़ रहा है। इन जीन के कारण बैक्टीरिया उन दवाओं के प्रति प्रतिरोधक हो जाते हैं जो इन्हें नष्ट करने के लिए उपयोग की जाती हैं। यह सिर्फ स्वास्थ्य संकट नहीं बल्कि जलवायु परिवर्तन का खतरनाक और अब तक सबसे उपेक्षित पहलू भी है। नेचर इकोलॉजी एंड इवोल्यूशन एनवायर्नमेंटल रिसर्च लेटर्स में प्रकाशित डरहम विश्वविद्यालय के नेतृत्व में किए गए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में पता चला है कि जलवायु परिवर्तन अब न केवल वातावरण बदल रहा है बल्कि मिट्टी में मौजूद सूक्ष्मजीवों की संरचना भी बदल रहा है। ऐसे जीवाणु अब एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोधी होते जा रहे हैं। बढ़ते तापमान के साथ बैक्टीरिया अधिक सक्रिय, अनुकूलनशील और कठिन प्रतिरोधी बनते जाते हैं। वे उन जीन को सक्रिय करने लगते हैं जो उन्हें एंटीबायोटिक दवाओं से लड़ने में सक्षम बनाते हैं। यह एक घातक जैविक प्रक्रिया है जो मानव स्वास्थ्य प्रणाली के लिए भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती बन सकती है। शोधकर्ताओं ने कहा कि यह बेहद खतरनाक संकेत है क्योंकि मिट्टी बैक्टीरिया का एक विशाल भंडार है और यही बैक्टीरिया धीरे-धीरे मानवों व जानवरों में संक्रमण फैलाने वाले रोगजनक जीवों तक पहुंच सकते हैं। शोधकर्ता मशीन लर्निंग से अनुमान लगाया कि अगर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन ऐसे ही जारी रहा तो 2100 तक मिट्टी में एंटीबायोटिक प्रतिरोधी बैक्टीरिया 23त्न तक बढ़ सकते हैं। यह परिवर्तन केवल तापमान, बारिश या सूखे का विषय नहीं रह गया है, यह अब उस दिशा में भी असर डाल रहा है कि बीमारियां कैसे उत्पन्न होंगी, बदलेंगी और फैलेंगी। मिट्टी के बैक्टीरिया में बढ़ रहा एंटीबायोटिक प्रतिरोध एक खामोश संक्रमण क्रांति है। ?जो संक्रमण पहले कुछ दवाओं से ठीक हो जाया करते थे, वे अब असहाय बना सकते हैं और यह खतरा न केवल गरीब देशों का है बल्कि पूरी दुनिया के लिए साझा संकट है। दुनियाभर के शहरों में अगर पैदल और साइकिल यात्रा को बढ़ावा देने वाली नीतियों और ढांचागत विकास पर ध्यान दिया जाए तो वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में 6त्न तक की कमी लाई जा सकती है। इसके साथ ही स्वास्थ्य क्षेत्र को हर साल लगभग 43,500 करोड़ डॉलर का आर्थिक लाभ भी मिलेगा। यह बात यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, लॉस एंजेलिस (यूसीएलए) और गूगल के संयुक्त वैश्विक अध्ययन में सामने आई है। शोधकर्ता कहते हैं कि पैदल और साइकिल यात्रा एक बहुआयामी समाधान है। यह न केवल जलवायु संकट से लड़ने में मदद करता है, बल्कि स्वास्थ्य, आर्थिक बचत और नागरिक जीवन की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है। शहरों को चाहिए कि वे अपनी भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक जरूरतों के अनुसार ऐसी योजनाएं बनाएं जो लोगों को सुरक्षित, सुलभ और स्वस्थ यात्रा के विकल्प प्रदान करें।

पुलिस ने मुठभेड़ में एक आरोपी को दबोचा, पैर में लगी गोली

कौमी पत्रिका

हाथरस, 16 जून। हाथरस तहसील के गेट पर डीएम के चालक की बेटी कल्पिता शर्मा की गोली मारकर हत्या में शामिल नामजद आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दयानतपुर के निकट से गिरफ्तार किया है। आरोपी नवीन के पैर में गोली लगी है। आरोपी को घायल अवस्था में उपचार के लिए बागला अस्पताल लाया गया है। जल्दी ही और आरोपियों के पकड़े जा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि 14 जून की शाम 7.35 बजे बाजार से लौटते समय डीएम के चालक राकेश शर्मा की बेटी कल्पिता शर्मा की तहसील सदर के गेट पर नामजदों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए थे। इस मामले में मृतका के पिता राकेश शर्मा ने अपनी पुत्रवधू ज्योति पर अपने प्रेमी गुलशन भारद्वाज निवासी सादाबाद पर अपने दोस्तों के साथ मिलकर हत्या का आरोप लगाया था। इस मामले में पिता की तहरीर पर पुत्रवूध ज्योति, प्रेमी गुलशन, नवीन, गायत्री देवी व सूरज के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। हत्या के बाद पुलिस अधीक्षक चिरंजीवनाथ सिन्हा ने टीमें गठित करते हुए हत्यारोपियों की तलाश में चेकिंग व दबिशें शुरू करा दी थी। हत्यारोपियों की लोकेशन ट्रेस की जा रही थी।पुलिस अधीक्षक चिरंजीवनाथ सिन्हा ने बताया कि दयानतपुर नहर पुल से बाईपास की तरफ अपराधियों की चेकिंग में वाहन चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान नवीन पुत्र सुजान सिंह निवासी लक्ष्मण गढ़ी थाना खैर अलीगढ़ पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी की तो नवीन ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने जबावी कार्रवाई की और नवीन के बाएं पैर में गोली लग गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अभी आरोपी ने फिलहाल यह बताया कि कल्पिता को मारने के कई बार प्रयास किए गए थे। इस बार गुलशन ने हत्या करने की ठान ली थी। पुलिस ने घायल को बागला अस्पताल में उपचार के लिए भेजा है। घायल का उपचार बागला अस्पताल में कराया जा रहा है।

नई लहर में पहली बार एक दिन में तीन लोगों की मौत

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 16 जून। देशभर में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। राजधानी दिल्ली में भी कोरोना का कहर जारी है। नई लहर में दिल्ली में कोरोना वायरस से पहली बार एक दिन में तीन लोगों की मौत हुई है। कोरोना से दिल्ली में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। दिल्ली में अब जिन तीन लोगों की मौत हुई है उनमें दो महिला और एक पुरुष शामिल है। 57 वर्षीय महिला को मधुमेह, फेफड़े की समस्या थी। 57 वर्षीय पुरुष को मधुमेह, फेफड़े की समस्या थी। वहीं, 83 वर्षीय महिला को मधुमेह, उच्च रक्तचाप, फेफड़े की समस्या थी। हालांकि, कोरोना के सक्रिय मरीजों में तीन दिन से गिरावट देखी गई है। शनिवार को सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 672 रह गई। कोई नया मामला भी दर्ज नहीं किया गया। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के कोविड डैशबोर्ड के अनुसार, 24 घंटे में 212 मरीजों ने कोरोना को मात दी। दिल्ली में एक जनवरी से अब तक 1960 कोरोना के मरीज सामने आए हैं जिनमें से 11 मरीजों की मौत हो गई। देश में दिल्ली कोरोना के कुल मामलों में दूसरे नंबर पर है। नए वैरिएंट्स आमतौर पर तेजी से फैलते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि वे पहले जितने घातक हों। बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं, छोटे बच्चे और पहले से बीमार व्यक्ति सबसे ज्यादा जोखिम में रहते हैं। हल्के लक्षणों से शुरू होकर गंभीर सांस की दिक्कत तक मामला जा सकता है।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने केन्द्रीय ऊर्जा व आवास एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात किया

कौमी पत्रिका

देहरादून, 16 जून। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने केन्द्रीय ऊर्जा व आवास एवं शहरी कार्य मंत्री श्री

मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर जल-विद्युत परियोजनाओं के विकास एवं प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत विशेष सहायता हेतु अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री से ऋषिकेश-हरिद्वार क्षेत्र में विद्युत लाइनों को भूमिगत और स्वचालित करने का अनुरोध किया। साथ ही, राज्य के कुमाऊं और अपर यमुना क्षेत्र में जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण हेतु रुपये 4000 करोड़ के वाइबिलिटी गैप फंड के लिए आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने राज्य के दूरदराज और कठिन भू-भाग में पंप स्टोरेज परियोजनाओं के विकास के लिए रुपये 3800 करोड़ के वायबिलिटी गैप फंड की भी अनुरोध किया, जिससे इन क्षेत्रों में ऊर्जा उत्पादन क्षमता को ब ?ाया जा सके और स्थानीय विकास को भी ब ?ावा मिले। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने पावर सिस्टम डेवलप फंड के तहत पिटकुल की दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं की डीपीआर की स्वीकृति का आग्रह करते हुए इन दोनों परियोजनाओं को 100 प्रतिशत अनुदान के साथ मंजूरी देने का भी अनुरोध किया। इन परियोजनाओं की लागत रुपये 1007.82 करोड़ है। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री का प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत कमजोर आय वर्ग के लिए आवासीय इकाइयों के निर्माण को लेकर वर्तमान दिशानिर्देशों की व्यवहारिक चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार निजी भागीदारी मॉडल के अंतर्गत सफलतापूर्वक परियोजनाएं संचालित कर रही है, लेकिन एकमुश्त केंद्रीय अनुदान की व्यवस्था से परियोजनाओं का कैश फ्लो प्रभावित हो रहा है। मुख्यमंत्री ने अनुरोध किया कि सरकारी भूमि पर लागू चरणबद्ध सहायता प्रणाली (जैसे 40:40:20) को निजी भूमि आधारित परियोजनाओं में भी लागू किया जाए। मुख्यमंत्री ने अनुरोध किया कि बैंकों, एनबीएफसी और अन्य वित्तीय संस्थानों को इस संबंध में स्पष्ट दिशानिर्देश दिए जाएं ताकि ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लाभार्थियों को सरलता से ऋण सुविधा उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री से आरआरटीएस (रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम) को मोदीपुरम मेरठ मार्ग से आगे हरिद्वार तक विस्तारित करने हेतु अनुरोध किया। इससे न केवल राज्य में यातायात की समस्या हल होगी, बल्कि शहरीकरण और समग्र आर्थिक विकास को भी ब ?ावा मिलेगा।

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Pinki D/O Suresh Kumar W/O Ronit Gahlot,R/O H.NO-3, NAWADA VILLAGE, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi -110059 declare that name of mine has been wrongly written as Priyama in my Ration card no 32250.The actual name of mine is Pinki, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VERAALAGAMMAL mother of No.16116985M, Rank-HAV, Name-VENKATACHALAPATHI R residing at VPO-MELAGOPALAPURAM, TEHSIL-WATRAP, DISTT-VIRUDHUNAGAR, TAMIL NADU-626116, have changed my name from VERAALAGAMMAL to VEERAAZHAGAMMAL R for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 23/03/1964 instead of my correct date of birth as 15/08/1963 Vide Affidavit dated 16/06/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as Dilip Kumar S/O Bhani Sahay, R/O A-94/95, SHIV RAM PARK, Nangloi, West Delhi, Delhi-110041, have changed my name and shall hereafter be known as DILIP KUMAR SHARMA.

NAME CHANGE
I, No.-15322315P Rank-HAV Name-JUSTIN P legal father of JU MITHIN residing at- VILL-PUNKARAI AALUVILAI, PO-THIRUVITHANCODE, TEHSIL-KALKULAM, DISTT-KANNIYAKUMARI, TAMIL NADU-629174, have changed my minor son's name from JU MITHIN to MITHIN J U for all future purposes vide affidavit dated 16/06/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No.-15322315P Rank-HAV Name-JUSTIN P legal father of JU SAYA residing at- VILL- PUNKARAI AALUVILAI, PO-THIRUVITHANCODE, TEHSIL-KALKULAM, DISTT-KANNIYAKUMARI, TAMIL NADU-629174, have changed my minor daughter's name from JU SAYA to SAYA J U for all future purposes vide affidavit dated 16/06/2025 Before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
I, KIRAN MALHOTRA W/O HARISH MALHOTRA, residing at S-219, SCHOOL BLOCK, SHAKARPUR, DELHI-110092, hereby inform that legal proceedings are going on regarding this house, please inform owner of this property KIRAN MALHOTRA before purchasing it. My mobile number is 9310586019

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client M/s Rome Estate LLP through its partners (1) Mr. Rohit Sharma & (2) Mr. Merajul Haq is the owner of Freehold Residential Plot area measuring 400 Sq. Mtrs. Out of Khasra No. 168 & 171, Situated at Village Jalpura Pargana & Tehsil Dadri Distt. Gautam Budh Nagar, U.P. by virtue of Sale Deed dated 24.10.2024 as Doc. No. 57553, Book No.1, Vol. No. 29252, Pages no. 71-96, SR- Dadri. in the chain document below mentioned documents not available i.e. Probate Order with respect of Regd. Will Deed dated 12.01.2012., now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and Flat No. 104 on First Floor, Orchid Tower, Block-B sold too be Mohd. Zafar Iqbal and same has been finance by ICICI Home Finance Co. Ltd. Branch: Noida, U.P. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, SUMER KANWARJEET SINGH VIJ S/O HARMOHINDER SINGH VIJ residing at C-116, NEW RAJINDER NAGAR, DELHI-110060 have changed my name to SUMER SINGH VIJ for all future purpose.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, NO-4283316L Rank-HAV Name-JAY PRAKASH SINGH residing at VILL-LODIPUR, PO-BEAPUR, DIST-PATNA, BIHAR-801503, in my service record my minor son's (AAYUSH KUMAR SINGH) date of birth wrongly mentioned as 17/06/2009 instead of his correct date of birth as 17/03/2009 Vide Affidavit dated 16/06/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I SHAREEF AHMAD S/O RAHISH AHMAD R/O C-7 C - BLOCK NEW SEELAMPUR NORTH EAST DELHI 110053 HAVE CHANGED MY NAME TO SHARIF AHMAD FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I hitherto known as PARUL CHADHA alias PARUL OBEROI D/o KRISHAN CHADHA W/o ABHISHEK OBEROI, R/o 26, Block – BM West, Shalimar Bagh, North West Delhi, Delhi - 110088 have changed my name and shall hereafter be known as PARUL CHADHA.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RADHIKA TYAGI D/o ANIL TYAGI residing at House No. A - 85 Flat No. 10, Gali No. - 5 , East Natthu Colony, Shahdara, Mandoli, Saboli, North East Delhi, Delhi - 110093 have changed my name and shall hereafter be known as KRITIKA TYAGI.

NAME CHANGE
I, No-14651303L Rank-HAV Name-PATHAN TABREJ ASIFKHAN residing at VPO-NANDAR, TEHSIL-PAITHAN, DIST-AURANGABAD, MAHARASHTRA-431107, have changed my minor son's name from PARVEZ PATHAN to PATHAN PARVEZ TABREJ for all future purposes vide Affidavit dated 16/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14651303L Rank-HAV Name-PATHAN TABREJ ASIFKHAN residing at VPO-NANDAR, TEHSIL-PAITHAN, DIST-AURANGABAD, MAHARASHTRA-431107, have changed my minor daughter's name from SIMRAN PATHAN to PATHAN SIMRAN TABREJ for all future purposes vide Affidavit dated 16/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RASALA BHAGYA LAXMI wife of No.-15441629A, Rank-NK Name-RASALA RAMU residing at VILL-KALWAKOLE, PO-PEDDAKOTHA PALLY, DIST-NAGARKURNOOL, TELANGANA-509102, have changed my name from RASALA BHAGYA LAXMI to G BHAGYA LAXMI for all future purposes vide Affidavit dated 16/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, INTIKHAB ALAM S/O MOHAMMAD ISMAIL residing at C-63, C-BLOCK, NEW SEELAMPUR, NORTH EAST DELHI-110053 have changed my name to INTAKHAB ALAM for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SAEEMA NISHA W/O INTAKHAB ALAM residing at C-63, C-BLOCK, NEW SEELAMPUR, NORTH EAST DELHI-110053 have changed my name to SAIMA IQBAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I hitherto known as BIJENDAR KUMAR S/O NANDU R/O. S/O: House No.- A-11/1, Shyam Gali, Maujpur, Garhi Mendu, North East Delhi, Delhi-110053, have changed my name and shall hereafter be known a BIJENDER.

NAME CHANGE
It is for general information that I, VASIM AHMAD S/O YUNUS R/O 59, ISHAPUR, BHADAULA, PO-BHADOLA, DIST-GHAZIBAD, UTTAR PRADESH-245304 declare that name of mine and my son has been wrongly written as KHAIRUNISHA and AREAS SAIFI in my minor son ARSHAD aged 14 years his Aadhar Card -948901801483. The actual name of mine and my son are VASIM AHMAD and ARSHAD, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Gyanender Kumar S/o Sh. Chhote Lal R/o RZ-149, P-Block, M.D Road, Gopal Nagar, Najafgarh, South-West Delhi-110043 certify that NIDHI RISHI is my minor daughter and her name has been incorrectly mentioned in her Aadhar card (5905 6296 2780) as Nedhi. Her correct name as per records is NIDHI RISHI.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री सतपाल पुत्र स्व0 श्री जिले सिंह, एवं उनकी पत्नी श्रीमती बबली, निवासी मकान नं0 64, द्वारका सेक्टर-28, बामनौली, दक्षिण पश्चिम दिल्ली, दिल्ली-110077 ने अपने पुत्र भूपेन्द्र एवं पुत्रवधु श्रीमती पूजा पत्नी श्री भूपेन्द्र के अवज्ञाकारी एवं नियंत्रण में न होने के कारण, उन्हें अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है और उनसे समस्त पारिवारिक एवं सामाजिक संबंध विच्छेद कर लिये हैं। यदि उपरोक्त पुत्र एवं पुत्रवधु किसी भी प्रकार के अपराध में सम्मिलित होते हैं अथवा कोई व्यक्ति उनसे किसी भी प्रकार का लेन-देन करता है, तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी स्वयं उस व्यक्ति की होगी। इसमें मेरे मुवक्किल श्री सतपाल, उनकी पत्नी श्रीमती बबली अथवा उनके परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

सुनिल कुमार सिंह, अधिवक्ता
चैम्बर नं 630, द्वारका कोर्ट कॉम्पलेक्स,
सेक्टर-10, नई दिल्ली-110075,
मोबाइल नंबर- 8368008902

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Soni Devi W/o Mr. Ranjan Kumar Singh is the owner of Freehold Residential Plot No. 10 area measuring 75 sq. yds. out of Khewat no. 119/109, Khatoni no. 140, Mu. No. 11, Killa No. 22 (7-19), 23 (0-19) Mu. No. 12 Killa 2 (8-0), 3 (3-15) Situated at Waka Mauja Palla Faridabad, Tehsil & Distt. Faridabad, Haryana. by virtue of Sale Deed dated 24.08.2015 as Doc. No. 8578, Book No. 1, SR- Faridabad. In the chain documents below mentioned document not available i.e. Death Certificate of Late Mr. Kishan Sahay & NOC from Mr. Manoj Kumar S/o Late Mr. Krishan Kumar in respect of entire property., our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, and Same property sold too be Mrs. Babita Singh W/o Mr. Rajesh Kumar Singh which is to be financed by DCB Bank Limited Branch: Faridabad Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 15 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
I, hitherto known as SAVITA ANAND alias BHAVNA, D/o SURENDRA NATH, W/o ANAND PRAKASH, R/O Flat No-703, Tower -P2, Prateek Grand City, Siddharth Vihar, Nh -24, Vtc: Ghaziabad City, Po: Vijay Nagar, District: Ghaziabad, State: Uttar Pradesh-201009, have changed my name and shall hereafter be known as SAVITA ANAND.

NAME CHANGE
I, JAVED ALI / JAVED HASAN S/O ABDULA KHAN residing at H NO-674, STREET NO-13, E-II, BLOCK, NEHRU VIHAR, DAYAL PUR EXTN, DELHI-110094 have changed my name to MOHD JAVED HASAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, JAMEELA BEGUM / JAMIALA BEGUM / JAMILA / JAMEELA W/O MOHD JAVED HASAN residing at H NO-674, STREET NO-13, E-II, BLOCK, NEHRU VIHAR, DAYAL PUR EXTN, DELHI-110094 have changed my name to JAMILA BEGUM for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOUAR KHAN S/O MOHD JAVED HASAN residing at H NO-674, STREET NO-13, E-II, BLOCK, NEHRU VIHAR, DAYAL PUR EXTN, DELHI-110094 have changed my name to MAYOOR HASAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Bijender singh s/o late hoshiyar singh f/o Sumit Choudhary r/o 168 atoranangla Firoz MohanPur Ghaziabad up have know by Vijender singh for all purpose

NAME CHANGE
I, JC-708827X, Rank-NB/SUB Name-ARUN.V residing at VILL-KOLLAYIL, PO-MANCHAVILAKAM, TEH-NEYYATTINKARA, DISTT-TRIVANDRUM, KERALA-695503, have changed my mother's name from L USHA to USHAKUMARI.L for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 19/03/1963 instead of her correct date of birth as 01/01/1966 vide Affidavit dated 13/06/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mrs. Reena** is the purchasing Land area measuring 75 sq. yds. out of Khasra No. 289/1min situated in Sain vihar village Dhunheda pargana Loni Tehsil & Distt. Ghaziabad U.P. from Mrs. Sunita Devi who is the owner of the abovementioned property vide Sale Deed dated 18.06.2015 and intend to mortgage the said property with **Piramal Capital & Housing Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Contact no.- 49774545

NAME CHANGE
I, Prashant Son of Shri Satish Saxena Resident of B-90, Gali No.10, Patpar Ganj, East Delhi, Delhi-110091, Have Changed My Name Prashant to Prashant Saxena for All Future Purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, JAI PRAKASH S/o DULI CHAND residing at Pankaj Tent House, 40, Deepchand Pradhan Mohalla, Rajokari Village, South West Delhi, Delhi - 110038 declare that the name of mine has been wrongly written as JAI PARKASH in my Service Records. The actual name of mine is JAI PRAKASH which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as PUSHPA GUHA ALIAS NIVEDITA GHOSH W/O S.K GHOSH D/O BISHEN SINGH KAPOOR R/O E-70, D.D.A FLATS, EKTA APARTMENTS, OPP HAUS RANI MARKET, SAKET, MALVIYA NAGAR S.O, SOUTH DELHI, DELHI-110017 have changed my name and shall hereafter be known as NIVEDITA GHOSH.

DATE OF BIRTH CHANGED
I, MAMTA DEVI spouse of No.GO-4936A Rank-CDM Name- SHRI CHAND UNIT ADD.- HQ DGBR SEEMA SADAK BHAVAN, RING ROAD DELHI CANTT, NEW DELHI-110010, R/o H NO-C-62, MAHARAJA ENCLAVE, SOMANA ROAD, KHAIR, ALIGARH, UTTAR PRADESH-202138, have changed my date of birth from 12/05/1975 to 12/07/1975 For All Future Purposes. Vide Affidavit Dated 16.06.2025 before Sub Divisional Magistrate Delhi India

NAME CHANGE
I, KAMALA is real mother of No. 14869351X Rank-HAV/ Name- NIDHIN PK R/o PUTHIYA KAVIL HOUSE, PO-KARA PERAVOOR, TEH-IRITTY, DIST- KANNUR, STATE-KERALA, PIN-670702, I have changed my name from KAMALA to KAMALAKSHI P K For All Future Purposes. Vide Affidavit Dated 16.06.2025 before Public Notary Delhi India.

NAME CHANGE
I, CHANDRAN P K father of 14869351X Rank-HAV/ Name- NIDHIN PK R/o PUTHIYA KAVIL HOUSE, PO-KARA PERAVOOR, TEH-IRITTY, DIST- KANNUR, STATE-KERALA, PIN-670702, have changed my name from CHANDRAN P K to CHANDRAN PUTHIYA KAVIL For All Future Purposes. Vide Affidavit Dated 16.06.2025 before Public Notary Delhi India.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RAJAT SHASHI KANT SHARMA alias RAJAT SHRAMA S/O SHASHI KANT SHARMA R/O B-34, JHILMIL COLONY, EAST DELHI, DELHI-110095 have changed my name and shall hereafter be known as RAJAT SHARMA.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सचिन पाल, पुत्रः नरेश पाल, पताः म. नं. 192, गांव महाराजपुर, पुलिस थाना लिंक रोड, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 106/2019, U/s 380/454/411/34/120B IPC, पुलिस थाना चांदनी महल, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सचिन पाल** नहीं मिल रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सचिन पाल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 106/2019, U/s 380/454/411/34/120B IPC, पुलिस थाना चांदनी महल, दिल्ली** के अभियुक्त **सचिन पाल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **23.08.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री सायशा चड्ढा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-08
केंद्रीय जिला, कमरा नं. 22
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/7373/CD/2025

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.PC. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सुनील शाह,** पुत्र स्वर्गीय श्री कुलदीप शर्मा, निवासी 17ए, नवीन पार्क, श्याम पार्क, साहिबाबाद यू.पी. ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 235/2013 धारा 498ए/406 भा.दं.स. थाना पश्चिम विहार, पूर्वी दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सुनील शाह** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सुनील शाह** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.PC. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 235/2013 धारा 498ए/406 भा.दं.स. थाना पश्चिम विहार, पूर्वी दिल्ली के उक्त अभियुक्त **सुनील शाह** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **24.07.2025** को हाजिर हो।

**आदेशानुसारः सुश्री हेली फर कौर,
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी (पश्चिम),
महिला कोर्ट संख्या-05, कमरा नं. 353,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली।**

DP/7746/OD/2025

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

कांग्रेस जिला अध्यक्षों के सभी आवेदकों का पूरा ट्रैक रिकार्ड होगा चेक: बीवी श्रीनिवास

रोहतक। संगठन सृजन अभियान के तहत रोहतक पहुंचे युवा कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास ने कहा जिला अध्यक्ष को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है, अब तक उन्हें 30 आवेदन रोहतक शहरी और ग्रामीण से प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस ने जो मानदंड तय किए हैं उन्हीं के अनुसार कार्य पूरा होगा। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास ने कहा अभी 20 जून तक वह रोहतक का दो बार दौरा और करेंगे। कार्यकताओं की बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं से वह निजी रूप से मिलने के लिए भी तैयार हैं। कार्यकर्ता चाहे तो उनसे फोन पर भी बात कर सकते हैं, श्रीनिवास ने अपना निजी फोन नंबर भी मंच के माध्यम से सार्वजनिक किया, उन्होंने कहा कि बहुत सारे कार्यकर्ता उनके दिल्ली स्थित आवास पर भी आकर उनसे मिले हैं। कांग्रेस में इस अभियान को लेकर जबरदस्त उत्साह है, प्रधान पद के लिए लगातार आवेदनों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं राहुल गांधी की सोच के अनुसार संगठन निर्माण का कार्य तेजी से शुरू हुआ है। इसी महीने के अंत तक सभी लिस्ट फाइनल कर दी जाएंगी।

शहीदों की शहादत व उनके परिवारों के प्रति संवेदनशीलता रखना हमारा दायित्व : कार्तिकेय शर्मा

जींद। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने सफीदों उपमंडल के कालवा गांव के ययाति सूर्य कुंड मंदिर परिसर में पहुंचे। यहां पहुंचने राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा का ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। राज्यसभा सांसद ने यहां शहीदों की याद में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने लोगों से रूबरू होकर समस्याएं भी सुनी। यहां उन्होंने अपनी सांसद निधि से जगह दिलवाने व सूखा चारा रखने के लिए निर्माण भी करवाया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि शहीद हमारे देश की रक्षा के लिए अपनी जान न्यौछावर करते हैं। ऐसे में हमारा फर्ज है कि हम शहीदों की शहादत को याद रखें। सरकार तो अपना काम कर देती हैं लेकिन समाज शहीदों के लिए क्या कर सकता है, इस बारे में उन्होंने विचार किया है। हम सबका दायित्व बनता है कि देश पर अपनी जान न्यौछावर करने वाले शहीदों के प्रति हम संवेदनशील रहें। उन्होंने अहमदाबाद प्लेन क्रैश में मृतकों की आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। मृतक परिवारों को भगवान इस दुख की घड़ी का सामना करने की शक्ति दे।

राष्ट्रीय सम्मेलन में सिरसा के मछली उत्पादक किसानों ने अनुभव किए साझा

सिरसा। मध्यप्रदेश के इंदौर में राष्ट्रीय मत्स्य मीट 2025 का आयोजन किया गया जिसमें जिला मत्स्य अधिकारी जगदीश चंद्र एवं जिला सिरसा के झींगा मछली उत्पादक दो किसान गुरप्रीत सिंह एवं माया देवी ने भाग लिया। सम्मेलन में मछली उत्पादन से जुड़े किसानों ने अपने अनुभव साझा किए। इस भागीदारी में सिरसा की झींगा मछली उत्पादन से जुड़ी उपलब्धियों को देशभर में प्रस्तुत किया।सम्मेलन से लौटने के बाद जिला मत्स्य अधिकारी जगदीश चंद्र ने बताया कि सम्मेलन में हरियाणा द्वारा मत्स्य पालन क्षेत्र में किए जा रहे कार्य और उपलब्धियों को पेश किया गया, जिसमें सिरसा जिला का खासतौर पर झींगा मछली उत्पादन के बारे में बताया गया। उन्होंने कहा कि हरियाणा कृषि के साथ-साथ मत्स्य पालन में तेजी से उभरता हुआ राज्य बना है। हरियाणा देश के इनलैंड (भूमि से घिरे) राज्यों में मछली उत्पादन के मामले में प्रति हेक्टेयर दूसरे स्थान पर है। वहीं हरियाणा सरकार द्वारा अनुदान के लिए वर्तमान में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत चौदह लाख रुपए से बढ़ाकर 25 लाख करने की सिफारिश की गई है।

घर बुलाकर जीजा को पीटने वाला आरोपी साला गिरफ्तार

फरीदाबाद। फरीदाबाद में घर बुलाकर जीजा के साथ मारपीट करने वाले आरोपी साले को पुलिस चौकी सेक्टर-11 टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार रामनगर निवासी चौब सिंह ने सेक्टर-11 पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई कि बीती दस जून की सुबह उसकी पत्नी का मायके से फोन आया कि वह उसे लेने आ जाए। जब वह ससुराल पहुंचा तो वहां पहले से मौजूद उसके साले सोनू और कुछ अन्य लड़कों ने उस पर हमला कर दिया। मारपीट में उसकी पत्नी और साली ने भी उसका साथ दिया। इस घटना के बाद चौब सिंह ने पुलिस को शिकायत दी, जिस पर सेक्टर-8 थाने में मामला दर्ज किया गया। मामले को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की और कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सोनू निवासी रामनगर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसकी बहन और जीजा के बीच काफी समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते उन्होंने मिलकर साजिश के तहत चौब सिंह को ससुराल बुलाकर पीटने की योजना बनाई और घटना को अंजाम दिया।

संकल्प से सिद्धि अभियान ने बदली देश की तस्वीर : अरविंद शर्मा

एजेंसी

सोनीपत। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प से सिद्धि अभियान ने देश की तस्वीर बदल दी है। भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय और डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की राष्ट्र एकता की भावना को केंद्र में रखकर जनसेवा की ऐतिहासिक नीतियां लागू कीं। गोहाना में भाजपा जिला इकाई द्वारा आयोजित प्रोफेशनल मीट में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में बनी तीसरी भाजपा सरकार ने जनता के लिए 217 संकल्प लिए, जिनमें से 28 पूरे हो चुके हैं, और 90 संकल्प इसी वर्ष पूरे होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कोरोना काल में गरीब कल्याण अन्न योजना शुरू कर हर पात्र व्यक्ति को प्रति माह 5 किलो अनाज देना सुनिश्चित किया, जो अब 2028 तक बढ़ा दी गई है। हरियाणा में 48 लाख लाभार्थी इससे लाभान्वित हो रहे हैं। जल जीवन मिशन के तहत हर घर स्वच्छ जल पहुंचाने का केंद्र सरकारका लक्ष्य हरियाणा ने 2022 तक पूरा कर लिया। प्रधानमंत्री आवास योजना में 74 हजार मकानों में से 43,925 बन चुके हैं, शेष निर्माणाधीन हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से 20.69 लाख किसानों को 6563करोड़ रुपये मिले हैं। फसल बीमा योजना में 32.59 लाख किसानों को क्लेम मिला।सूर्य योजना से 17 हजार सोलर सिस्टम लगाए गए हैं। लखपति दीदी योजना* में अब तक 2 लाख महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। नमो ड्रोन योजना में 5 हजार महिलाओं को प्रशिक्षण मिला है। इस अवसर पर अनेक भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे और अहमदाबाद विमान हादसे में मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई।

सोनीपत में 71 लाख के विकास कार्यों का शुभारंभ

एजेंसी

सोनीपत। नगर के विकास को बढ़ावा देते हुए विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन ने लगभग 71 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का नारियल तोड़कर विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि महेश लूथरा सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। उपस्थित नागरिकों ने पुष्पमालाओं से स्वागत करते हुए जनप्रतिनिधियों का आभार जताया। विधायक निखिल मदान ने बताया कि सेक्टर 12 पार्ट 3 की ग्रीन बेल्ट के साथ चारदीवारी का कार्य शुरू किया गया है, जो महाराणा प्रताप चौक से ट्रक यूनियन तक फैला होगा। इस दीवार की ऊंचाई लगभग तीन फुट होगी और उसके ऊपर लोहे की ग्रिल लगाई जाएगी। यह कार्य आगामी दो सप्ताह में पूरा किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि विधायक निधि कोष से शहर के मुख्य मार्गों का सौंदर्यीकरण और गलियों के निर्माण जैसे कार्य भी शीघ्र आरंभ होंगे। मेयर राजीव जैन ने कहा कि नगर निगम चुनावों के बाद सोनीपतमें राज्य, केंद्र और नगर निगम की त्रिस्तरीय सरकार कार्य कर रही है, जिसका सीधा लाभ शहर को मिल रहा है। रोजाना करोड़ों रुपये के विकास कार्य या तो आरंभ हो रहे हैं या पूर्ण किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ग्रीन बेल्ट की चारदीवारी के साथ-साथ स्वच्छता अभियान भी जारी है, जिसमें सभी नालों की सफाई करवाई जा रही है। मौके पर निर्माण एजेंसी को कार्य की गुणवत्ता और मयसीमा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर बिजेंद्र दहिया, ललित, जोगिंद्र, अशोक अरोड़ा, विनोद मेहता, धनखड़ प्रधान, कुलदीप वत्स सहित अनेक स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

बोहड़ाकलां गांव में स्क्रैप के गोदाम में लगी भीषण आग

एजेंसी

गुरुग्राम। बोहड़ाकला में एक कीमती इलेक्ट्रॉनिक स्क्रैप वेयरहाउस में भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाडियां मौके पर पहुंची और फायरमैन के द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद बेकाबू होती आग को काबू कर लिया गया। राहत की बात इलेक्ट्रॉनिक उपकरण वाले स्क्रैप गोदाम में भड़की आग से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। यह स्क्रैप गोदाम बोहड़ाकला के ही प्रख्यात महाकाल मंदिर के पास में मौजूद बताया गया।प्रत्यक्ष दर्शियों के मुताबिक महाकाल मंदिर के बराबर में ही वेयर हाउस से धुआं निकलते हुए देखा गया। धुआं देखते हुए ही आगजनी और अनहोनी की आशंका बन गई। देखते ही देखते तेजी से आग भड़काना आरंभ हो गई। यहां वेयरहाउस में एयर कंडीशन फ्रिज वाशिंग मशीन अन्य इलेक्ट्रॉनिक दैनिक उपयोग में आने वाले उपकरण स्क्रैप के रूप में रखे होने की जानकारी सामने आई है। यहां आग का कारण कथित रूप से शॉर्ट सर्किट ही बताया जा रहा है। आग लगने के साथ ही फ्रिज एयर कंडीशन में अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के कंप्रेसर आग की चपेट में आकर फटने आरंभ हो गए। घटना के समय वेयरहाउस में बड़ी संख्या में काम करने वाले व्यक्ति भी मौजूद बताए गए। मौके पर फायर ब्रिगेड टीम पहुंची और आग पर काबू पाना शुरू किया। फायरमैन सुनील के मुताबिक पुलिस के माध्यम से तीन बजकर पांच मिनट पर महाकाल मंदिर के बराबर एक वेयरहाउस में आग लगने की सूचनामिली। पटौदी फायर स्टेशन की दो गाडियां घटनास्थल पर पहुंच गई। इसके साथ-साथ फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी मानेसर और एक गाड़ी मुसैदपुर से भी यहां आग पर काबू पाने के लिए समय रहते बुला ली गई। फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियों और दमकल कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

रेवाड़ी को मिला तोहफा: पानी और सड़क परियोजनाओं के लिए करोड़ों रुपए की घोषणा

एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रेवाड़ी जिले को विकास का एक बड़ा तोहफा देते हुए घोषणाओं का पिटारा खोल दिया है। मुख्यमंत्री ने पानी की आपूर्ति, सड़कों के नवीनीकरण और शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार के लिए करोड़ों रुपये की परियोजनाओं की घोषणा की। मुख्यमंत्री सैनी ने बताया कि रेवाड़ी में पानी की आपूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए भगवानपुर में एक अतिरिक्त वाटर स्टोरेज टैंक का निर्माण किया जाएगा, जिसके लिए 50 करोड़ 58 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसके साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में भी पानी की समस्या को दूर करने के लिए विशेष ध्यान दिया गया है। गांव डूंगरवास में पीने के पानी के लिए बूस्टिंग स्टेशन और नई पाइप लाइन बिछाने हेतु 7 करोड़ 20 लाख रुपये की घोषणा की गई है, वहीं गांव गोकुलपुर में वॉटर वर्क्स के निर्माण के लिए 5 करोड़ 6 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।

नायब सिंह सैनी ने रेवाड़ी शहर के विकास को लेकर भी बड़ी घोषणाएं कीं। शहर में एक बड़ी लाइब्रेरी का निर्माण किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों और आमजन को अध्ययन की बेहतर सुविधाएँ मिलेंगी। इसके अतिरिक्त, रेवाड़ी की सड़कों की मरम्मत और नवीनीकरण के लिए लगभग 35 करोड़ रुपये की घोषणा की गई है, जिससे शहर की आंतरिक और बाहरी कनेक्टिविटी में सुधार होगा। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि हरियाणा सरकार हरियाणा के संतुलित विकास के संकल्प को लेकर पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से रेवाड़ी जिले के लोगों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी और उनके जीवन स्तर में सुधार होगा।

वीरता और पराक्रम के प्रतीक थे महाराणा प्रताप: गजेंद्र सिंह शेखावत

एजेंसी

सोनीपत। राई विधानसभा क्षेत्र के गांव टांडा में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा एवं राणा सांगा द्वार का केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने विधिवत अनावरण किया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप भारतीय इतिहास में शौर्य, स्वाभिमान और पराक्रम के प्रतीक हैं। ऐसे महापुरुष किसी एक जाति, धर्म या क्षेत्र के नहीं होते, वे सम्पूर्ण मानवता के प्रेरणास्त्रोत होते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें इन महापुरुषों की जयंती और बलिदान दिवस को जन स्मृति में बनाए रखने हेतु संकल्पबद्ध हैं।देशभर में ऐतिहासिककिलों और महलों के संरक्षण को प्राथमिकता दी जा रही है ताकि युवा पीढ़ी को गौरवशाली अतीत से प्रेरणा मिलती रहे। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडोली ने हरियाणा को गीता और हरि की पुण्य भूमि बताते हुए युवाओं से आह्वान किया कि वे समाज में व्याप्त बुराइयों को मिटाने के लिए सभी प्रकार के भेदभाव को भुलाकर एकजुट हों।

उन्होंने कहा कि एकजुट समाज ही देश को समृद्ध और सशक्त बना सकता है। राई की विधायक कृष्णा गहलोत ने कहा कि महाराणा प्रताप की प्रतिमा और सांगा द्वार का अनावरण पूरे क्षेत्र के लिएगौरव की बात है। उन्होंने विकास कार्यों को प्राथमिकता देने और जनता के लिए सदैव उपलब्ध रहने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में विधायक पवन खरखौदा, योगेन्द्र राणा विधायक, असंध, रविंद नेगी विधायक, पटपड़गंज, दिल्ली, अशोक भारद्वाज भाजपा जिलाध्यक्ष, वीरेन्द्र सिंह चौहान अध्यक्ष, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, विक्रम ठाकुर भाजपा उपाध्यक्ष, हरियाणा शामिल रहे।

बैंक मैनेजर बनकर दिया ठगी की वारदात मामले में एक आरोप काबू

एजेंसी

गुरुग्राम। बैंक मैनेजर बनकर बीमा पॉलिसी बन्द होने का भय दिखाते हुए पॉलिसी को फिर से चालू कराने के नाम पर एक व्यक्ति से ठगी कर ली गई। पुलिस ने ठगी की इस वारदात में एक आरोपी को काबू करने में सफलता हासिल की है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने रविवार को बताया कि ठगी की राशि में से आरोपी के खाते में पांच लाख 84 हजार 800 रुपये आए थे। आरोपी के पास से 20 हजार रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार 4 फरवरी 2025 को एक व्यक्ति ने पुलिस थाना साइबर अपराध मानेसर जिला गुरुग्राम की पुलिस टीम को एक शिकायत दी। शिकायत में कहा गया कि एक व्यक्ति ने उसको फोन करके अपने आपको बैंक मैनेजर बताया। उसको उसकी बीमा पॉलिसी बन्द हो जाने की बात बताते हुए पॉलिसी को फिर से चालू करने के नाम पर उससे रुपए ट्रांसफर करवाकर लिए। इस तरह से उसके साथ धोखाधड़ी करके ठगी की गई। पीड़ित की शिकायत पर थाना साइबर अपराध मानेसर, गुरुग्राम में केस दर्ज करके जांच शुरू की गई। थाना प्रबंधक मनोज कुमार व उनकी टीम ने इस मामले में एक आरोपी को गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से काबू करने में सफलता हासिल की। आरोपी की पहचान राम प्रकाश ओझा निवासी दौलतराम कॉलोनी दादरी, जिला गौतम बुध नगर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। आरोपी से पुलिस पूछताछ में पता चला है कि ठगी हुई राशि में से पांच लाख 84 हजार 800 रुपए उसके खाते में ट्रांसफर हुए थे। आरोपी राम प्रकाश ओझा ने अपना यह बैंक खाता किसी अन्य व्यक्ति को बेच रखा था।

सरल पोर्टल बना युवाओं के अधिकारों में बाधा, सरकार तुरंत समाधान करे: सैलजा

एजेंसी

सिरसा। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार का बहुचर्चित सरल पोर्टल अब युवाओं के लिए सुविधा नहीं, बल्कि संकट का कारण बनता जा रहा है। सरकार द्वारा 31 मार्च 2025 के बाद बने प्रमाण पत्रों को ही वैध मानने की शर्त पहले से बने वैध दस्तावेजों को अस्वीकार करने जैसा अन्याय है। इससे हजारों पात्र युवाओं का भविष्य अधर में लटक गया है। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हजारों युवाओं ने ओबीसी, अनुसूचित जाति (एससी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के प्रमाण पत्रों के लिए आवेदन किया है, लेकिन या तो पोर्टल बार-बार क्रैश हो रहा है, ओटीपी नहीं आ रहा या फिर प्रमाण पत्रों में जाति की गलत प्रविष्टि हो रही है। यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि योजनाबद्ध तरीके से सामाजिक न्याय से वंचित करने की साजिश प्रतीत होती है। सरकार द्वारा 31 मार्च 2025 के बाद बने प्रमाण पत्रों को ही वैध मानने की शर्त पहले से बने वैध दस्तावेजों को अस्वीकार करने जैसा अन्याय है। इससे हजारों पात्र युवाओं का भविष्य अधर में लटक गया है। इतना ही नहीं जाति प्रमाण की जगह मृत्यु प्रमाण मांगा जाता है तो कभी कभी डाटा अपलोड ही नहीं होता। सांसद ने सरकार से मांग की है कि सरल पोर्टल को तुरंत तकनीकी रूप से स्थिर और उपयोगी बनाया जाए, 31 मार्च 2025 के बाद की अनिवार्यता को हटाया जाए और पूर्व में बने वैध प्रमाण पत्रों को मान्यता दी जाए, जो जाति प्रमाण पत्र गलत छप रहे हैं, उन्हें तत्परता से संशोधित कर फिर से जारी किया जाए, अंतिम तिथि को आगे बढ़ाना केवल दिखावा न हो, बल्कि उसके पहले पोर्टल की सभी खामियाँ दूर की जाए, सामाजिक न्याय के साथ कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा। सांसद ने चेतावनी देते हुए कहा कि वे युवाओं और अभिभावकों के साथ इस संघर्ष में मजबूती से खड़ी हैं और इस मुद्दे को संसद से लेकर सड़क तक उठाऊँगी।

उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर दुर्घटना गंभीर प्रशासनिक विफलता का संकेतः सिरसा से कांग्रेस की सांसद एवं उत्तराखड़ की प्रभारी कुमारी सैलजा ने कहा है कि उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति अब केवल चिंता का विषय नहीं, बल्कि एक गंभीर प्रशासनिक विफलता का संकेत है।

रोहतक में लोहारू के एसडीएम की गाड़ी में लगी आग, बाल-बाल बचे

एजेंसी

रोहतक। रोहतक के अंतर्गत आते कलानौर में बाद दोपहर एक एचसीएस अधिकारी की चलती कार में आग लग गई। घटना के समय अधिकारी कार में सफर कर रहे थे। हादसे में लोहारू के एसडीएम और उनका चालक बाल बाल बच गए । समय रहते एसडीएम ने गाड़ी रोकवाया और तुरंत बाहर निकल आए। बाद में दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची और कर्मचारियों ने आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि एसडीएम लोहारू मनोज कुमार रोहतक में कमिश्नर से मिलकर वापस लौट रहे थे और इस दौरान हादसा हो गया। बाद एसडीएम लोहारू मनोज कुमार रोहतक के कमिश्नर से मीटिंग के बाद वापस सरकारी गाड़ी से लौट रहे थे , जब उनकी गाड़ी कलानौर कस्बा के नजदीक पहुंची तो अचानक गाड़ी के इंजन से धुआं उठाना शुरू हो गया। यह देखकर एसडीएम और चालक तुरंत गाड़ी से उतरे गए , इसके बाद गाड़ी को आग अपनी चपेट में ले लिया और गाड़ी धूं धूं कर जलने लगी। इसी बीच सूचना मिलने पर दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची और कर्मचारियों ने आग पर काबू पाया। संयोगवश एसडीएम और उनके चालक समय पर गाड़ी से उतर गए, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था।

गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में होगा शहरी स्थानीय निकायों का राष्ट्रीय सम्मेलन

एजेंसी

चंडीगढ़। आगामी 3 और 4 जुलाई को आयोजित होने वाला शहरी स्थानीय निकायों का राष्ट्रीय सम्मेलन का स्थान तय हो गया है। यह सम्मेलन गुरुग्राम स्थित गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में आयोजित किया जाएगा। पहले यह सम्मेलन गुरुग्राम में किसी अन्य स्थान पर प्रस्तावित था, लेकिन व्यवस्थागत सुविधाओं और समुचित अवसंरचना को ध्यान में रखते हुए गुरुग्राम यूनिवर्सिटी को स्थल के रूप में चुना गया है। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण इस सम्मेलन की तैयारी बड़े स्तर पर करवा रहे हैं। आयोजन को भव्य और सफल बनाने के लिए लोक सभा सचिवालय, हरियाणा विधान सभा सचिवालय, शहरी स्थानीय निकाय विभाग और गुरुग्राम जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है। सम्मेलन में देशभर से शहरी स्थानीय निकायों से जुड़े जनप्रतिनिधि, नीति निर्माता, शहरी विकास के विशेषज्ञ, प्रशासक और शहरी शासन से संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करना हरियाणा विधान सभा के लिए गौरव का विषय है। विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण का मानना है कि इस सम्मेलन से शहरी शासन व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में ठोस और व्यावहारिक समाधान सामने आएंगे। इसलिए सम्मेलन को सफल बनाने के लिए विस अध्यक्ष कल्याण स्वयं तैयारियों की नियमित समीक्षा कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने हरियाणा विधान सभा सचिवालय में आयोजित बैठक में प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, शहरी स्थानीय निकाय विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर दिशा-निर्देश दिए। इससे पूर्व 5 जून को गुरुग्राम में भी तैयारियों को लेकर अहम बैठक की गई थी, जिसमें व्यवस्थाओं की बारीकियों पर विशेष ध्यान दिया गया। हर व्यवस्था के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की जा रही है ताकि कार्यक्रम में किसी प्रकार की कोई कमी न रह जाए। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का भी आभार प्रकट किया, जिन्होंने हरियाणा विधान सभा को इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन की मेजबानी का अवसर प्रदान किया है।

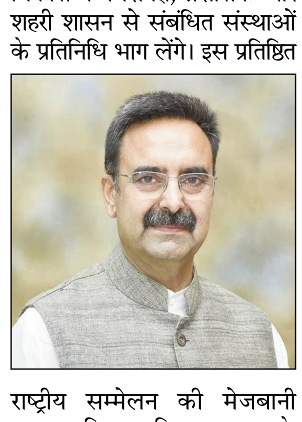

सिरसा में आईआईटी की स्थापना की मांग पर सामाजिक संस्थाओं ने केंद्रीय मंत्री को भेजा प्रस्ताव

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा स्टेट पेंशनर्स समाज सिरसा, बाबा सरसाईनाथनाथ बुक बैंक वेलफेयर ट्रस्ट सिरसा व श्री गौशाला सिरसा ने सिरसा में आईआईटी की स्थापना के लिए प्रस्ताव पारित कर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को भेजा है। ट्रस्ट के अध्यक्ष गुरदीप सैनी ने बताया कि भारत सरकार की ओर से हरियाणा में भारतीय प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण संस्थान स्थापना की जानी है। यह शिक्षण संस्थान हरियाणा को एक नई बुलंदी प्रदान करेगा। जिला सिरसा हरियाणा की त्रिवेणी है, यहां पर राजस्थान, पंजाब और हरियाणा तीनों राज्यों की संस्कृति का समावेश है। यदि संस्थान सिरसा में स्थापित होता है तो तीन राज्यों के युवा लाभान्वित होंगे। उन्होंने बताया कि जिला सिरसा की भौगोलिक स्थिति बहुत ही अच्छी है यहां वर्षभर मौसम मानव अनुकूल रहता है। प्राकृतिक की गोद में बसा यह जिला प्रदूषण, भीड़ एवं अत्यधिक गर्मी. सर्दी व वर्षा आदि से पूर्णत~ सुरक्षित है। सामाजिक तौर पर यह बहुत ही शांत जिला है। यहां पर अलग-अलग संस्कृति, धर्म, समुदाय के लोग बहुत ही सद्भाव से अपना जीवनयापन करते हैं। इसके अलावा सिरसा संतों की नगरी है। यहां पर महान संत बाबा सरसाईनाथ जी, सावन सिंह जी, मस्ताना जी, बाबा प्रीतम सिंह, सतगुरु प्रताप सिंह जी यहां तक की प्रथम पातशाही गुरु नानक देव जी और दसवीं पातशाही गुरु गोविंद सिंह जी के भी चरण जिला सिरसा में पड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि जिला सिरसा का बहुत बड़ा भूभाग सेम ग्रसित व बिरानी भी है। कृषि के पर्याप्त साधन न होने के कारण अधिक उपज नहीं हो पाती। वहीं शिक्षा के क्षेत्र में भी सिरसा पिछड़ा हुआ है। सिरसा में चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी के अलावा कोई बड़ा शिक्षण संस्थान उपलब्ध नहीं है। यही नहीं उपायुक्त द्वारा जिले के गांव मिठीसुरेरां में 300 एकड़ भूमि शिक्षण संस्थान के लिए अधिग्रहण के लिए हरियाणा तकनीकी विभाग औपचारिकताएं अनुसार नकल व जमाबंदी के साथ-साथ ग्राम पंचायत के प्रस्ताव भी लेने आरंभ कर दिए गए हैं। सभी दृष्टिकोण से आईआईटी निर्माण के लिए सिरसा उपयुक्त जिला है।

सोलर सेक्टर में काम करेगी कंपनी, कल रहेगी निवेशकों की नजर, 45 पैसे का है शेयर

मुंबई। पेनी स्टॉक केबीसी ग्लोबल के शेयर कल सोमवार को कारोबार के दौरान फोकस में रह सकते हैं। कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को 2 प्रतिशत से अधिक टूट गए और 0.45 रुपये पर पहुंच गए थे। दरअसल, कंपनी ने एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, धरन इंफ्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की घोषणा की है। यह सहायक कंपनी सोलर एनर्जी और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में काम करेगी, जिससे इस क्षेत्र में कंपनी की उपस्थिति मजबूत होगी।

क्या है डिटेल

नासिक स्थित इंफ्रास्ट्रक्चर और ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) सेवा फर्म ने 14 जून को घोषणा की कि उसने रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में अपने विस्तार के हिस्से के रूप में एक नई पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, धरन इंफ्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड को शामिल किया है। केबीसी ग्लोबल ने कहा,बोर्ड मेंबर ने 13 जून, 2025 को आयोजित अपनी बैठक में इस कदम को मंजूरी दे दी।

नई कंपनी सौर और हाइब्रिड ऊर्जा समाधानों पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो स्थिरता और हरित प्रौद्योगिकी के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता के अनुरूप होगी। कंपनी ने आगे बताया कि धरन इंफ्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड रिन्यूएबल एनर्जी मॉड्यूल, सेल और सहायक उपकरण के निर्माण, डिजाइन, विकास और सुधार सहित कई तरह की गतिविधियों में शामिल होगी। इसमें अनुसंधान, व्यापार, खरीद, बिक्री, थोक बिक्री, खुदरा बिक्री, वितरण, आयात, निर्यात, संयोजन, निर्माण, मरम्मत, रखरखाव, परिवर्तन और सौर ऊर्जा परियोजनाओं और हाइब्रिड सिस्टम का संचालन शामिल है जो सौर फोटोवोल्टिक प्रौद्योगिकी को अक्षय ऊर्जा के अन्य रूपों के साथ जोड़ते हैं - जिसका उद्देश्य सोलर एनर्जी परियोजनाओं के लिए एंड-टू-एंड समाधान प्रदान करना है। कंपनी बुनियादी ढांचे और ईपीसी परियोजनाओं पर फोकस करने और बाजार में अपने ब्रांड को फिर से स्थापित करने के लिए रणनीतिक बदलाव के हिस्से के रूप में केबीसी ग्लोबल लिमिटेड से धरन इंफ्रा-ईपीसी लिमिटेड में रीब्रांडिंग कर रही है। फरवरी 2024 में, निदेशक मंडल ने 260 करोड़ के ऑर्डर बुक साइज के साथ शेयरधारकों को 1=1 बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दी।

केबीसी ग्लोबल शेयर

जून में अब तक पेनी स्टॉक में लगभग 22 प्रतिशत की उछाल आई है और ऐसा लगता है कि यह सात महीने की गिरावट के अपने सिलसिले को तोड़ने वाला है। पिछले साल भर में, स्टॉक में 50 प्रतिशत की गिरावट आई है, पिछले साल 7 नवंबर को 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 1.28 और इस साल 13 मई को 52-सप्ताह के निम्नतम स्तर 0.34 पर पहुंच गया।

निवेशकों को तगड़ा झटका !

एसबीआई ने इस एफडी की ब्याज दर पर चलाई कैंची

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने अमृत वृष्टि स्पेशल एफडी स्कीम पर ब्याज दरों में कटौती कर दी है, जिससे फिक्स्ड डिपॉजिट करने वाले निवेशकों को झटका लगा है। नई ब्याज दरें 15 जून 2025 से लागू होंगी। हालांकि, अन्य सामान्य एफडी योजनाओं की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

कितना घटा ब्याज

अमृत वृष्टि योजना में 444 दिनों की अवधि के लिए अब ब्याज दर 6.85 प्रतिशत से घटाकर 6.60 प्रतिशत कर दी गई है। यह कटौती 25 बेसिस प्वाइंट की गई है।

सीनियर और सुपर सीनियर सिटीजन के लिए क्या है नई दर- सीनियर सिटीजन (60 वर्ष या उससे अधिक) को अब 7.10 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलेगा। सुपर सीनियर सिटीजन (80 वर्ष या उससे अधिक) को 7.20 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी, जिसमें 10 बीपीएस का अतिरिक्त लाभ शामिल है।

समय से पहले एफडी तोड़ने पर पेनल्टी- 5 लाख रुपए तक की एफडी- समय से पहले तोड़ने पर 0.50 प्रतिशत जुर्माना। 5 लाख से 3 करोड़ रुपए तक की एफडी- तोड़ने पर 1 प्रतिशत जुर्माना।

ब्याज दरों में कटौती का कारण

हाल ही में आरबीआई की जून नीति बैठक में रेपो रेट में 50 बीपीएस की कटौती की गई थी।

कंपनी के पास 30,000 करोड़ रुपये का वर्क ऑर्डर, नेट प्रॉफिट में 316 प्रतिशत उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। स्मार्ट मीटरिंग कंपनी जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने शेयर बाजार में बीते कुछ सालों के दौरान शानदार प्रदर्शन किया है। इस कंपनी के पास 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की कीमत का वर्क ऑर्डर है। अगले 3 से 4 महीने में तमिलनाडु, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक और वेस्ट बंगाल में 27,300 करोड़ रुपये का टेंडर खुलने जा रहा है। बता दें, इस कंपनी के प्रदर्शन को लेकर 2-2 एक्सपर्ट्स बुलिश हैं। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयरों पर नजर रखने वाले 2 एक्सपर्ट्स ने रेटिंग दी है। दोनों ब्रोकर ने इस स्टॉक को ब्ब्ब्ब टैग दिया है। बता दें, इस कंपनी की वित्तीय स्थिति भी काफी मजबूत है।

कंपनी का रेवन्यू कितना रहा है- जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का रेवन्यू मार्च तिमाही के दौरान 937 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 420 करोड़ रुपये रहा था। यानी रेवन्यू के मोर्चे पर 123.10 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। जनवरी से मार्च 2025 के दौरान इस कंपनी का नेट प्रॉफिट 316.13 प्रतिशत बढ़ा है। जोकि एक वित्त वर्ष पहले इसी तिमाही में यह 31 करोड़ रुपये रहा है। बता दें, जनवरी से मार्च 2025 के दौरान इस कंपनी का नेट प्रॉफिट 129 करोड़ रुपये रहा था।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन बीते एक साल में कैसा रहा

शुक्रवार को जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयर 3.88 प्रतिशत की गिरावट के बाद 370.30 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। महज एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 12 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है। वहीं, 2 साल में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 256 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बता दें, बीते 5 साल में इस कंपनी ने 1833 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

स्पाइसजेट का शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में तीन गुना होकर 325 करोड़ रुपए पर

मुंबई, एजेंसी। किफायती एयरलाइंस स्पाइसजेट ने शनिवार को कहा कि बीते वित्त वर्ष की मार्च 2025 तिमाही में उसका कर पश्चात एकल मुनाफा लगभग तीन गुना होकर 324.87 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एयरलाइन ने शेयर बाजार को बताया कि 2023-24 की चौथी तिमाही में उसका शुद्ध

लाभ 119 करोड़ रुपए था। स्पाइसजेट ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन राजस्व सालाना आधार पर 16 प्रतिशत घटकर 1,446.37 करोड़ रुपए रह गया, जो 2023-24 की चौथी तिमाही में 1,719.3 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2024-25 में स्पाइसजेट का घाटा सालाना आधार पर 409 करोड़ रुपए से बढ़कर 580.74 करोड़ रुपए हो गया। इस अवधि में परिचालन राजस्व 25 प्रतिशत घटकर 5,284 करोड़ रुपए रह गया।

पाटिल ऑटोमेशन लिमिटेड का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। पाटिल ऑटोमेशन लिमिटेड (कंपनी), जो विभिन्न क्षेत्रों के निर्माताओं के लिए पूरी तरह से स्वचालित रोबोटिक लाइनों और कस्टम ऑटोमेशन सॉल्यूशंस का डिज़ाइन और निर्माण करती है, अपनी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश सोमवार, 16 जून 2025 को लॉन्च करने जा रही है। कंपनी इस इश्यू के माध्यम से 69.61 करोड़ (ऊपरी प्राइस बैंड के अनुसार) जुटाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी के शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

इस इश्यू के तहत कंपनी 58,00,800 इक्विटी शेयर 10 के फेस वैल्यू पर, प्राइस बैंड 114 से 120 प्रति शेयर के बीच जारी करेगी।

आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कंपनी द्वारा निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए किया जाएगा- नई विनिर्माण सुविधा की स्थापना हेतु पूंजीगत व्यय, कंपनी द्वारा लिए गए कुछ ऋणों का पुनर्भुगतान, और सामान्य कॉर्पोरेट आवश्यकताएं।

इस इश्यू के लिए एंकर निवेश की प्रक्रिया 13 जून 2025 को खुलेगी और इश्यू 18 जून 2025 को बंद होगा।

पाटिल ऑटोमेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री मनोज पाटिल ने कहा, इस पब्लिक ऑफरिंग के साथ हम अपनी विकास यात्रा में एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य पटिल ऑटोमेशन को कस्टमाइज़्ड इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन सॉल्यूशन्स के अग्रणी प्रदाता के रूप में और मजबूत करना है। हमने उच्च गुणवत्ता वाले, विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए ऑटोमेशन सिस्टम लगातार डिलीवर कर देश के प्रमुख आइएमएस और कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स के साथ मजबूत साझेदारियाँ विकसित की हैं। आज हम 10 राज्यों में अपनी मजबूत उपस्थिति और लगातार मिल रहे रिपीट ऑर्डर्स के माध्यम से अपने समाधान की विश्वसनीयता और ग्राहक प्रतिबद्धता को सिद्ध कर चुके हैं। यह आगामी आईपीओ हमारे दीर्घकालिक विज़न का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इससे प्राप्त पूंजी का उपयोग हम एक नई मैन्युफैक्चरिंग सुविधा की स्थापना के लिए करेंगे, जिससे हम विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन और डिफेंस सेगमेंट में बढ़ती मांग को पूरा कर सकेंगे। साथ ही, यह हमारे भविष्य के विकास को वित्तीय मजबूती प्रदान करेगा।

श्री गौतम लाठ, निदेशक, सीरीन कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड ने कहा, हमें पाटील ऑटोमेशन लिमिटेड के आईपीओ में लीड मैनेजर के रूप में जुड़कर खुशी हो रही है। कंपनी ने औद्योगिक ऑटोमेशन क्षेत्र में ओईएम और कंपोनेंट निर्माताओं के लिए व्यावहारिक और कस्टमाइज्ड समाधान प्रदान करते हुए एक मजबूत पहचान बनाई है।

उद्योगों में बढ़ती दक्षता और तकनीक अपनाने पर जोर के साथ ऑटोमेशन की मांग लगातार बढ़ रही है। पाटील ऑटोमेशन अपनी वर्तमान क्षमताओं और अनुभव के साथ इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हमें विश्वास है कि इस आईपीओ से मिलने वाली राशि कंपनी को अपने विनिर्माण ढांचे के विस्तार और नए उभरते क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत करने में सहायता करेगी।

अमेजन के जेफ बेजोस की जगह इस बिजनेसमैन ने ली

बने दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति, 1 दिन में 26 बिलियन जोड़े

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस अब दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति नहीं रह गए। लैरी एलिसन ने गुरुवार को अपने नेटवर्थ में 26 बिलियन डॉलर जोड़े हैं। जोकि किसी भी अरबपति के द्वारा एक दिन में जोड़ा गया सबसे अधिक पैसा है। जिसके बाद 12 जून को उनकी नेट वर्थ 243 बिलियन डॉलर हो गई है। वहीं, अमेजन के चेयरमैन जेफ बेजोस की नेटवर्थ 227 बिलियन डॉलर है। बता दें, जेफ बेजोस ने 8 साल के बाद अरबपतियों की लिस्ट में दूसरे स्थान को गंवाया है। जेफ बेजोस इस समय मेटा के चेयरमैन मार्क जुकरबर्ग (239 बिलियन) से भी पिछड़ गए हैं। बता दें, अरबपतियों की लिस्ट में नंबर एक स्थान पर इस समय भी टेस्ला के सीईओ एलन मस्क काबिज हैं। उनकी नेटवर्थ 407 बिलियन

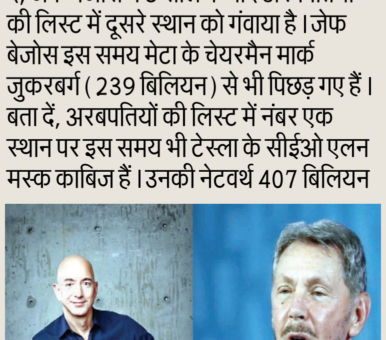

डॉलर है। एलिसन की संपत्ति में इजाफा ओरेकल के शानदार प्रदर्शन की वजह से हुआ है। मई में समाप्त हुए तिमाही में ओरेकल का नेट प्रॉफिट और रेवन्यू मार्केट के अनुमान के मुताबिक रहा है। जिसकी वजह कंपनी के शेयरों का भाव पहली बार 200 डॉलर को क्रॉस कर गया। जिसका फायदा एलिसन को भी मिला है। फॉर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार ओरेकल के शेयरों की कीमतों में बुधवार को 13 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली थी। कंपनी की तरफ से जारी रिपोर्ट के अनुसार अर्निंग पर शेयर 1.70 डॉलर पहुंच गया है। वहीं, सेल्स 15.9 बिलियन डॉलर रहा है।

जेफ बेजोस कब बने थे दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति- अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस 2017 में दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए थे। तब उनका नेटवर्थ 75.6 बिलियन डॉलर पहुंच गया था।

5 टुकड़ों में बंट जाएगा स्मॉल कैप स्टॉक, रिकॉर्ड डेट इसी महीने, कीमत 50 रुपये से कम

नईदिल्ली, एजेंसी। लड्डू गोपाल ऑनलाइन सर्विसेज के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी के शेयरों का बंटवारा 5 हिस्सों में किया जा रहा है। इस स्टॉक का भाव 50 रुपये से कम का है। आइए विस्तार से जानते हैं इस स्टॉक के विषय में -

10 टुकड़ों में बांटा जाएगा- लड्डू गोपाल ऑनलाइन सर्विसेज के शेयरों का बंटवारा 5 हिस्सों में किया गया है। 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर की फेस वैल्यू 5 टुकड़ों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक की फेस वैल्यू घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के लिए कंपनी ने 24 जून 2025 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी इस दिन कंपनी के शेयरों का 5 हिस्सों में बंटवारा हो जाएगा।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा रहा- शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद 21.40 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। बीते एक महीने के दौरन कंपनी के शेयरों की कीमतों में 29 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। 2025 में कंपनी के शेयरों का भाव 30 प्रतिशत बढ़ा है। हालांकि, इसके बाद भी कंपनी के शेयरों का भाव 12.22 नीचे गिरा है। सेंसेक्स इंडेक्स में इस दौरान 5.61 प्रतिशत की उछाल देखन को मिली है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 26.72 रुपये और 52 वीक लो लेवल 11.96 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 57.69 करोड़ रुपये का है। 2 साल

आकाश भोपाल के ठाकुर आर्यमन सिंह की नीट यूजी 2025 में ऑल इंडिया रैंक 568

भोपाल। देशभर में परीक्षा की तैयारी कराने वाली अग्रणी संस्था आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने गर्वपूर्वक घोषणा की है कि भोपाल शाखा के 5 छात्रों ने नीट यूजी 2025 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर शीर्ष रैंक प्राप्त की है।

यह उत्कृष्ट उपलब्धि छात्रों की निष्ठा, शैक्षणिक अनुशासन और एइएसएल द्वारा प्रदान किए गए विश्वस्तरीय कोचिंग और मार्गदर्शन का परिणाम है। परीक्षा परिणाम कल नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा घोषित किए गए। भोपाल शाखा के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्र हैं- ठाकुर आर्यमन सिंह - ऑल इंडिया रैंक 568 विशिष्ठा यादव एआइआर 1709, आस्था चौधरी एआइआर 2519, अनुष्ठा सिंह एआइआर 2629, मनमीत कौर मोंगा एआइआर 2900, ये छात्र एइएसएल के क्लासरूम प्रोग्राम में नामांकित थे, जिसे विशेष रूप से नीट जैसी कठिन मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए तैयार किया गया है। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय एइएसएल द्वारा दी गई मजबूत शैक्षणिक नींव, स्पष्ट वैचारिक समझ और नियमित एवं अनुशासित अध्ययन पद्धति को दिया। छात्रों ने कहा-हम आकाश के बेहद आभारी हैं, जिन्होंने हमारी इस यात्रा में हर कदम पर मार्गदर्शन किया। संगठित पाठ्यक्रम, विशेषज्ञ शिक्षकों की टीम और व्यक्तिगत मेंटरशिप ने जटिल विषयों को समझना आसान बना दिया।

एइएसएल के बिना यह सफलता संभव नहीं थी। एइएसएल के चीफ एकेडमिक एंड बिजनेस हेड डॉ. एच.आर. राव ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा- नीट यूजी 2025 में हमारे छात्रों की उत्कृष्ट सफलता पर हमें अत्यधिक गर्व है। इस परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करना कोई साधारण बात नहीं है, विशेष रूप से तब जब इसमें देशभर से लाखों छात्र भाग लेते हैं। यह परिणाम न केवल छात्रों की मेहनत और दृढ़ संकल्प का, बल्कि उनके अभिभावकों के सहयोग और हमारी अकादमिक टीम की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण हैं। हम इन सभी छात्रों को उनके उज्ज्वल चिकित्सा करियर के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

800 प्रतिशत रिटर्न देने वाले स्टॉक को 5 हिस्सों में हो रहा बंटवारा

69.30 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर स्टॉक केलटॉन टेक सॉल्यूशंस के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी के शेयरों का बंटवारा 5 हिस्सों में किया जाएगा। कंपनी वारेंट्स के जरिए 69.30 करोड़ रुपये जुटाने जा रही है। कंपनी ने ईजीएम आज 11 जुलाई 2025 को होगी। इसी में अप्रूवल किया जाएगा। आइए डीटेल्स में जानते हैं -

5 हिस्सों में बंट रहा है स्टॉक - केलटॉन टेक सॉल्यूशंस के शेयरों का बंटवारा 5 हिस्सों में किया जा रहा है। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा। कंपनी ने अभी तक रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया है। जल्द ही कंपनी की तरफ से रिकॉर्ड डेट का ऐलान किया जाएगा।

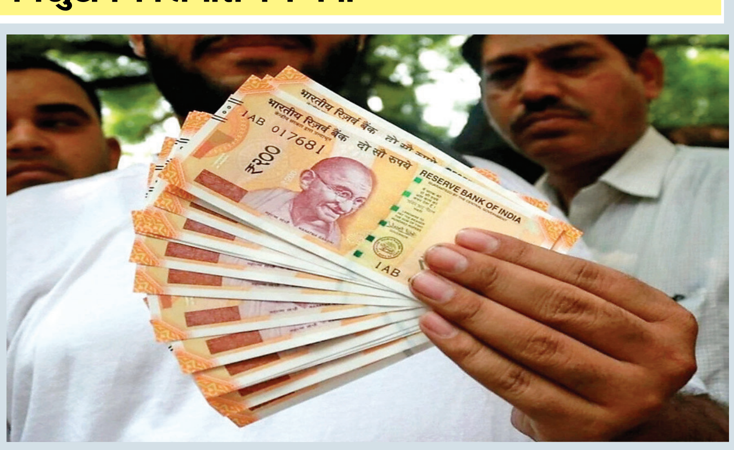

2018 में कंपनी ने दिया था बोनस शेयर- केलटॉन टेक सॉल्यूशंस ने 2018 में निवेशकों को बोनस शेयर दिया था। कंपनी ने एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया था। 2021 में इस कंपनी ने बोनस शेयर दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 25 पैसे का डिविडेंड दिया था।

शेयर बाजार में बीता एक साल कैसा रहा है- शुक्रवार को केलटॉन टेक सॉल्यूशंस के शेयरों का भाव 2.57 प्रतिशत की गिरावट के बाद 130.70 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था बीते एक हफ्ते में इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 8.96 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एक साल केलटॉन टेक सॉल्यूशंस के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 28 प्रतिशत का फायदा हुआ है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 5.61 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी का 52 वीक हाई 184.30 रुपये और 52 वीक लो लेवल 95.05 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 1274.51 करोड़ रुपये का है।

5 साल में केलटॉन टेक सॉल्यूशंस के शेयरों की कीमतों में 800 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 206 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

एक दूसरे के खून के प्यासे हो रहे ईरान और इजराइल कभी गहरे दोस्त भी थे

नीरज कुमार दुबे

ईरान ने इजराइल को उसकी स्थापना के बाद सार्वजनिक रूप से तत्काल मान्यता नहीं दी थी, लेकिन 1950 में इजराइल को ॅडि-फैक्टोॅ मान्यता दे दी गई थी। इसका मतलब था कि दोनों देशों ने औपचारिक रूप से दूतावास नहीं खोले, लेकिन व्यावसायिक और कूटनीतिक संबंध धीरे-धीरे स्थापित होते रहे।

ईरान और इजराइल एक दूसरे के खून के प्यासे बने हुए हैं। दोनों के बीच इस समय जो वार-पलटवार चल रहा है उसको देखते हुए ऐसा लगता है कि दुनिया में एक-दूसरे के यही सबसे बड़े दुश्मन देश हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दशकों से एक दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोले हुए ईरान और इजराइल कभी गहरे मित्र भी थे? वैसे ईरान और इजराइल की मित्रता की बात भले कोरी कल्पना लगे लेकिन इतिहास इस दोस्ती का गवाह है। हम आपको बता दें कि 1948 में जब इजराइल की स्थापना हुई थी तब बहुत से मुस्लिम बहुल देशों ने उसे मान्यता देने से इंकार कर दिया था। लेकिन उस दौर में ईरान एक अपवाद था। यह बात आज के ईरान-इजराइल संबंधों को देखते हुए चौंकाने वाली लग सकती है, लेकिन 1948 से 1970 के बीच ईरान और इजराइल के बीच गहरे परन्तु छुपे हुए मैत्री संबंध थे, जो कूटनीति, सैन्य सहयोग और व्यापार पर आधारित थे।

वैसे ईरान ने इजराइल को उसकी स्थापना के बाद सार्वजनिक रूप से तत्काल मान्यता नहीं दी थी, लेकिन 1950 में इजराइल को ॅडि-फैक्टोॅ मान्यता दे दी गई थी। इसका मतलब था कि दोनों देशों ने औपचारिक रूप से दूतावास नहीं खोले, लेकिन व्यावसायिक और कूटनीतिक संबंध धीरे-धीरे स्थापित होते रहे। इस मैत्री के पीछे कारण था साम्य हित। दरअसल दोनों की स्थिति उस समय अरब राष्ट्रों से घिरे हुए देशों की थी। यह दोनों अरब देशों के दुश्मन थे इसीलिए इनके बीच एक रणनीतिक साझेदारी की जरूरत महसूस हुई।

हम आपको यह भी बता दें कि इजराइल और उस समय के ईरान के शाह (मोहम्मद रजा पहलवी), दोनों ही अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों के करीबी माने जाते थे। यह एक और कारण था जो दोनों देशों को एक-दूसरे के करीब लाया। इसके अलावा, इजराइल को तेल की जरूरत थी, जोकि ईरान के पास भरपूर मात्रा में था। इस साझेदारी के जरिए

इजराइल को गुप्त रूप से तेल की आपूर्ति होती रही। इसके बदले में इजराइल ने ईरान को कृषि, जल प्रबंधन और तकनीकी मदद दी। 1950-70 के दशक में ईरान में शाह मोहम्मद रजा पहलवी की सरकार के दौरान इजराइल ने तेल के बदले ईरान को हथियार भी दिए थे।

इसके अलावा, इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद और ईरान की सवाक (SAVAK) के बीच भी घनिष्ठ सहयोग था। मोसाद ने सवाक को खुफिया ट्रेनिंग दी और तकनीकी उपकरण भी उपलब्ध कराए। यह सहयोग विशेष रूप से 1960 के दशक में मजबूत हुआ। साथ ही ॅळ१ीिल्लिइॅ परियोजना एक गुप्त योजना थी जिसमें इजराइल और ईरान ने मिलकर मिसाइल टेक्नोलॉजी और सैन्य शोध पर काम किया। साथ ही इजराइली विशेषज्ञों ने ईरान में कृषि सुधार, सिंचाई प्रणाली और जल प्रबंधन से जुड़ी परियोजनाओं में भी अहम भूमिका निभाई।

हम आपको बता दें कि 1970 के दशक में यह संबंध अपने चरम पर था, लेकिन ईरान में इस्लामी आंदोलन के जोर पकड़ने के साथ इसमें दरार आने लगी। शाह के शासन के खिलाफ जनता में असंतोष बढ़ता जा रहा था और 1979 की इस्लामी क्रांति इस मैत्री का अंत लेकर आई। शाह मोहम्मद रजा पहलवी को सत्ता से हटाकर आयतुल्ला खामेनेई के नेतृत्व में ईरान में एक धार्मिक सरकार बनते ही इजराइल को दुश्मन घोषित कर दिया गया। इसके साथ ही इजराइल के दूतावास को बंद करके उसे फिलिस्तीनी संगठन PLO को दे दिया गया। इजराइल को इस्लाम का भी दुश्मन घोषित करने के बाद ईरान ने हिजबुल्ला और हमास को मदद देनी शुरू की जोकि आज तक जारी है।

वैसे इस तरह की भी रिपोर्टें समय-समय पर आती रहीं कि ईरान और इजराइल के बीच दुश्मनी के दौर में भी गुप्त रूप से कारोबार चलता रहा। बताया जाता है कि 1980 में जब ईरान और इराक के बीच जंग हुई, तो इजराइल को महसूस हुआ कि इराक ज्यादा खतरनाक है। इसलिए अमेरिका और इजराइल ने गुपचुप तरीके से ईरान को लड़ने के लिए हथियार भेजे थे। लेकिन जब 1990 के दशक में ईरान ने अपना परमाणु कार्यक्रम शुरू किया तो इजराइल ने उसे सबक सिखाने की ठान ली और अब जब तेहरान परमाणु बमों के निर्माण से चंद कदम ही दूर रह गया था तो इजराइल ने बड़ा हमला करते हुए आयतुल्ला खामेनेई के सपनों को तोड़ डाला। इजराइल ने सीधा हमला करने से पहले ईरान के हमास और हिज्बुल्ला जैसे सहयोगियों की कमर तोड़ी और पिछले कुछ महीनों में कई अभियानों के माध्यम से अपनी मारक क्षमता को भी परखा, उसके बाद यह बड़ी कार्रवाई की गयी।

बहरहाल, देखा जाये तो 1948 से 1970 तक का ईरान-इजराइल संबंध एक ऐसा अध्याय है जो आज के उथल-पुथल भरे पश्चिम एशिया की राजनीति में लगभग भुला दिया गया है। इस काल में दोनों देशों के बीच गहरे रणनीतिक और आर्थिक संबंध थे, जो आज की स्थिति को देखते हुए विरोधाभासी प्रतीत होते हैं। वैसे ईरान और इजराइल का वह गुप्त मैत्री संबंध इस बात का प्रमाण है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी दोस्त और दुश्मन नहीं होते, केवल हित और परिस्थितियाँ ही दोस्त या दुश्मन बनाती हैं।

संपादकीय

युद्ध की लपटें

इजरायल के ईरान पर भीषण हमले और ईरान के जवाबी हमले से दुनिया की सांसें अटकी हैं। हालांकि लड़ाई फिलहाल दो देशों तक सीमित दिख रही है लेकिन बड़ा सवाल है कि इजरायल के हौसले कहां तक बढ़ेंगे। उसने गाजा को मटियामेट कर दिया है। लेबनान और यमन पर जब देखो तब हमले करता रहता है। हिज्बुल्लाह और हूतियों के खिलाफ मोर्चे पहले ही खुले हुए हैं। अब वह ईरान के पीछे पड़ गया है। बहाना ईरान को परमाणु शक्ति बनने से रोकने का है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य संस्थाएं दोनों देशों से संयम बरतने की अपील मात्र कर पा रही हैं। इजरायल को अमेरिका का खुल्लमखुल्ला साथ मिला हुआ है। उसके हमलावर तेवरों और अकड़ से यह बात साफ झलकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप एक तरफ तो ईरान के साथ परमाणु वार्ता कर रहे हैं तो दूसरी तरफ उनका उद्देश्य सिर्फ ईरान को दबाना है। ईरान पहले ही कह चुका है कि वह परमाणु हथियार बनाने की बजाय शांतिपूर्ण उपयोग तक सीमित रहने की संधि करने को तैयार है। इसके बावजूद इजरायल ने भीषण हमले कर ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों को भारी क्षति पहुंचाई और कई परमाणु वैज्ञानिकों और जनरलों को मार डाला। उसे उम्मीद नहीं थी कि ईरान जवाबी हमले भी कर सकता है लेकिन क्षति के बावजूद ईरान ने जवाबी हमले कर इजरायल को दहला दिया है। अगर दोनों देशों में लड़ाई और फैलती है तो क्या होगा? परिस्थितियां भयावह हालात की ओर संकेत कर रही हैं। इजरायल को कौन रोकेगा जब ट्रंप उसका साथ देते हुए ईरान को ही सलाहियतें दे रहे हैं। फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों का रुख गोलमोल है। ले दे कर ईरान के पक्ष में रूस और चीन के ही आने की उम्मीद बन सकती है, लेकिन रूस पहले ही यूक्रेन के साथ तीन साल से युद्ध में उलझा हुआ है, और फिलहाल उसके इससे बाहर निकलने की सूरत दूर-दूर तक नहीं दिखती। बचा चीन तो वह सबसे पहले अपने व्यापारिक हितों को देखेगा। ट्रंप की चालबाजियों से आजिज ईरान पूरे पश्चिम एशिया में अमेरिकी ठिकानों पर हमला बोल सकता है जैसे कि इराक में स्पेशल फोर्सेज, खाड़ी में सैन्य अड्डे और क्षेत्र में मौजूद राजनयिक मिशनों को भी निशाना बनाया जा सकता है। हमास और हिज्बुल्लाह जैसे ईरान के प्रॉक्सी बलों की ताकत बहुत कुछ कम हो चुकी है, लेकिन वे चुके नहीं हैं। अमेरिका अगर युद्ध में कूदा तो रूस और चीन को रोकना मुश्किल हो जाएगा। ऐसे हालात में क्या होगा कोई नहीं जानता।

चिंतन-मनन

बल और बुद्धि में संतुलन जरुरी

एक बार बल और बुद्धि में विवाद हो गया। बल ने कहा,मैं बड़ा हूं। मेरे बिना कुछ भी नहीं होता। बुद्धि ने कहा,तुम किसी काम के नहीं हो। मैं बड़ी हूं। मेरे बिना तुम्हारी उपयोगिता ही क्या है? दोनों इस विषय पर उलझ गए। विवाद का निपटारा करने के लिए वे विवेक के पास पहुंचे। दोनों ने अपनी-अपनी श्रेष्ठता बताते हुए न्याय करने की प्रार्थना की। विवेक ने कहा,मेरे साथ चलो। मैं न्याय करूंगा। उसने अपने हाथ में एक हथौड़ा और लोहे की एक कील ली। वह कील मुड़ी हुई थी। विवेक उन दोनों को साथ लेकर चल पड़ा।

वे तीनों एक वृद्ध व्यक्ति के पास पहुंचे। विवेक बोला,आप समझदार हैं, बुद्धिमान और अनुभवी हैं। हमारा एक छोटा-सा काम कर दें। यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई। आप इसे सीधी कर दें। वृद्ध ने कहा-हां कर दूंगा। विवेक ने वृद्ध के हाथ में हथौड़ा थमा दिया। वृद्ध व्यक्ति ने हथौड़ा चलाना चाहा किंतु वह उसे चला नहीं सका। उसके हाथ इस कार्य को करने में असमर्थ थे। उसने हथौड़ा लौटाते हुए कहा,भाई, यह कार्य संभव नहीं है। विवेक ने बुद्धि से कहा,देखो, बुद्धिमान होते हुए भी यह वृद्ध इस छोटे से कार्य को नहीं कर सका।

बुद्धि, बल और विवेक तीनों आगे बढ़े। विवेक ने देखा एक हट्टा-कट्टा जवान खेत में काम कर रहा है। वह शक्तिशाली था किंतु बुद्धिमान नहीं था। तीनों उस जवान के पास पहुंचे। विवेक ने कहा,भैया, तुम बहुत शक्तिशाली हो। क्या तुम हमारा एक काम कर दोगे? यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई है। इसे सीधा करना है। तुम इस हथौड़े से इसे सीधा बना दो। जवान ने हथौड़ा हाथ में लिया। कील को रेतीले टीले पर रखा। उस पर हथौड़े से एक जोरदार प्रहार किया। उस तेज प्रहार से खूब रेत उड़ी और सबकी आंखों में भर गई। कील भूमि के अंदर तक चली गई। विवेक ने बल से कहा,जब बल होता है, बुद्धि नहीं होती, तब यही स्थिति बनती है। बल और बुद्धि दोनों का अहंकार आहत हो उठा।

विवेक ने कहा-बलवान वही है, जिसमें बल और बुद्धि दोनों हो। जब तक मनुष्य में अपने बल और बुद्धि का घमंड रहेगा, उस पर भगवान की कृपा नहीं होगी। उसके बल की समाप्ति के बाद ही, भगवान का बल प्रारंभ होता है। भगवान को भूलकर मनुष्य कितना ही बुद्धि का विकास कर ले और कितना ही बलशाली बन जाए, उसे अपने लक्ष्य में सफलता नहीं मिल सकती। प्रेम से पुकारने पर भगवान खुद ही दौड़े चले आते हैं। सुदामा जब बाल सखा से मिलने पहुंचे तो उनके मन में कई शंकाएं थीं। भगवान श्रीकृष्ण को पता चला कि सुदामा उनसे मिलने आए हैं तो वे सुदामा को लाने के लिए नंगे पाव दौड़ पड़े।

उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाना होगा

ललित गर्ग

मानव एवं जीव-जंतुओं का जीवन भूमि पर निर्भर है। फिर भी, पूरी दुनिया में प्रदूषण, भूमि का दोहन, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र मृत क्षेत्रों में बदल रहा है। 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण आज की जलवायु समस्याओं का सटीक समाधान हो सकता है, इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस 17 जून को मनाया जाता है। यह दिन मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने के लिए जागरूकता बढ़ाने और लोगों को एकजुट करने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है 'भूमि के लिए एकजुट। हमारी विरासत। हमारा भविष्य' है, संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह दिवस पर भूमि के महत्व और इसे भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। कोलंबिया गणराज्य इस वर्ष 17 जून को मरुस्थलीकरण और सूखा दिवस के वैश्विक आयोजन की मेजबानी करेगा, जो प्रकृति-आधारित समाधानों के माध्यम से भूमि क्षरण को संबोधित करने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बोगोटा में आयोजित यह कार्यक्रम स्थिरता, शांति और समावेशी विकास के उत्प्रेरक के रूप में भूमि बहाली एवं सूखा निवारण की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालेगा, साथ ही भोजन, पानी, रोजगार और सुरक्षा सुनिश्चित करने में स्वस्थ भूमि की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देगा।

स्वस्थ भूमि संपन्न अर्थव्यवस्थाओं का आधार है, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का आधा से अधिक हिस्सा प्रकृति पर निर्भर है। फिर भी हम इस प्राकृतिक पूंजी को खतरनाक दर से नष्ट कर रहे हैं- हर मिनट, भूमि क्षरण के कारण चार फुटबॉल मैदानों के बराबर भूमि नष्ट हो जाती है। इससे जैव विविधता का नुकसान होता है, सूखे का खतरा बढ़ता है और समुदाय विस्थापित होते हैं। इसके प्रभाव वैश्विक हैं-खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों से लेकर अस्थिरता और पलायन तक। मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा हमारे समय की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों में से हैं तथा विश्वभर में 40 प्रतिशत भूमि क्षेत्र पहले से ही क्षरित माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र के पारिस्थितिकी तंत्र बहाली दशक 2021-2030 के आधे पड़ाव पर पहुंचने के साथ ही, हमें भूमि क्षरण की लहर को बड़े पैमाने पर बहाली में बदलने के प्रयासों में तेजी लानी चाहिए। यदि मौजूदा रुझान जारी रहे, तो हमें 2030 तक 1.5 बिलियन हेक्टेयर भूमि को बहाल करना होगा और एक ट्रिलियन डॉलर की भूमि बहाली अर्थव्यवस्था को गति देनी होगी।

भूमि को पुनःस्थापित करें, अवसरों को खोलें थीम के अंतर्गत, इस बात पर प्रकाश डालता है कि प्रकृति की नींव-भूमि-को पुनःस्थापित करने से किस प्रकार रोजगार सृजित हो सकते हैं, खाद्य और जल सुरक्षा को बढ़ावा मिल सकता है, जलवायु कार्रवाई का समर्थन किया जा सकता है और आर्थिक लचीलापन निर्मित किया जा सकता है। यह विशेष रूप से उन शुष्क, अर्द्ध-शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिन्हें शुष्क भूमि के रूप में जाना जाता है, इन स्थानों पर सबसे कमजोर पारिस्थितिक तंत्र पाए जाते हैं। यह दिवस अंतरराष्ट्रीय सहयोग से उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाता, बंजर और सूखे के प्रभाव का मुकाबला करने में सक्षम बनाता है। वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में बंजर और सूखे से जुड़े मुद्दे पर जन जागृति का माहौल निर्मित करने के लिये इस दिवस की घोषणा की। बढ़ते मरुस्थल के प्रति सचेत होना इसलिये जरूरी है कि दुनिया हर साल 24 अरब टन उपजाऊ भूमि खो देती है। मरुस्थलीकरण से बचाव के लिए जल संसाधनों का संरक्षण तथा समुचित मात्र में विवेकपूर्ण उपयोग काफी कारगर भूमिका अदा कर सकती है।

मरुस्थलीकरण एक तरह से भूमि क्षरण का वह प्रकार है, जब शुष्क भूमि क्षेत्र निरंतर बंजर होता है और नम भूमि भी कम हो जाती है। साथ ही साथ, वन्य जीव व वनस्पति भी खत्म होती जाती है। इसकी कई वजह होती हैं, इसमें जलवायु परिवर्तन और इंसानी गतिविधियां प्रमुख हैं। इसे रेगिस्तान भी कहा जाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक 2025 तक दुनिया के दो-तिहाई लोग जल संकट की परिस्थितियों में रहने को मजबूर होंगे। उन्हें कुछ ऐसे दिनों का भी सामना करना पड़ेगा जब जल की मांग और आपूर्ति में भारी अंतर होगा। ऐसे में मरुस्थलीकरण के परिणामस्वरूप विस्थापन बढ़ने की संभावना है और 2045 तक करीब 13 करोड़ से ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ सकता है। विश्व में जमीन का मरुस्थल में परिवर्तन होना गंभीर समस्या एवं चिन्ता का विषय है। भारत में भी यह चिंता लगातार बढ़ रही है। इसकी वजह यह है कि भारत की करीब 30 फीसदी जमीन मरुस्थल में बदल चुकी है। इसमें से 82 प्रतिशत हिस्सा केवल आठ राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) द्वारा जारी 'स्टेट ऑफ एनवायरमेंट इन फिगर्स 2019' की रिपोर्ट के मुताबिक 2003-05 से 2011-13 के बीच भारत में मरुस्थलीकरण 18.7 लाख हेक्टेयर बढ़ चुका है। सूखा प्रभावित 78 में से 21 जिले ऐसे हैं, जिनका 50 फीसदी से अधिक क्षेत्र मरुस्थलीकरण में बदल चुका है।

भारत में लगातार बढ़ रहे रेगिस्तान की गंभीर चिन्ताजनक स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जागरूक है और अपनी तीसरी पारी में अब प्रकृति- पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण-मुक्ति के साथ बढ़ते रेगिस्तान को रोकने के लिये उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने एवं पर्यावरण की रक्षा को लेकर प्रधानमंत्री का संकल्प एक शुभ संकेत है, नये भारत के अभ्युदय का प्रतीक है। उम्मीद करें कि आजादी के अमृतकाल में सरकार की नीतियों में जल, जंगल, जमीन एवं जीवन की उन्नत संभावनाएं और भी प्रखर रूप में झलकेगी और धरती के मरुस्थलीकरण के विस्तार होते जाने की स्थितियों पर काबू पाने में सफलता मिलेगी। सरकार द्वारा मरुस्थलीकरण समस्या के समाधान के लिए भूमि और पारिस्थितिकी प्रबंधन क्षेत्र में नवाचार के जरिए टिकाऊ ग्रामीण आजीविका सुरक्षा हासिल करने के लिए भी कार्य किया जा रहा है। उदाहरण के लिए उत्तराखण्ड सरकार ने आजीविका स्तर सुधारने के लिए भूमि, जल और जैव विविधता का संरक्षण और प्रबंधन किया। सरकार के इन्हीं प्रयासों के तहत अहमदाबाद स्थित स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (एसएसी) ने 19 अन्य राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर मरुस्थलीकरण और भूमि की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर देश का पहला एटलस बनाया है तथा दूरसंवेदी उपग्रहों के जरिये जमीन की निगरानी की जा रही है। मरुभूमि की लवणता व क्षारीयता को कम करने में वैज्ञानिक उपाय को महत्व दिया जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वतः उत्पन्न होने वाली अनियोजित वनस्पति के कटाई को नियंत्रित करने के साथ ही पशु चरागाहों पर उचित मानवीय नियंत्रण स्थापित करना चाहिए।

उपजाऊ जमीनों का मरुस्थल में बदलना निश्चय ही पूरी दुनिया के लिए भारी चिंता का विषय है। इसे अब एक धीमी प्राकृतिक आपदा के रूप में देखा जाने लगा है। अगर प्रकृति के साथ इस प्रकार से खिलवाड़ होता रहा तो वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमें शुद्ध पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। आज आवश्यकता है कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की ओर विशेष ध्यान दिया जाए, जिसमें मुख्यतः धूप, खनिज, वनस्पति, हवा, पानी, वातावरण, भूमि तथा जानवर आदि शामिल हैं। इन संसाधनों का अंधाधुंध दुरुपयोग किया जा रहा है, जिसके कारण ये संसाधन धीरे-धीरे समाप्त होने की कगार पर हैं। इस जटिल होती समस्या की ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विभिन्न वैश्विक मंचों के कार्यक्रमों कुछ सार्थक कदम उठाने के लिये पहल करना मरुस्थल को उपजाऊ भूमि में बदलने की नयी संभावनाओं को उजागर करता है। इस तरह के समाधान से जहाँ भूमि संरक्षण और उसकी गुणवत्ता बहाल होगी, वहीं विस्थापन में कमी आयेगी, खाद्य सुरक्षा सुधरेगी और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने के साथ वैश्विक जलवायु परिवर्तन से संबंधित समस्याओं से निजात मिल सकेगा। इस संदर्भ में देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र संघ व भारत सरकार के प्रयास सराहनीय हैं, लेकिन फिर भी उपलब्धियाँ नाकाफी रही हैं।

जी-7 शिखर सम्मेलन : मोदी की भूमिका है बड़ी

डॉ. एस.पी. शाही

जून 16-17, 2025 को कनाडा के कनानास्किस में आयोजित होने वाला 51वां जी-7 शिखर सम्मेलन न केवल इस समूह की 50वीं वर्षगांठ का प्रतीक है, बल्कि यह वैश्विक नेतृत्व के एक नये संतुलन की भी झलक देता है।

भले ही भारत जी-7 का औपचारिक सदस्य अभी नहीं है, किंतु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की निरंतर और प्रभावी उपस्थिति इस मंच पर भारत की बढ़ती रणनीतिक महत्ता को तो दशार्ती ही है।

इस वर्ष भारत की जी-7 शिखर सम्मेलन में 12वीं सहभागिता होगी जबकि जी-7 शिखर सम्मेलन में यह प्रधानमंत्री मोदी की छठी उपस्थिति है।

यह तथ्य स्वयं इस बात का प्रमाण है कि भारत को अब केवल एक आमंत्रित देश के रूप में ही नहीं, बल्कि वैश्विक विमर्श में एक सक्रिय भागीदार के रूप में देखा जाता है। प्रधानमंत्री मोदी की जी-7 शिखर सम्मेलन में निरंतर सहभागिता ने भारत की भूमिका को केवल आर्थिक शक्ति तक सीमित नहीं रखा है, बल्कि स्वयं को एक वैश्विक नीति-निमार्ता के रूप में भी स्थापित किया है।

वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है, जिसकी जीडीपी कई जी-7 देशों विशेषकर-फ्रांस, इटली और कनाडा-से अधिक हो चुकी है। भारत का यह आर्थिक प्रभाव ध्यान खींचता है। इसके साथ ही भारत का युवा जनसांख्यिकीय लाभ और तकनीकी क्षमता यकीनन उसे एक वैश्विक साझेदार के रूप में और भी अधिक प्रासंगिक बनाते हैं। वर्ष 2023 में जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने ह्यग्लोबल साउथह्ण की आवाज को प्रभावशाली ढंग से विश्व मंचों पर प्रस्तुत किया था जिससे उसकी रणनीतिक स्थिति और भी सुदृढ़ हुई है।

भारत का जी-7 शिखर सम्मेलन में दृष्टिकोण बहुआयामी रहा है। इसलिए कि वह इस मंच को केवल आर्थिक नीति निर्धारण का अवसर भर नहीं मानता, बल्कि जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल परिवर्तन, वैश्विक स्वास्थ्य और वैश्विक शांति जैसे विषयों पर साझा रणनीति तैयार करने के लिए एक अवसर के रूप में भी देखता है। इस वर्ष के जी-7 एजेंडे के तीन प्रमुख स्तंभ हैं-1. शांति और सुरक्षा की रक्षा, 2. ऊर्जा और डिजिटल परिवर्तन, और 3. भविष्य के लिए साझेदारी। इन सभी में भारत की नीति और प्राथमिकताएं प्रतिध्वनित होती हैं।

कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआई), खनिज सुरक्षा और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में भारत का योगदान इस कदर रहा है कि भारत आज विश्व में एआई के अनुसंधान एवं विकास में भारत अग्रणी भूमिका निभा रहा है। डिजिटल इंडिया अभियान, भारत स्टैक जैसे नवाचारों ने भारत को टेक्नोलॉजिकल सुपरपावर के रूप में उभारा है। जी-7 में यह अनुभव साझेदारी के रूप में काम आ सकता है, विशेषकर विकासशील देशों की डिजिटल समावेशिता में।

भारत लगातार इस बात पर बल देता आया है कि वैश्विक निर्णयों में विकासशील देशों की चिंताओं को समुचित स्थान मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने जी-7 जैसे मंचों पर बार-बार यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका की समस्याएं भी वैश्विक एजेंडे का हिस्सा बनें। प्रधानमंत्री मोदी की जी-7 शिखर सम्मेलन में भागीदारी के साथ कई द्विपक्षीय वार्ता बैठकें भी प्रस्तावित हैं। ये वाताएं भारत की रणनीतिक साझेदारियों को मजबूत करने का अवसर देंगी, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण में संयुक्त निवेश, आपूर्ति श्रृंखलाओं के विविधीकरण और रक्षा सहयोग के क्षेत्र में।

जी-7 शिखर सम्मेलन अब केवल एक पश्चिमी देशों का क्लब भर नहीं रह गया है, बल्कि यह एक ऐसा मंच बन चुका है जहां वैश्विक नेतृत्व की नई परिभाषाएं लिखी जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भागीदारी इस बात का संकेत है कि भारत अब केवल एक श्रोता या दर्शक भर नहीं रहा, बल्कि वह एक निर्णायक आवाज भी बन चुका है। भारत का दृष्टिकोण वैश्विक समरसता, साझा विकास और समावेशी भविष्य की ओर केंद्रित है, और जी-7 जैसे मंच भारत को इसी वैश्विक भूमिका को और मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं। कहा जा सकता है कि भारत की भागीदारी, केवल उपस्थिति नहीं दर्ज कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका अपना एक अलग प्रभाव है।

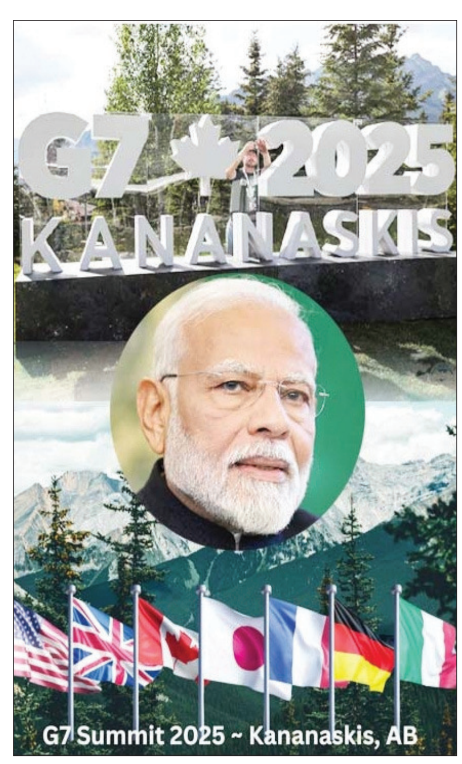

(लेखक मगध विविश्व के कुलपति हैं। लेख में विचार निजी हैं)

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें। जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।

सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी संसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर, भीनी-भीनी खुशबू से आएंगी जीवन में खुशियां

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकुन के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं।

पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।

घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय वास्तु के इन टिप्स का रखें ध्यान

फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्डेबल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का ख्याल रखा जाना चाहिए

कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं,, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या संसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाते समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।

1 नहीं बल्कि 3 तरीकों से उगाया जा सकता है फ्रेश हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से। जी हां, आपने सही पढ़ क्योंकि आज आप इस लेख में जानने वाले हैं घर पर आसानी से हरा धनिया कैसे उगाया जा सकता है

सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं। (सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल) आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।

हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती हैं। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

धनिया उगाने का आसान तरीका

आवश्यक सामग्री- कंटेनर/गमला/ प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

विधि – पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं। गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं।

मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें।

बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।

हल्दी 'स्वास्थ्य में सोना' बरसाए

- हल्दी का मुख्य घटक 'करक्यूमिन' न केवल कैंसर की कोशिकाओं को मारने और उनकी वृद्धि रोकने में सक्षम है
- करक्यूमिन हमारे शरीर में पहुंच कर धमनियों के भीतर 'प्लाक' नहीं जमने देता है जिससे खून में क्लॉट नहीं बन पाता है
- करक्यूमिन ने 24 घंटों के भीतर कैंसर की कोशिकाओं को मारना शुरू कर दिया

नई दिल्ली। आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा में चमत्कारी औषधि के ''खिताब' से नवाजी गई हल्दी वैज्ञानिकों की भी पसंद बन गई है और उन्होंने अपने शोध में कैंसर, दिल की बीमारी, डिमेंशिया, गठिया एवं सोरायसिस समेत कई बीमारियों की रोकथाम में भारतीय मसालों की इस ''सरताज' को कारगर पाया है।

कैंसर व दिल की बीमारी में भी कारगर : राष्ट्रपति के निजी चिकित्सक पद्मश्री प्रोफसर (डॉ.) मोहसिन वली ने बृस्पतिवार को कहा कि हल्दी का लोहा अब वैज्ञानिक भी मान रहे हैं। रंग में ही नहीं गुणों में भी ''सोना' हल्दी को सर्दी-जुकाम से लेकर कैंसर और दिल से जुड़ी बीमारियों से लड़ने में सक्षम पाया गया है।

हल्दी ''प्लाक' नहीं जमने देती : हृदय रोग विशेषज्ञ प्रो. मोहसिन वली ने कहा वैज्ञानिक इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि हल्दी का मुख्य घटक ''करक्यूमिन' न केवल कैंसर की कोशिकाओं को मारने और उनकी वृद्धि रोकने में सक्षम है बल्कि वह हमारे दिल का सबसे अच्छा दोस्त भी है। करक्यूमिन हमारे शरीर में पहुंच कर धमनियों के भीतर ''प्लाक' नहीं जमने देता है जिससे खून में क्लॉट नहीं बन पाता है। क्लॉट बनने से हृद्याघात का गंभीर खतरा हो जाता है। इसके अलावा प्लाक नसों को संकरा बना देता है जिससे खून का प्रवाह बाधित होने लगाता है।

खराब कोलेस्ट्रॉल कम करे: हल्दी का उचित मात्रा में सेवन करने से हल्दी का यह पीला घटक खराब कोलेस्ट्रॉल को 56 फीसदी तक घटाकर कोलेस्ट्रॉल ऑक्सिडेशन को कम करता है। यह हमारे खून के सीरम ट्राइग्लिसराइड्स स्तर को भी 27 फीसद तक कम करता है। कुल मिलकर यह टोटल कोलेस्ट्रॉल को भी 33.8 फीसद कम करके दिल को मजबूती से धड़कने में अहम भूमिका निभाता है। इसमें एंटी-इन्फ्लैमटोरी और एंटी-ऑक्सिडेंट गुण भी हैं।

कैंसर और करक्यूमिन का 36 का आंकड़ा है : करक्यूमिन तेजी से बढ़ते कैंसर की कोशिकाओं पर लगाम लगाता है। हल्दी परविदेशों में भी लगातार शोध हो रहे हैं। ब्रिटेन के ''कॉर्क कैंसर रिसर्च सेंटर' में किए गए परीक्षण में करक्यूमिन का प्रयोग में गले की कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने में बेहद कारगर पाया गया। डॉ. शैरन मैक्केना और उनकी टीम के अनुसार करक्यूमिन ने 24 घंटों के भीतर कैंसर की कोशिकाओं को मारना शुरू कर दिया।

सोरायसिस में कारगर : अमेरिका और ईरान में भी हल्दी पर नए शोध हुए हैं जिसमें करक्यूमिन को सोरायसिस की बीमारी में कारगर पाया गया है। इस संबंध में ''अमेरिकन एकेडमी ऑफ डरमाटोलोजी' और ईरान की फार्मास्यूटीकल रिसर्च पत्रिका में शोध पत्र प्रकाशित हुआ है।

प्रतिदिन हल्दी खाएं : खाने में पांच ग्राम हल्दी रोज आवश्यक है। दूध में उबालकर लेने से इसका बेहतर नतीजा मिलता है। कच्ची हल्दी का रस त्वचा पर लगाने और उसका सेवन करने से सोरायसिस की बीमारी में भी बहुत लाभ मिलता है। यह ऊर्जा देने के साथ खून को साफ रखती है।

गठिया में कारगर : हर बीमारी की शुरुआत इन्फ्लैमेशन से ही होती है और कई तरह के ''धारधार हथियारों से लैस' हल्दी ऐसे दुश्मनों को तो पहले ही पटकनी दे देती है। यह हमारे शरीर से फ्री रेडिकल्स को निकाल बाहर करती है। फ्री रैडिकल्स शरीर के जोड़ों पर सूजन पैदा करते हैं जिससे हमें असहनीय दर्द होता है और कालांतर में जोड़ों को बेहद नुकसान भी पहुंचता है। यह गठिया की बीमारी में भी कारगर है।

दो एंटी कैंसर मॉलिक्यूल ढूढ़ें : भोपाल में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति पीयूष द्विवेदी बताया कि हमने अपने पिछले शोध में हल्दी से दो एंटी कैंसर मॉलिक्यूल ढूढ़ें हैं जो बिना किसी दुष्प्रभाव के कैंसर की कोशिकाओं को तेजी से मारने में सक्षम होगें। सीटीआर-17 और सीटीआर-20 मॉलिक्यूल विभिन्न प्रकार के कैंसर के उपचार में कारगर साबित हो सकते हैं। हल्दी एंटीसेप्टिक और हीलिंग प्रोप्टीज पर 12 से अधिक सालों के शोध के बाद इन दो मॉलिक्यूल की खोज हो पाई है। शोध एडवांस स्टेज में है और पूरा होने पर कैंसर के खिलाफ बेहद कारगर हथियार साबित हो सकता है।

अवसाद पीड़ित अधिकतर लोगों का नहीं हो पाता है बेहतर इलाज

विकसित देशों में भी अवसाद से ग्रस्त 20 फीसद लोगों का ही इलाज बेहतर तरीके से हो पाता है, गरीब देशों में तो यह स्थिति काफी भयावह है

गरीब देशों में अवसाद से ग्रस्त 27 लोगों में से केवल एक को ही बेहतर उपचार मिल पाता है

लंदन। दुनिया भर में अवसाद से ग्रस्त लगभग लगभग 35 करोड़ लोगों को न्यूनतम उपचार भी प्राप्त नहीं हो पाता है। ''विश्व स्वास्थ्य संगठन' द्वारा 21 देशों के 50,000 लोगों पर करवाए गए एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं वाले विकसित देशों में भी अवसाद से ग्रस्त 20 फीसद लोगों का ही इलाज बेहतर तरीके से हो पाता है। गरीब देशों में तो यह स्थिति काफी भयावह है। अध्ययन के अनुसार गरीब देशों में अवसाद से ग्रस्त 27 लोगों में से केवल एक को ही बेहतर उपचार मिल पाता है। शोध की अगुवाई कर रहे ''किंग्स कॉलेज',लंदन के प्रोफेसर ग्राहम थोरनीक्रोफ्ट ने बताया, अवसाद से ग्रस्त अधिकतर लोगों का इलाज बहुत कम हो पाता है। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से आह्वान किया कि मानसिक स्वास्थ्य सेवा में बढ़ोतरी के लिए संसाधन और उपाय बढ़ाने चाहिए ताकि अवसाद से ग्रस्त सभी लोगों का बेहतर इलाज हो सके। ''विश्व स्वास्थ्य संगठन' के अनुसार दुनिया भर में सभी उम्र के लगभग 35 करोड़ लोग अवसाद से ग्रस्त हैं जिससे दुनिया भर में कार्य हीनता की स्थिति बढ़ रही है। अध्ययन में सामने आया है कि हालांकि इस बात को लेकर लोगों में जागरुकता बढ़ रही है कि अवसाद का इलाज हो सकता है और मनोवैज्ञानिक उपचारों और ध्यान लगाकर इसका उपचार किया जा सकता है। यह शोध बृहस्पतिवार को ''ब्रिटिश जर्नल ऑफ साइकिएट्री' में प्रकाशित हुआ है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, व्ङ्चता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

कर्नल के नौकर से किसी ने पूछा, 'तुम्हारे कर्नल साहब का मकान एकदम नाले के सामने है. ऊपर से वह छत पर बिना मच्छरदानी लगाए सोते हैं. क्या मच्छर उन्हें काटते नहीं?'

नौकर बोला, 'वो क्या है कि कर्नल साहब शाम को इतनी ज्यादा शराब पी लेते हैं कि आधी रात तक तो मच्छरों के काटने का उन्हें होश ही नहीं रहता.

आधी रात के बाद जब उन्हें होश आता है तब तक मच्छर इतने धुत्त हो चुके होते हैं कि उन्हें काटने का ही होश नहीं रहता.'

☺ ☺ ☺

जज (चोर से)-हां रामदीन, अदालत को बताओ कि तीन दिन से तुम बार-बार सुपर क्लॉथ हाउस का ही ताला क्यों तोड़ रहे थे?

चोर (जज से)-क्या बताऊं हुजूर पहले दिन तो मैं वहां अपनी बीवी के लिए साड़ी चुराने गया था, लेकिन मेरी चुराई साड़ियां उसे पसंद नही आई इसलिए दो दिन मुझे उन साड़ियों को बदलने जाना पड़ा.

☺ ☺ ☺

किरायेदार (मकान मालिक से)-जनाब, यह कैसा कमरा है? छत टपक रही है. कमरा तालाब बनता जा रहा है?

मकान मालिक - भैया, मैंने तो पहले ही बोल दिया था कि हर कमरे में पानी का माकूल इंतजाम है.

काकुरो पहेली - 4087

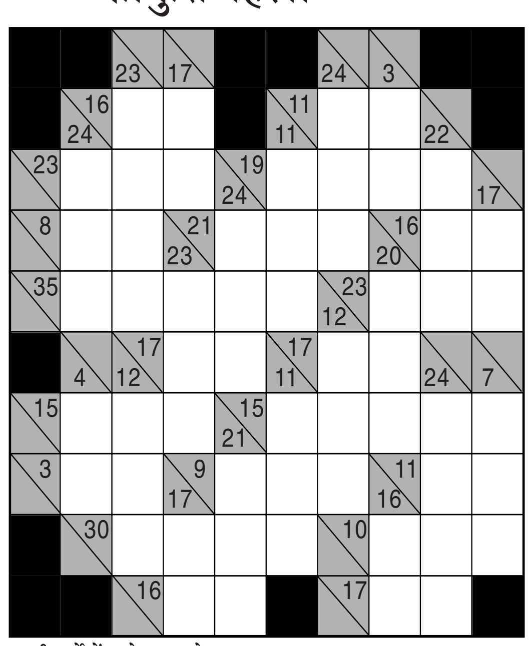

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

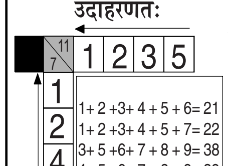

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो -4086 का हल

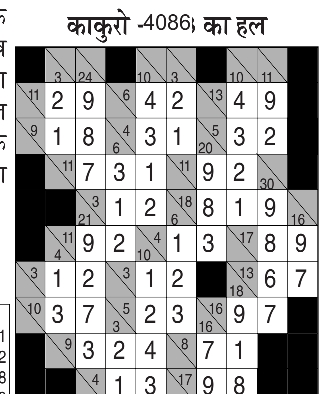

फिल्म वर्ग पहेली-4087

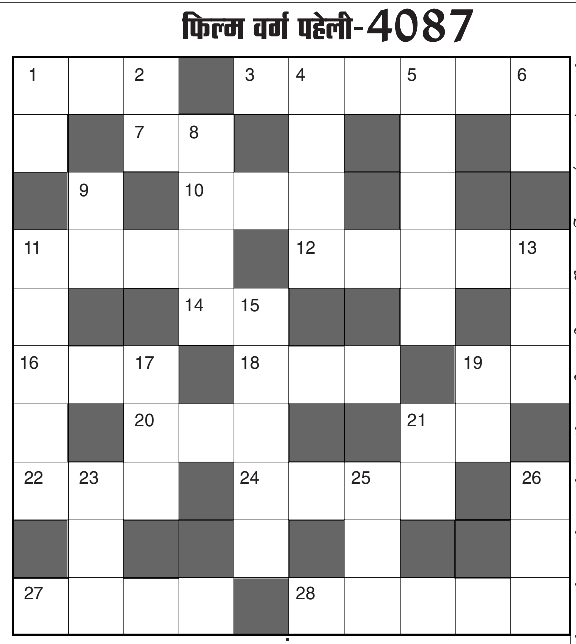

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है. ?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 4086

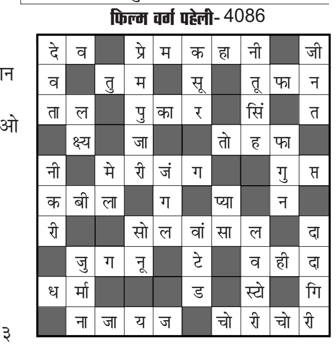

सूडोकु -4087

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4086 हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

शब्द पहेली -4087

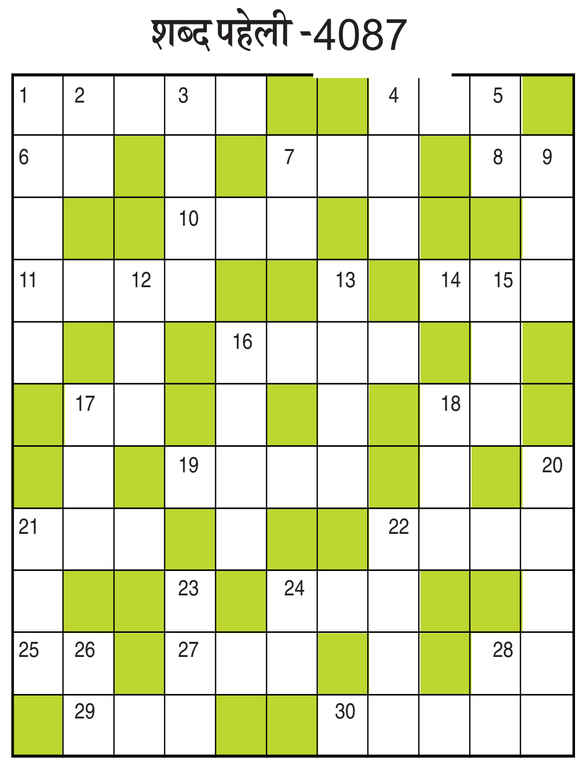

बाएँ से दाएँ

1.असह्य,नागवार-5
4.कली-3
6.पराया,पंख-2
7.समुद्र-3
8.पिता की बहन-2
10.चौकसी,सुरक्षा-3
11.कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14.छल,धोखा-3
16.पक्षी,उड़ने वाला-4
17.उम्मीद-2
18.दौरा,पहरेदारी-2
19.धारण करना-4
21.आफत,मुसीबत-3
22.विदिर्ण-2,2
24.प्रकाशित-3
25.बल,जान-2
27.रसदार-3
28.जगत,दुनिया-2
29.नग,मूल्यवान पत्थर-3
30.तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे

1.जबरन उठा ले जाना-5
2.महोदय (अंग्रेजी-2)
3.नीलिमा-4
4.कुंती पुत्र,राधेय-3
5.वश,अधीन-2
7.संपूर्ण,पूर्ण-2
9.शिकार-3
12.असली,शुद्ध-3
13.हठ करना,रोना -4
15.हारा हुआ,पराजित-3
16.मशवरा,सलाह-4
17.विश्राम-3
18.अभिमान-3
20.भयभीत होना-2,3
21.संभवतः-3
22.टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23.तरना,स्वीमिंग-3
24.इसे मकड़ी बुनती है-2
26.जी,चित-2
28.संपत्ति-2

शब्द पहेली 4086 का हल

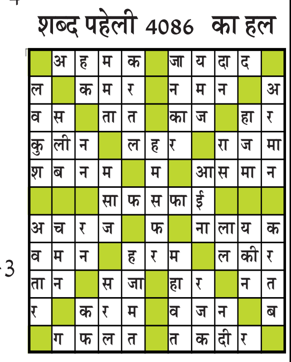

केन्द्र सरकार ने छत्तीसगढ़ के केशकाल बाईपास को दी मंजूरी

एजेंसी

रायपुर। केशकाल घाट खंड पर 307.96 करोड़ रुपये की लागत से 11.380 किमी. के 4-लेन बाईपास निर्माण अपग्रेड की स्वीकृति दी गई है। यह बाईपास पेव्ड शोल्डर मानक के अनुरूप होगा। इस संबंध में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रविवार को कहा कि यह बाईपास केशकाल घाट खंड में यातायात बाधाओं को दूर कर सुगम, सुरक्षित व निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करेगा। साथ ही कहा कि इस कदम से प्रदेशवासियों विशेषकर बस्तर अंचल की जनता ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के प्रति आभार प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार में तेजी से बस्तर अंचल का विकास हो रहा है। यह स्वीकृति केंद्र और राज्य सरकार की समन्वित विकास नीति का परिणाम है, जो बस्तर जैसे जनजातीय अंचल को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक और ठोस कदम है। इस ऐतिहासिक स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की दूरदृष्टि और पहल के लिए आभार जताते हुए इसे बस्तर के विकास के लिए निर्णायक कदम बताया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को ट्वीट कर जानकारी दी कि छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-43 (नया ह#30) पर केशकाल घाट खंड को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए 307.96 करोड़ रुपये की लागत से 11.380 किलोमीटर लंबा 4-लेन बाईपास निर्माण अपग्रेड की स्वीकृति दी गई है।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना : अब तक 32 मृतकों के डीएनए सैंपल का मिलान, 14 शव परिजनों को सौंपे गए

अहमदाबाद। अहमदाबाद विमान दुर्घटना में अब तक 32 मृतकों के डीएनए सैंपल मेल खा चुके हैं। 32 परिवारों से संपर्क किया गया है। अब तक कुल 14 शव परिजनों को सौंपे गए हैं। अहमदाबाद में 12 जून को लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट AI171 मेघाणीनगर में क्रैश हो गई थी। इस हादसे में मृतकों के शव इतने क्षत-विक्षत थे कि उन्हें पहचानना मुश्किल था। इसलिए मृतकों और उनके परिजनों के डीएनए सैंपल के जरिये शवों की पहचान करने का फैसला लिया गया था। पहचान प्रक्रिया की जानकारी अहमदाबाद सिविल हॉस्पिटल के एडिशनल सुपरिंटेंडेंट डॉ. रजनीश पटेल ने मीडिया ब्रीफिंग के दौरान दी। उन्होंने बताया कि अब तक 32 मृतकों के शव उनके परिजनों से मेल खा चुके हैं। इनमें अहमदाबाद के 4, वडोदरा के 2, खेड़ा के 1, अरावली के 1, बोटाद के 1, महेसाणा के 4 और उदयपुर के 1 मृतक शामिल हैं। हर मृतक के परिवार के लिए एक अलग टीम नियुक्त की गई है। इस टीम में एक वरिष्ठ अधिकारी, एक पुलिसकर्मी और एक पेशेवर काउंसलर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जिन मृतकों के डीएनए सैंपल मैच हो गए हैं, उनके पार्थिव शरीर को परिजनों को सम्मानपूर्वक सौंपा जा रहा है। अब तक कुल 14 शव परिजनों को सौंपे गए हैं।

ब्रिटिश नौसेना के लड़ाकू विमान की तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। ब्रिटिश नौसेना के लड़ाकू विमान एफ-35 ने शनिवार रात ईंधन कम होने के कारण तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग की है। भारतीय वायु सेना ने उड़ान सुरक्षा कारणों से तत्काल सहायता पहुंचाई और आगे भी सभी मदद दी जा रही है। विमान रविवार को भी तिरुवनंतपुरम में ही है, इसलिए वायु सेना सभी एजेंसियों के साथ समन्वय कर रही है। विमान में ईंधन भरने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने का इंतजार है। भारतीय वायु सेना के अधिकारी ने बताया कि यूके नौसेना के एफ-35 लड़ाकू विमान ने इस क्षेत्र में संचालित एक ब्रिटिश विमानवाहक पोत से उड़ान भरी और रात करीब 9.30 बजे तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतरा। जेट की सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए हवाई अड्डे के अधिकारियों ने आपातकाल का ऐलान किया था। पायलट ने ईंधन कम होने की सूचना दी और उतरने की अनुमति मांगी। ईंधन कम होने के कारण तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग की। इसके बाद सब कुछ जल्दी और पेशेवर तरीके से संभाला गया।

तेलंगाना के बासर में गोदावरी नदी में डूबने से हैदराबाद के पांच युवकों की मौत

बासर। तेलंगाना के निर्मल जिले के बासर तीर्थस्थल गोदावरी नदी के तट पर नहाने के दौरान पांच युवकों की मौत हो गई। सभी मृतक एक ही परिवार के हैं। गोदावरी नदी के तट पर स्थित सरस्वती माता का यह मंदिर काफी प्राचीन माना जाता है। बच्चों को शिक्षा प्रारंभ करने से पहले अक्षराभिषेक के लिए यहां पर लाया जाता है। मान्यता है कि बच्चे के जीवन के पहले अक्षर यहां लिखवाने से बच्चे का शैक्षिक जीवन सदैव सफल रहता है। इसी क्रम हैदराबाद से तीन परिवार के 18 सदस्य इस धार्मिक कार्यक्रम के लिए पहुंचे थे। इस बीच गोदावरी नदी में नहाने के दौरान पांच युवकों की मौत हो गई। सभी मृतक एक ही परिवार के हैं। इनकी पहचान हैदराबाद के चिंतल निवासी राकेश, विनोद, मदन, रुतिक और भरत के रूप में हुई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भैंसा सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है।

भारत 2026 तक नक्सलवाद से पूरी तरह होगा मुक्त : अमित शाह

एजेंसी

लखनऊ। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि 11 राज्यों में फैला नक्सलवाद अब केवल तीन जिलों तक सीमित रह गया है और 31 मार्च 2026 तक भारत पूरी तरह नक्सलवाद मुक्त हो जाएगा। आतंकवाद के खिलाफ भी मोदी सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। पाकिस्तान के तीन आतंकी हमलों का प्रयास किया गया, लेकिन भारत ने हर बार मुंहतोड़ जवाब दिया और आतंकियों के ठिकानों को नष्ट किया। शाह ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय वायुसेना ने आतंकियों के मुख्यालयों को ध्वस्त कर दिया। केंद्रीय गृह मंत्री लखनऊ में वृंदावन योजना, सेक्टर 18 स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में

60,244 नवचयनित पुलिस कार्मिकों को नियुक्तिपत्र वितरित किये गये। अपने संबोधन में अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पारदर्शी और समावेशी भर्ती प्रक्रिया के लिए जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ सबसे सफल मुख्यमंत्री हैं। योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पुलिस ने न केवल भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष और योग्यता आधारित बनाया, बल्कि हर जाति, जिले और तहसील के युवाओं को अवसर प्रदान कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। शाह ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि इन नियुक्तियों में न खर्च, न पर्ची, न सिफारिश और न ही जाति के आधार पर कोई भेदभाव हुआ, बल्कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और योग्यता के आधार पर संपन्न हुई।

देश का सबसे बड़ा है यूपी पुलिसबल

अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस देश का सबसे बड़ा पुलिसबल है और आज 60,244 युवा इसके अभिन्न अंग बन रहे हैं। उन्होंने इस दिन को नवनियुक्त कार्मिकों के जीवन का सबसे शुभ दिन करार देते हुए कहा कि यह गौरव का क्षण है।

केदारनाथ हेलीकॉप्टर हादसे पर डीजीसीए सख्त, चारधाम यात्रा में आर्यन एविएशन की उड़ानों पर रोक

एजेंसी

देहरादून। केदारनाथ में आर्यन एविएशन का बेल 407 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने तत्काल सख्त निर्देश जारी किए हैं। हादसे की गंभीरता को देखते हुए चारधाम यात्रा में आर्यन एविएशन की सभी सेवाएं तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी गई हैं।

इसके साथ ही दो अन्य हेलीकॉप्टर पायलटों के लाइसेंस छह माह के लिए निलंबित कर दिए गए हैं, जिन्होंने खराब मौसम में भी उड़ान भरी थी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार डीजीसीए ने 15 और 16 जून को पूरे क्षेत्र में सभी चार्टर और शटल हेलीकॉप्टर उड़ानों पर रोक लगा दी है। इसके अलावा केदारनाथ घाटी में अब डीजीसीए के अधिकारी तैनात रहेंगे, जो हर उड़ान की निगरानी करेंगे और सुरक्षा तथा मौसम संबंधी नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करेंगे। प्रारंभिक रिपोर्टों में हेलीकॉप्टर हादसे का संभावित कारण 'कंट्रोल्ड फ्लाइट इंटू टेरेन' (सीएफआईटी) बताया जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार हेलीकॉप्टर उस समय उड़ान पर था, जब घाटी में घने बादल और बहुत कम दृश्यता थी। ऐसी स्थिति में उड़ान भरना जोखिम भरा माना जाता है, लेकिन नियमों के बावजूद उड़ान जारी रखी गई।

घटना के तुरंत बाद राहत और बचाव दल एनडीआरएफ और एसडीआरएफ को मौके पर रवाना किया गया। हेलीकॉप्टर के मलबे की पहचान की जा चुकी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि मानव जीवन की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसके लिए उड़ानों में कोई लापरवाही नहीं बरती जाएगी। भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए सरकार ने कई सुधारात्मक कदम उठाए हैं।

सेना ने राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ नाकाम की

एजेंसी

राजौरी। सेना के सतर्क जवानों ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ को नाकाम कर दिया है, जबकि पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर संदिग्ध गतिविधि का पता चलने के बाद तलाशी अभियान जारी है। सतर्क जवानों ने राजौरी जिले के केरी सेक्टर के बरातगला इलाके में नियंत्रण रेखा पर कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी। सतर्क जवानों ने घुसपैठियों को आगे न बढ़ने की चेतावनी दी, लेकिन संदिग्ध घुसपैठियों को लगातार आगे बढ़ते देख जवानों ने तुरंत गोलीबारी की। सेना ने घुसपैठियों को नियंत्रण रेखा के पाकिस्तानी हिस्से में वापस जाने के लिए जवानों ने मजबूर कर दिया। इसके बाद नियंत्रण रेखा पर इलाके की तलाशी शुरू कर दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य आतंकवाद विरोधी अभियान में सुरक्षाबलों ने पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर तब तलाशी अभियान शुरू किया, जब स्थानीय लोगों ने इलाके में कुछ संदिग्ध गतिविधि देखने की की कोई सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबल आतंकवादियों, उनके ओवरग्राउंड वर्कर्स

सूचना दी। तलाशी अभियान फिलहाल जारी है और अभी तक किसी संदिग्ध के देखे या पकड़े जाने (ओजीडब्ल्यू) और उनके समर्थकों के खिलाफ आक्रामक तरीके से अभियान चला रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 11 वर्षों में देश के हर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हुआ : संजय सेठ

एजेंसी

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण हुए हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इन 11 वर्षों में देश के हर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हुआ है। गरीब, किसान, महिला, नौजवान, विद्यार्थी सहित संपूर्ण परिवार के कल्याण और उत्थान के लिए मोदी सरकार ने कार्य किया है। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सेठ रांची महानगर कार्यालय में सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने पर प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि परिवार के साथ राष्ट्र की भी उत्तरोत्तर प्रगति हो, इस दिशा में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लंबी लकीर खींची गई है। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में कई बड़े कार्य हुए हैं। रांची को भी मोदी सरकार ने अनेक उपलब्धियां दीं। चाहे रातू रोड का एलिवेटेड कॉरिडोर हो। चाहे रांची के आधा दर्जन रेलवे स्टेशनों का अमृत स्टेशन के तहत विकास, दर्जनों रेलवे अंडरपास और ओवर ब्रिज, वंदे भारत सहित कई नई ट्रेन, पूर्वी भारत का सबसे बड़ा पुस्तकालय की सौगात, भारतमाला परियोजना, रांची

बोकारो एक्सप्रेस वे ऐसे कई कार्य हुए, जिससे झारखंड के विकास को नई गति प्रदान हुई है। मंत्री ने कहा कि झारखंड भी देश के विकास के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। कल्पना से परे झारखंड के कई गांव मुख्य सड़कों से जुड़े। कई परिवारों को बिजली मिली। निःशुल्क इलाज मिला। मुफ्त अनाज मिला। गरीबों को पक्के छत मिले। मोदी सरकार का कार्यकाल विकसित भारत की मजबूत नींव रखने वाला कार्यकाल है। साथ ही मोदी के 11 साल के उपलब्धियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका उद्घाटन केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और विधायक सी पी सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

हिमाचल में त्रियुण्ड ट्रैकिंग स्थल से लापता इजरायली पर्यटक का किया रेस्क्यू

एजेंसी

धर्मशाला। धर्मशाला के ट्रैकिंग स्थल त्रियुंड से लापता इजरायली नागरिक सैमुअल वेंगरिनोविच को एक सप्ताह बाद थाथरी क्षेत्र में ढूंढ लिया गया है। राहत की खबर यह है कि वह पूरी तरह से सुरक्षित है। बीते एक सप्ताह से लापता सैमुअल थाथरी में लोगों ने जंगल में एक झाड़ी के नीचे बैठा हुआ देखा। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद पुलिस ने रेस्क्यू टीम के साथ सैमुअल का रेस्क्यू किया। सैमुअल को प्राथमिक उपचार के लिए स्ट्रेचर के माध्यम से टांडा मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। उसकी हालत ठीक है, हालांकि शरीर में काफी थकावट और कमजोरी है। चिकित्सक उसकी जांच कर रहे हैं। इजरायली नागरिक सैमुअल वेंगरिनोविच स्वतंत्र यात्री के रूप में 6 जून को त्रियुंड ट्रैक पर

गया था। इसके बाद उसका किसी से संपर्क नहीं हुआ। उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट उसके मित्र एडिलम द्वारा मैक्लोडगंज पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई थी। इसके बाद यह मामला अंतरराष्ट्रीय टूरिस्ट सुरक्षा का बन गया और पुलिस ने खोजबीन शुरू कर दी। जंगलों, पहाड़ियों और ट्रैकिंग ट्रेल्स में उसकी तलाश की जा रही थी। रेस्क्यू टीमें उक्त पर्यटक को त्रियुण्ड के उपरी क्षेत्र इंद्रहार पास और साथ लगते क्षेत्रों में ढूंढती रही लेकिन यह दूसरी ओर थाथरी ट्रैकिंग रूट की तरफ आ गया था। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, सैमुअल की हालत काफी कमजोर है, उसे भूख और थकावट के कारण अत्यधिक कमजोरी का सामना करना पड़ रहा है।

डॉक्टरों की एक टीम लगातार उसकी देखरेख कर रही है। प्रारंभिक जांच में किसी तरह की गंभीर चोट की पुष्टि नहीं हुई है। एसएसपी कांगड़ा शालिनी अग्निहोत्री ने पुष्टि की है कि यह वही विदेशी नागरिक है जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट 6 जून को मैक्लोडगंज पुलिस थाना में दर्ज हुई थी। इजरायली दूतावास के साथ ही सैमुअल के परिजनों को इस संबंध में सूचना भेज दी गई है।

डमरू व मृदंग की गूंज के बीच 39 यात्री कैलाश मानसरोवर यात्रा पर रवाना

एजेंसी

गाजियाबाद। पांच वर्षों के बाद एक बार फिर कैलाश मानसरोवर तीर्थ यात्रा का शुभारंभ हो गया है। इंदिरापुरम स्थित कैलाश मानसरोवर भवन से तीर्थयात्रियों के पहला जत्था शिव आराधना और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की ध्वनि के बीच रवाना हुआ। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने तीर्थयात्रियों की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस जत्थे में दो लाइजनिंग अधिकारियों के अलावा कुल 39 यात्री हैं। नसरोवर भवन में मानसरोवर यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के जत्थे को रवाना करने से पहले एक भव्य कार्यक्रम हुआ, जिसका शुभारंभ विशेष शिव आराधना से हुआ। जिसमें डमरू, मृदंग, तुरही, ढोलक आदि पारंपरिक वाद्य यंत्रों की गूंज ने पूरा वातावरण शिवमय हो गया और पूरा इलाका हर हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। इस मौके पर शिवमय थाप नेलोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सनातन संस्कृति को पुनर्स्थापित करने की दिशा में ऐतिहासिक प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने इसे गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि पांच साल बाद प्रदेश से कैलाश यात्रियों को भेजा जा रहा है। यह योगी सरकार की धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन देने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। कार्यक्रम में सांसद अतुल गर्ग ने यात्रियों को मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं, जबकि कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि उनके विधानसभा में स्थित कैलाश भवन से यात्रा की शुरुआत होना गौरव की बात है।

जन सुराज पार्टी बिहार की सभी 243 सीटों पर लड़ेगी चुनाव : प्रशांत किशोर

एजेंसी

पटना। बिहार बदलाव यात्रा पर निकले जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने आज मुजफ्फरपुर में कहा कि उनकी पार्टी बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसमें से 90 प्रतिशत ऐसे उम्मीदवार होंगे जिन्होंने कभी चुनाव नहीं लड़ा है।

उन्होंने राहुल गांधी को चुनौती देते हुए कहा कि अगर कांग्रेस में दम है, तो वह बिहार में अकेले चुनाव लड़कर दिखाएं। पत्रकार वार्ता में प्रशांत किशोर ने कहा कि उनकी पार्टी केवल उन्हीं लोगों को उम्मीदवार बनाएगी जो किसी राजनीतिक दल से पहले नहीं जुड़े रहे हों और जो जनसुराज आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हों। उन्होंने दावा किया कि 90 प्रतिशत टिकट ऐसे ही लोगों को दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उम्मीदवार

बनने के लिए लोगों से 21000 रुपये लेकर नामांकन प्रक्रिया चलाई जा रही है। प्रशांत ने कांग्रेस-राजद नेतृत्व पर तीखे प्रहार करते हुए कहा कि राजद सुप्रीमो लालू यादव की तबीयत खराब है, तो कई लोग तेजस्वी यादव के पीछे झोला उठाने में जुट गए हैं। उन्होंने तर्क दिया कि यह वही लोग हैं जो किसी विचारधारा के नहीं, बल्कि अवसरवाद की राजनीति के प्रतीक बन चुके हैं। उन्होंने राहुल गांधी को चुनौती देते हुए कहा, «अगर कांग्रेस में वाकई दम है, तो बिहार में अकेले चुनाव लड़कर दिखाए। उन्होंने राहुल के प्रसिद्ध नारे डरो मत पर तंज करते हुए कहा, «हम भी राहुल गांधी से कहते हैं, डरो मत, अकेले आओ मैदान में। उन्होंने लालू यादव की उस तस्वीर की भी चर्चा की जिसमें वे डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर के सामने पांव पसारकर बैठे दिखे थे। उन्होंने पूछा कि आखिर इस पर कोई बयानबाजी या माफी क्यों नहीं आई? तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा बिहारियों को लेकर दिए गए विवादास्पद बयान पर भी प्रशांत किशोर ने कांग्रेस से जवाब मांगा। उन्होंने कहा, «अगर कांग्रेस नेताओं को लगता है कि बिहारियों का डीएनए मजदूरी करना है, तो फिर चुनाव के वक्त बिहार में वोट क्यों मांगते हो? जाओ, तेलंगाना में वोट मांगो। उन्होंने मंत्री अशोक चौधरी और सांसद शांभवी चौधरी पर भी निशाना।

पुणे में इंद्रायणी नदी का पुल ढहने से 2 पर्यटकों की मौत, 12 सैलानी अभी भी लापता

एजेंसी

मुंबई। पुणे जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कुंडमाला में इंद्रायणी नदी पर बना पुराना पुल दोपहर में अचानक ढह गया। इस घटना में करीब 24 पर्यटक बह गए हैं, इनमें से करीब 12 लोगों को नदी में निकाल कर अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान दो पर्यटकों की मौत हो गई है। 12 सैलानी अभी भी लापता हैं, जिन्हें खोजने के लिए मौके पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम पहुंच गई है और राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। मावल पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक रणजीत जाधव ने बताया कि आज की वजह से प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कुंडमाला में इंद्रायणी नदी पर बने पुराने पुल पर करीब सौ अधिक पर्यटक पहुंचे थे। यह पुल

काफी पुराना और पादचारियों के लिए बनाया गया है। पुल पर जरूरत से अधिक लोगों की वजह से यह पुल अचानक ढह गया। इस घटना में अब तक करीब 12 लोगों को नदी से निकालकर पवना अस्पताल पहुंचाया गया, इनमें से दो की मौत हो गई है। नदी में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम नदी में बहे 12 पर्यटकों की तलाश कर रही हैं। एनडीआरएफ के जवान दीपक तिवारी ने बताया कि इस घटना की सूचना मिलते ही उनकी दो टीमें मौके पर पहुंची हैं और राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि इंद्रायणी नदी का पुल ढह जाने से कई लोगों के बह जाने की प्राथमिक जानकारी मिली है। इस घटना में कुछ लोग घायल हैं, उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया है। मौके पर जिलाधिकारी की टीम मौजूद हैं और मौके पर एंबुलेंस की भी व्यवस्था की गई है। इस पुल को खतरनाक घोषित करके पुल पर न जाने की चेतावनी भी दी गई थी। आज रविवार होने से पुल पर अधिक लोग पहुंचे थे, इससे पुल ढह गया।

अहिल्यानगर में ट्रक-निजी बस की टक्कर में तीन लोगों की मौत, आठ घायल

एजेंसी

मुंबई। अहिल्यानगर जिले में कोल्हार-घोटी हाईवे पर संगमनेर इलाके में तेज रफ्तार ट्रक और निजी बस के बीच हुई टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। सभी घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने तीनों शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। पुलिस के अनुसार आज सुबह मुंबई से शिरडी की ओर जा रही निजी बस को संगमनेर इलाके में लोनी से संगमनेर जा रही तेज रफ्तार बस ने जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना

में बस में सवार दो यात्रियों और ट्रक के सह-चालक की मौके पर ही मौत हो गई। बस में सफर कर रहे आठ यात्री भी घायल हो गए। इस दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और स्थानीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतकों की पहचान ट्रक के सह-चालक संगमनेर निवासी फिरोज लाला शेख (46), बस यात्री हरियाणा निवासी अंजू रवींद्र वाल्मिक (39) और प्रवीण सोपान कंदलकर (28) के रूप में की गई है। संगमनेर तहसील पुलिस की टीम इस मामले की गहन छानबीन कर रही है।

मप्र के कान्हा टाइगर रिजर्व की ऊंची उड़ान, बाघों का सर्वश्रेष्ठ आवास क्षेत्र घोषित

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा वन अभ्यारण्य के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों को अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। कान्हा टाइगर रिजर्व को बाघों का सर्वश्रेष्ठ आवास घोषित किया गया है। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से वन अमले को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि अन्य रिजर्व भी इस दिशा में सकारात्मक पहल करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी केके जोशी ने बताया कि भारतीय वन्य-जीव संस्थान, देहरादून द्वारा जारी की गयी रिपोर्ट के अनुसार कान्हा टाइगर रिजर्व में शाकाहारी वन्य-प्राणियों की संख्या देश में सबसे अधिक है। कान्हा टाइगर रिजर्व को देश में बाघों का सर्वश्रेष्ठ आवास क्षेत्र घोषित किया गया है। कान्हा टाइगर रिजर्व प्रदेश के मण्डला जिले में स्थित है। इसका कुल क्षेत्रफल 2074 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें 917.43 वर्ग किलोमीटर कोर क्षेत्र और 1134 वर्ग किलोमीटर में बफर जोन शामिल है। कान्हा टाइगर रिजर्व वन्य-जीव सम्पदा संरक्षण में देश में सर्वश्रेष्ठ है। भारतीय वन्य-जीव संस्थान, देहरादून द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, कान्हा टाइगर रिजर्व में शाकाहारी वन्य-जीवों की संख्या 1 लाख 2485 है। इनका प्रति वर्ग किलोमीटर घनत्व 69.86 आंका गया है। अभयारण्य का कुल बायोमास 12.6 लाख किलोग्राम, 8602.15 किलोग्राम/वर्ग किलोमीटर है। कान्हा टाइगर रिजर्व में चीतल, सांभर, गौर, जंगली सुअर, बार्किंग डियर, नीलगाय और हॉग डियर की बहुतायत है। इस आधार पर कान्हा टाइगर रिजर्व को बाघों की बढ़ती आबादी के लिये एक आदर्श निवास घोषित किया है। यहां विविध शाकाहारी प्रजातियों की संख्या में लगातार आनुपातिक वृद्धि से यह जैविक रूप से सबसे समृद्ध और संतुलित वन्य-जीव पारिस्थितिकी तंत्र बन गया है। जनसम्पर्क अधिकारी ने बताया कि कान्हा टाइगर रिजर्व अपनी प्रबंधन नीतियों के कारण आदर्श बाघ निवास बन सका है। यहां वर्षभर घास भूमियों की देखरेख, जल स्रोतों का निर्माण, झाड़ियों की सफाई, लांटाना जैसी घासों का उन्मूलन और बाघ-आहार प्रजातियों की संख्या बढ़ाने के लिये आवास सुधार के कार्य जारी रहते हैं। गर्मियों में जल संकट से निपटने के लिये कृत्रिम जलकुंड, सोलर बोरवेल्स और तालाबों का गहरीकरण एवं साफ-सफाई नियमित रूप से की जाती है। अभयारण्य क्षेत्र में रू-ऊडइ्डघघक्ष मोबाइल ऐप पर सतत निगरानी रखी जाती है। अभयारण्य में अप्रैल-2025 में 88,600 किलोमीटर क्षेत्र में गश्ती निगरानी की गयी, जो देश में सबसे अधिक है। बताया कि अभयारण्य के कोर क्षेत्र से गांवों के स्थानांतरण के बाद पुनर्जीवित घास-भूमियों ने वन्य-जीवों को बिना मानवीय हस्तक्षेप के फलने-फूलने का अवसर दिया।

ब्लड प्रेशर व डायबिटीज के मरीजों के लिए वरदान है कद्दू

कद्दू एक ऐसी सब्जी के जिसे बच्चे से लेकर बड़े तक हर खाने में मुंह बनाता है। मगर एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह गुणों से भरपूर होती है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फाइबर, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट आदि गुण होते हैं। ऐसे में इसका सेवन करने से इम्यूनिटी स्ट्रांग होने से लेकर वजन घटाने में मदद मिलती है। इसके साथ ब्लड प्रेशर व डायबिटीज के मरीजों के लिए यह वरदानस्वरूप है। चलिए जानते हैं इसे खाने के बेहतरीन गुणों के बारे में

डायबिटीज में फायदेमंद

एक्सपर्ट्स के अनुसार, टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों के लिए कद्दू बेहद फायदेमंद मानी गई है। इसका सेवन करने से शुगर लेवल कंट्रोल रहता है। ऐसे में डायबिटीज के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

हाई बीपी रखे कंट्रोल

कद्दू में पोटैशियम भरपूर होता है। ऐसे में यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर माना जाता है। इसलिए ब्लड प्रेशर के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

इम्यूनिटी करे स्ट्रांग

कद्दू में विटामिन-ए, सी, ई आदि गुण होते हैं। इसके सेवन से तेजी से इम्यूनिटी बढ़ती है। ऐसे में शरीर को बीमारियों से लड़ने की अंदर से मजबूती मिलती है। साथ ही सर्दी, जुकाम, मौसमी व अन्य बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कई गुणा कम रहता है।

कब्ज से दिलाए राहत

गलत खानपान के चलते बहुत से लोगों को कब्ज की शिकायत रहती है। ऐसे में इस समस्या से राहत पाने के लिए कद्दू का सेवन करना फायदेमंद माना जाता है। इसके बीजों में फाइबर होने से पाचन शक्ति तेज होती है। ऐसे में कब्ज व पेट संबंधी अन्य समस्याओं से बचाव रहता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

इसमें बीटा कैरोटीन होता है। ऐसे में यह आंखों के लिए स्वस्थ माना जाता है। इसके सेवन से आंखों की रोशनी बढ़ने के साथ इससे जुड़ी समस्याएं होने से बचाव रहता है।

हड्डियों होगी मजबूत

कद्दू में कैल्शियम उचित मात्रा में होता है। ऐसे में इसका सेवन करने हड्डियां मजबूत होती है। इसके साथ ही ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा कम रहता है। इसलिए बच्चे से लेकर बड़ों तक हर उम्र के लोगों को इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

वजन घटाए

इसका सेवन करने से वजन कम करने में भी मदद मिलती है। ऐसे में मोटापे से परेशान लोगों को इसे अपनी डेली डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

हीमोग्लोबिन को मेंटेन करने में मदद करती हैं ये चीजें

हीमोग्लोबिन शरीर के सभी अंगों को ऑक्सीजन देता है। शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए कई सारी चीजों को डाइट में शामिल किया जा सकता है। तो चलिए जानते हैं ऐसे नट्स के बारे में जो आयरन की कमी को पूरा करेंगे और आपके हीमोग्लोबिन को तुरंत बढ़ाएंगे।

शरीर को फिट रखने में भरपूर मात्रा में न्यूट्रिएंट्स खाना बेहद जरूरी है। यदि किसी भी पोषक तत्व की कमी हो जाती है, तो यह शरीर के लिए परेशानी का कारण बनने लगता है। अक्सर लोगों में हीमोग्लोबिन ऐसे में आयरन हीमोग्लोबिन बनाने के लिए महत्तवपूर्ण है। शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए कई सारी चीजों को डाइट में शामिल किया जा सकता है।

काजू

अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है तो आप काजू खा सकते हैं। ये आपकी भूख को कम करता है साथ ही शरीर को पोषक तत्व मिलते हैं। एक मुट्ठी काजू में 189 मिली ग्राम आयरन होता है। ऐसे में जंक फूड खाने से अच्छा है कि आप स्नैक्स में एक मुट्ठी काजू का सेवन करें।

पिस्ता

पिस्ता स्वाद से भरपूर है और स्नैक्स के लिए सबसे अच्छा है। अगर आपको आयरन की कमी है तो एक मुट्ठी पिस्ता खाएं। एक मुट्ठी पिस्ता में 1.11 मिली ग्राम आयरन होता है।

बादाम

भिगे बादाम खाने से शरीर को कई तरह के पोषक तत्व मिलते हैं। अगर आप एक मुट्ठी बादाम का सेवन करते हैं तो आपको 1.05 मिली ग्राम मिलता है। कई लोग बादाम का दूध और बादाम के बटर का सेवन करते हैं। ऐसे आपको रोजाना बादाम का सेवन करना चाहिए।

अखरोट

अखरोट में सबसे ज्यादा पोषक तत्व होते हैं। ये आपके दिमाग को शार्प करने में मदद करता है। साथ ही कम हीमोग्लोबिन वाले लोगों को रोजाना अखरोट का सेवन करना चाहिए। एक मुट्ठी अखरोट खाने से आपको 08 मिली ग्राम प्रोटीन मिलता है।

मुंगफली

अगर आप मेवा नहीं खा सकते है, तो आप मुंगफली का सेवन कर सकते हैं। एक मुट्ठी मुंगफली में 13 मिलीग्राम मिनीरल्स होते है।

बेजोड़ सुंदरता और स्वास्थ्य चाहिए, तो रोजाना पिएं एक गिलास नोनी फ्रूट जूस

यंग दिखने के लिए अब आपको रॅपन्जेल के बालों की जरूरत नहीं है। इसके बजाय, एक गिलास नोनी फ्रूट जूस आपकी मदद कर सकता है। हम जानते हैं कि यह फल आपके लिए नया है, लेकिन आयुर्वेद में भी इस अद्भुत फल का उल्लेख किया गया है। आजकल जहां रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, वहां नोनी फल आपकी मदद कर सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह फल पोषक तत्वों से भरा हुआ है जो न केवल शरीर की कोशिकाओं के पुनर्जनन में मदद करता है, बल्कि विभिन्न वायरस द्वारा हुए नुकसान की मरम्मत में भी मदद करता है। नोनी फल विटामिन ए, विटामिन इ, विटामिन डी3 और आयरन जैसे एंटीऑक्सिडेंट का एक पावरहाउस है। यह सब न केवल आपके आंतरिक कल्याण के लिए, बल्कि बाहरी सुंदरता के लिए भी फायदेमंद हैं। नोनी फल के स्वास्थ्य लाभ

- नोनी फ्रूट जूस पीने से ब्लड शुगर लेवल बनाए रखने में मदद मिलती है
- नोनी फल में एंटीऑक्सिडेंट के साथ-साथ जीवाणुरोधी और एंटीफंगल गुण होते हैं जो इसे आपकी त्वचा के लिए बहुत अच्छा बनाते हैं। नोनी फ्रूट जूस पीने से न केवल आपके रक्त को डिटॉक्स करने में मदद मिलती है, बल्कि यह आपके पेट के स्वास्थ्य को भी नियंत्रित रखता है। यह सब बेहतर कोशिका संरचना और चिरस्थायी सौंदर्य की ओर ले जाता है।
- **यह जोड़ों की समस्याओं को दूर करता है**
  गठिया से जूझ रहे लोग दर्द का सही अर्थ जानते हैं। आखिरकार, वे दिन-ब-दिन इससे गुजरते हैं। इसके अलावा, इस रोग से संबंधित विकृतियां और भी अधिक समस्याग्रस्त हैं। लेकिन अगर आप अपने दैनिक आहार में नोनी फ्रूट जूस को शामिल करते हैं, तो आप इस समस्या से अच्छी तरह निपट सकते हैं, जैसा कि फूड्स जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है।
- **नोनी जूस आपके बालों के लिए बहुत अच्छा है**
  पसीना और नमी आपके स्कैल्प में बैक्टीरिया के विकास का कारण बन सकते हैं। यह बालों के रोम को नुकसान पहुंचा सकता है, जिसकी वजह से आपको स्कैल्प में खुजली, रूसी और बालों का झड़ना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन आप नोनी फ्रूट जूस का सेवन करके, इसके जीवाणुरोधी और एंटीफंगल गुणों के कारण इसे कम कर सकते हैं।
- **यह थकान को कम करने के लिए जाना जाता है**
  थकान का प्रमुख कारण आयरन की कमी है, जिससे एनीमिया हो सकता है। नोनी फल आयरन का एक बड़ा स्रोत है, और इसीलिए यह गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए भी बहुत अच्छा है। तो, अब आप जानते हैं कि यदि आप ऊर्जा पर कम हैं तो आपको क्या चाहिए।
- **यूरिक एसिड को कम करता है**
  उच्च यूरिक एसिड बुजुर्गों में सबसे आम समस्याओं में से एक है। यह समस्या न केवल पूरी प्रतिरक्षा प्रणाली को बाधित करती है, बल्कि यह पूरी तरह से दर्दनाक भी है। अगर आपके घर में कोई ऐसा ही है, तो बिना समय बर्बाद किए उनकी डाइट में एक गिलास नोनी जूस शामिल करें और बदलाव देखें।
- **मानसून से संबंधित बीमारियों के लिए**
  मानसून बीमारियों के साथ आता है। खांसी, जुकाम, बदन दर्द, बुखार, दस्त आदि। लेकिन आप में से जो नोनी फल खा रहे हैं, उन्हें सुरक्षा मिलेगी। इसका कारण, इम्युनिटी है!

करेले में छुपे हैं ढेरों फायदे

कई ऐसी फल और सब्जियां हैं, जो हमारे लिए काफी गुणकारी हैं। ये हमें कई तरह की बीमारियों से बचाकर स्वस्थ और फिट रखती हैं। कई लोग इनके फायदों से इतने अवगत नहीं होते। अब करेले को ही लीजिए। कड़वेपन के कारण कई लोग करेला खाना पसंद नहीं करते हैं, जबकि करेले में हमारे लिए ढेरों फायदे छुपे होते हैं।

करेले के फायदों को देखते हुए सभी को करेले को प्रमुखता से अपने खानपान का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। इसे सब्जी के रूप में और साथ ही जूस के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। जानते हैं करेले खाने से हमें कितने फायदे मिलते हैं।

करेला हर किसी की सेहत के लिए अच्छा होता है लेकिन लोग इसे खाना पसंद नहीं करते हैं क्योंकि इसे खाकर लोग अक्सर कड़वा महसूस करते हैं। लेकिन करेला सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद साबित होता है इसलिए आपको इससे दूर नहीं भागना चाहिए बल्कि आपको इससे दोस्ती करनी चाहिए। और हर दिन इसे अपनी डाइट में शामिल करें ताकि आपकी सेहत अच्छी रहे।

अगर आप करेले की सब्जी खाते हैं। तो ऐसे में आप जूस भी लें, इससे आपकी स्किन समस्या के साथ बालों और डायबिटीज को भी काफी फायदा मिलता है। करेले का जूस पीने से आपका चेहरा भी ग्लो करता है। साथ ही बॉडी अच्छे से डिटॉक्स हो जाती है जिससे वेट कंट्रोल होता है। करेला विटामिन सी से भरपूर होता है। ऐसे में जानें कैसे करेले के जूस का इस्तेमाल करें।

डायबिटीज में फायदे

डायबिटीज में करेला हमेशा फायदेमंद साबित होता है। इसमें इंसुलिन जैसा प्रोटीन होता है जिसे पॉलीपेप्टाइड पी कहा जाता है। इसके साथ ही ये डायबिटीज के ब्लड शुगर लेवल को कम करता है म्ये नेचुरल तरीके से आपके डायबिटीज को कम करता है, इसे खाली पेट पीएं।

लिवर के लिए फायदेमंद

करेले का जूस आपकी आंतो को साफ करता है, दरअसल जूस में मोमोर्डिका चाररेंटिया नामक एक तत्व पाया जाता है। ये एक एंटीऑक्सीडेंट है जो लिवर को मजबूत करके लिवर डैमेज से सुरक्षा प्रदान करता है, ये आपके ब्लैडर के काम को भी बढ़ावा देता है।

मोटापा कम करे

करेले का जूस मोटापा कम करने में काफी मदद करता है। दरअसल करेले में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है। जिससे कैलोरी कंट्रोल में होती है और वजन नहीं बढ़ता है म्आप करेले का जूस लेंगे तो इससे आपकी डिटॉक्स होता है, इसलिए आप वेट लॉस कर रहे हैं तो ऐसे में करेले का जूस जरुर पीएं।

स्किन के लिए अच्छा

करेले के जूस में विटामिन ए और सी जैसे शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। जो आपकी स्किन को अच्छा बनाता है। इसके साथ ही ब्लड सर्कुलेशन में भी सुधार करता है। ये आपकी स्किन की और कई सारी परेशानियों का भी हल निकलता है।

हृदय के लिए

हृदय संबंधी परेशानियों में भी करेला फायदेमंद रहता है। यह हानिकारक वसा को हृदय की धमनियों में जमने नहीं देता जिससे रक्तसंचार सुचारू बना रहता है, और हार्ट अटैक की आशंका कम होती है। करेले की पत्तियों या फल को पानी में उबालकर इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और कई तरह का संक्रमण ठीक हो जाता है। वजन होगा कम करेले में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालते हैं। सुबह के समय करेले के रस में नींबू की कुछ बूंदें मिलाकर पी जाएं तो शरीर डीटॉक्स होता है। इसके अलावा करेला हमारे शरीर के मेटाबोलिज्म को बढ़ा देता है, जिससे पाचन सही रहता है और इन स्थितियों में वजन कम करना आसान हो जाता है।

आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है सुबह की खाली पेट चाय की चुस्की

अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जिनके लिए चाय एक एनर्जी ड्रिंक का काम करती है या फिर जिनकी सुबह ही एक कप गर्म प्याली चाय के साथ होती है तो यह खबर आपके लिए ही है। जी हां क्या आप जानते हैं खाली पेट सुबह की चाय की गर्म चुस्की आपकी सेहत पर कितना बुरा असर डाल सकती है। आइए जानते हैं।

सुबह खाली पेट चाय पीने से पेट में अम्लीय और क्षारीय पदार्थों के असंतुलन की वजह से चयापचय प्रणाली बाधित हो सकती है। यह शरीर की नियमित चयापचय गतिविधि में हस्तक्षेप करके व्यक्ति को दिन भर परेशान रख सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, जब दूध को चाय के साथ मिलाया जाता है, तो दूध में मौजूद वजन घटाने के लिए जिम्मेदार तत्वों का असर कम हो जाता है। इसके अलावा दूध से बनी चाय पेट के एसिड को बढ़ाकर आपके पाचन तंत्र पर भी बुरा असर डाल सकती है। जो कि वजन बढ़ने का एक मुख्य कारण हो सकता है।

अल्सर की समस्या

अक्सर आपने कई लोगों को यह कहते सुना होगा कि उन्हें सुबह उठते ही एकदम स्ट्रॉन्ग और गर्मागरम चाय पीना पसंद है। पर क्या आप जानते हैं सुबह-सुबह खाली पेट गर्म चाय पीने से पेट की अंदरूनी हिस्से पर चोट लग सकती है, जो आगे चलकर पेट के अल्सर का कारण भी बन सकता है।

मोटापे की समस्या

खाली पेट चाय पीने से उसमें घुली हुई चीनी शरीर में प्रवेश करती है, जिससे व्यक्ति का वजन बढ़ने के साथ मोटापा भी बढ़ता है।

हड्डियों के लिए बुरी है चाय

खाली पेट लंबे समय तक रोज कई कप चाय के पीने से स्केलेटल फ्लोरोसिस जैसी बीमारी हो सकती है यह बीमारी हड्डियों को अंदर ही अंदर खोखला बना देती है। जिसकी वजह से कई गंभीर बीमारी भी हो सकती है।

थकान और चिड़चिड़ापन

ऐसा कहा जाता है कि चाय पीने से ताजगी आती है। हालांकि सच तो ये है कि सुबह दूध वाली चाय पीने से काम में थकान और चिड़चिड़ापन हो सकता है।

पाचन क्रिया पर बुरा असर

सुबह उठते ही कई लोग खाली पेट चाय पीने लगते हैं। जिसकी वजह से उनके पेट में गैस बनने के साथ उनकी पाचन क्रिया भी धीमी हो जाती है। खाली पेट चाय पीने से पित्त की प्रक्रिया में भी बाधा आती है। जिसकी वजह से मिचली और बेचैनी महसूस हो सकती है।

तनाव बढ़ने का है कारण

सुबह उठते ही फ्रेश और ऊर्जावान बने रहने के लिए लोग एक कप चाय पीना पसंद करते हैं। नतीजतन, ऐसे व्यक्तियों के शरीर में कैफीन की मात्रा काफी बढ़ जाती है और उन्हें नींद न आने के साथ तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं घेर सकती हैं।

ह्रदय रोग का खतरा

खाली पेट चाय पीने से इसमें मौजूद कैफीन तेजी से शरीर में घुलने लगता है। जो व्यक्ति के ब्लड प्रेशर को प्रभावित करके दिल की सेहत पर भी बुरा असर डालता है।

इस तरह से पिएं चाय

अगर आप चाय के शौकीन हैं तो हमेशा न ही ज्यादा गर्म और न ही अधिक ठंडी चाय पीएं। सुबह उठते ही चाय पीने की आदत है तो खाली पेट चाय पीने की जगह उसके साथ बिस्किट या स्नैक्स जरूर लें।

हैवी वेट लिफ्टिंग में सक्षम होने से ज़्यादा सशक्त कोई एहसास नहीं है

फ़िटनेस आइकन और एंटरप्रेन्योर कृष्णा श्रॉफ कभी भी अपनी सच्चाई बताने से पीछे नहीं हटती हैं, और जब फ़िटनेस की बात आती है, तो वेट ट्रेनिंग के प्रति उनका जुनून सबसे आगे नज़र आता है। फिटनेस की शौकीन कृष्णा का मानना है कि वेट ट्रेनिंग शरीर को तराशने का सबसे प्रभावी तरीका है, जिससे व्यक्ति खुद को ठीक वैसा आकार दे सकता है जैसा वह चाहता है। मेरा जुनून हमेशा से वेट ट्रेनिंग रहा है। मेरा मानना है कि वेट्स उठाना आपके शरीर को आकार देने का एक अच्छा तरीका है, चाहे आप खुद को आकार देना चाहें, वह स्पष्ट रूप से स्वीकार करती हैं कि पारंपरिक कार्डियो वर्कआउट की तुलना में वेट ट्रेनिंग ज़्यादा पसंद है। कृष्णा के लिए जिम सिर्फ़ शारीरिक बदलाव के बारे में नहीं है, यह उस शक्ति की खोज के बारे में है जो हैवी वेट उठाने के बाद आती है। कृष्णा के लिए स्ट्रेंथ ट्रेनिंग की लत सिर्फ शरीर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा अनुभव है जो शरीर और मन दोनों को एक साथ बदलता है। वह कहती हैं, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग सच में लत बना देती है। यह सिर्फ़ हफ़्ते-दर-हफ़्ते शारीरिक प्रगति नहीं दिखाती, बल्कि यह मानसिक रूप से भी बहुत कुछ बदलती है और आत्मविश्वास को नई ऊँचाइयों तक ले जाती है। शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कृष्णा श्रॉफ अपने आत्मविश्वास और आत्म-छवि में आए बदलाव का श्रेय वेट ट्रेनिंग को देती हैं। वह कहती हैं, मुझे लगता है कि जिम जाना, खास तौर पर वेट ट्रेनिंग, ने मुझे आत्मविश्वास की एक नई भावना दी है जो बचपन में मेरे पास नहीं थी। उनका यह ईमानदार स्वीकार इस बात का प्रमाण है कि कृष्णा के लिए फिटनेस सिर्फ़ एक शौक से कहीं बढ़कर बन गई है। यह आत्म-खोज और सशक्तिकरण का एक साधन रहा है जो आज भी उन्हें आकार दे रहा है।

निकिता रॉय का ट्रेलर रिलीज

डरावनी ताकतों का मुकाबला करती दिखीं सोनाक्षी सिन्हा

सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'निकिता रॉय' का ट्रेलर दर्शकों के रोंगटे खड़े करने के लिए काफी है। इस ट्रेलर में सोनाक्षी शैतान, भूत-प्रेत यानी सुपरनेचुरल ताकतों का सामने करती हुई दिखीं। फिल्म में परेश रावल भी एक अहम भूमिका में नजर आ रहे हैं। सोनाक्षी सिन्हा फिल्म 'निकिता रॉय' में एक जासूस की भूमिका में दिख रही हैं। निकिता का मकसद एक गुरु (परेश रावल) का पर्दाफाश करना है, जो लोगों को भूत-प्रेतों से छुटकारा दिलाने का दावा करता है।। फिल्म में अर्जुन रामपाल भी हैं, जो निकिता को गाइड करते हैं। इन सब बातों के बीच कुछ डरावने दृश्य सामने आते हैं, जिसमें शैतान और भूत-प्रेतों की झलक मिलती है। इन ताकतों का और उस गुरु यानी परेश रावल के किरदार का मुकाबला निकिता रॉय कैसे करेगी? यही फिल्म में दिखाया जाएगा। निकिता रॉय के रोल में सोनाक्षी काफी जम रही हैं। वहीं ट्रेलर में परेश रावल अपनी एक्टिंग से डर का माहौल बनाने में पूरी तरह से कामयाब नजर आते हैं। उनके डायलॉग भी काफी दमदार हैं।

रिलीज की तारीख भी आई सामने

सोनाक्षी सिन्हा की सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म 'निकिता रॉय' की रिलीज डेट भी ट्रेलर के साथ साझा की गई है। यह फिल्म 27 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशक कुश एस सिन्हा हैं। फिल्म को निक्की खेमचंद भगनानी ने प्रोड्यूस किया है।

तीन साल बार बड़े पर्दे पर सोनाक्षी की वापसी

सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'डबल एक्सएल' साल 2022 में थिएटर में रिलीज हुई। फिर 'काकुड़ा' में वह दिखीं लेकिन यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई। इस तरह देखा जाए तो बड़े पर्दे यानी सिनेमाघरों में तीन साल के बाद सोनाक्षी सिन्हा की कोई फिल्म रिलीज होगी

रणबीर की 'रामायण' में इस भूमिका के लिए प्रियंका चोपड़ा थीं पहली पसंद इस वजह से बिगड़ी बात

नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर पिछले कई दिनों से चर्चाएं चल रही हैं। हालांकि, बीते दिनों फिल्म की स्टारकास्ट के फाइनल होने की खबरें आईं, जिसमें रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश और सनी देओल समेत एक भारी भरकम स्टारकास्ट नजर आ रही है। अब एक ऐसी जानकारी सामने आ रही है, जिसमें कहा जा रहा है कि प्रियंका चोपड़ा भी इस फिल्म का हिस्सा होने वाली थीं। मेकर्स ने प्रियंका से एक अहम किरदार के लिए संपर्क किया था। जानिए कौनसा था वो किरदार और क्यों अटक गई बात। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने ई-टाइम्स को बताया कि इस एपिक माइथोलॉजी में मेकर्स अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा को भी लेना चाहते थे। इसके लिए मेकर्स ने प्रियंका से संपर्क भी किया था। जानकारी के मुताबिक, मेकर्स प्रियंका को सूर्पनखा के किरदार में कास्ट करना चाहते थे। जिसके लिए मेकर्स ने अभिनेत्री से अप्रोच किया था। मगर डेट्स के चलते प्रियंका इस किरदार को हां नहीं कह पाईं। नतीजा उनकी जगह रकुल प्रीत सिंह अब सूर्पनखा के रोल के लिए फाइनल की गई हैं।

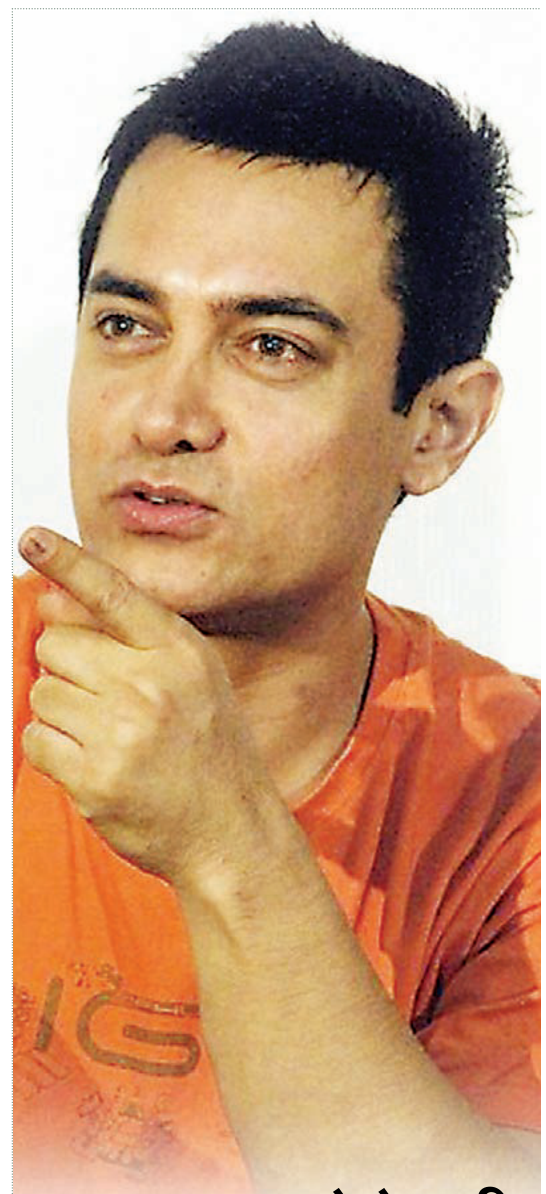

संन्यास लेने की अफवाहों पर अभिनेता ने दी ये प्रतिक्रिया

आमिर खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म सितारे जमीन पर को लेकर चर्चा में हैं। वह इसके प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि शायद फिल्म महाभारत के बाद मेरे पास करने के लिए कुछ न बचे। लोगों ने आमिर की इस बात का यह मतलब निकाला कि वह महाभारत के बाद एक्टिंग से संन्यास ले लेंगे।

एक्टिंग से पीछे नहीं हटेंगे आमिर खान

आमिर खान ने बातचीत में कहा है कि एक्टिंग से पीछे हटने का उनका कोई प्लान नहीं है। आमिर खान ने कहा महाभारत हमारी आखिरी फिल्म नहीं होगी। अभी मामला ऐसा है कि हम कुछ भी बोलें, उसका गलत मतलब निकल आता है। मुझसे पूछा गया कि आप कोई ऐसी फिल्म करो जिसको करने के बाद आपका काम करने का मन न हो। तो वह फिल्म कौन सी होगी?

आमिर ने कहा ध्यान से सुना करें बाते

इसके बाद आमिर ने कहा मटेरियलवाइज मुझे एक ही चीज नजर आती है कि जो फिल्म करने के बाद शायद मेरे मन में ये ख्याल उठे कि बस हो गया। मैंने उसका जवाब इस तरह दिया था। लोगों को लगा कि महाभारत मेरी आखिरी फिल्म होगी। जवाब को ठीक से सुना कीजिए।

क्या बोले थे आमिर खान?

आपको बता दें कि आमिर खान ने हाल ही में राज शमनी के साथ अपने ड्रीम प्रोजेक्ट महाभारत के बारे में बात की थी। इसके बाद उनके संन्यास लेने की अफवाहें उड़ने लगीं। आमिर ने तब कहा था यह मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट है कि मैं महाभारत बनाऊं, मैं इस पर सितारे जमीन पर की रिलीज के बाद काम करना शुरू कर दूंगा। मुझे लगता है कि यह ऐसा प्रोजेक्ट है, जिसको करने के बाद मुझे ये लगेगा कि अब मैं इससे अच्छा नहीं कर पाउंगा। यह फिल्म भव्य होगी। इसके बाद आमिर के संन्यास की खबरें सुर्खियों में आईं।

आमिर खान की अगली फिल्म के बारे में

फिलहाल आमिर अपनी अपकमिंग फिल्म सितारे जमीन पर की रिलीज के लिए तैयार हैं। फिल्म में वह एक बास्केटबॉल कोच की भूमिका निभाने वाले हैं। वह दिव्यांग बच्चों को खेल सिखाते नजर आएंगे। आरएस प्रसन्ना द्वारा निर्देशित यह फिल्म स्पैनिश फिल्म चैंपियंस की रीमेक है। फिल्म में जेनेलिया देशमुख भी हैं।

राणा नायडू और मस्ती... दोनों चीजें कभी साथ में नहीं चल सकती

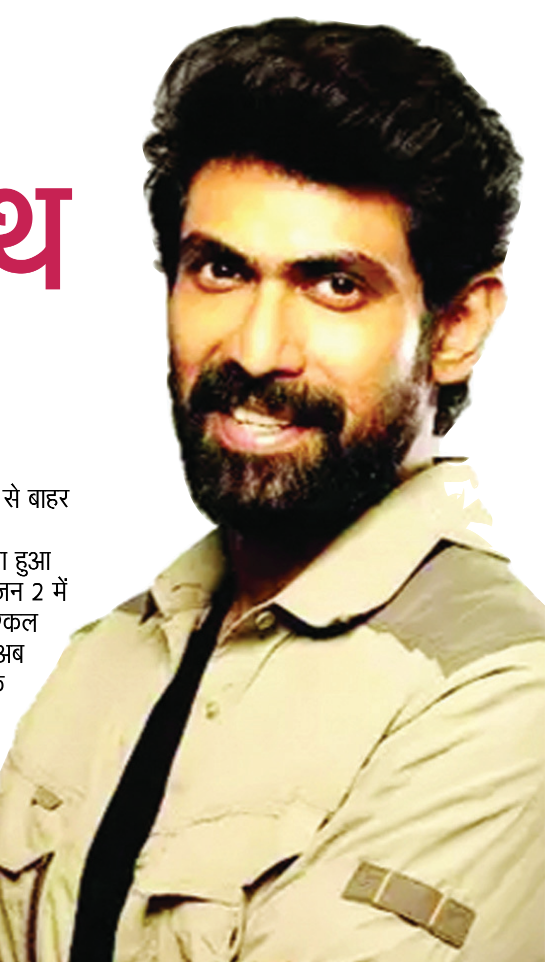

तेलुगु स्टार राणा दग्गुबाती अपने हिट स्ट्रीमिंग शो राणा नायडू के दूसरे सीजन की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। आईएएनएस से खास बातचीत में उन्होंने कहा कि इस शो में उनका किरदार बहुत सारे दर्द और मानसिक तकलीफों से जुड़ा है। इंटरव्यू में राणा से पूछा कि उन्हें अपने राणा नायडू का किरदार निभाने में सबसे मजेदार चीज क्या लगी?

उन्होंने कहा, राणा नायडू और मस्ती, ये दोनों चीजें कभी साथ में नहीं चल सकतीं। यह किरदार बहुत गंभीर है। वह कई अंदरूनी तकलीफों से जूझ रहा है, जिनका जिक्र वह किसी से नहीं कर पाता। मुझे लगता है कि भारतीय पुरुषों के साथ ऐसा होता है, खासकर जो परिवार के मुखिया होते हैं या जिन पर बहुत जिम्मेदारी होती है, वे अपनी तकलीफों के बारे में किसी से बात नहीं करते। नायडू परिवार की कहानी में भी ऐसा ही कुछ दिखाया गया है, एक ऐसा परिवार जिसमें सभी लोग अपनी-अपनी अंदरूनी परेशानियों के दबाव में जी रहे हैं। उन्होंने कहा, चाहे वह बाप-बेटे के बीच का झगड़ा हो, पति-पत्नी के बीच की परेशानी हो या भाई-बहनों के बीच के मतभेद हों, मुझे लगता है कि यह सब किसी न किसी पुराने दर्द से जुड़े हुए हैं। हर कोई अपने-अपने तरीके से उन तकलीफों से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा है।

सीजन 1 में सिर्फ एक ऐसा परिवार था, जो बिखरा हुआ था। उनमें झगड़े, मतभेद और परेशानियां थीं। सीजन 2 में अब दो ऐसे परिवार हैं, जो आपसी तनाव और मुश्किल हालातों से जूझ रहे हैं। अभिनेता ने साझा किया, अब दो ओबेरॉय कहानी में आए हैं। आपने सोचा था कि नायडू परिवार बुरा है, लेकिन ये तो उससे भी ज्यादा बुरे हैं। अमीर लोगों की परेशानियां और भी बड़ी होती हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि अमीर लोगों की भी यही समस्याएं होती हैं। उनकी परेशानियां एक अलग तरीके से बढ़ जाती हैं, जैसे विरासत और ऐसी चीजें। इस कहानी में नागा नाम का एक किरदार है, जो इस परिवार के बीच में बार-बार दखल देता रहता है। राणा नायडू का दूसरा सीजन 13 जून से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा।

बिना ऑडिशन दिए जयदीप को मिली थी पाताल लोक

वेब सीरीज पाताल लोक ने जयदीप अहलावत के करियर को एक नए मुकाम पर पहुंचाया। उन्होंने इसमें हाथीराम चौधरी का किरदार अदा किया है। दिलचस्प बात यह है कि यह शानदार सीरीज एक्टर को बिना किसी ऑडिशन के मिली।

कलाकार का खाली वक्त निराशा में नहीं जाना चाहिए

अभिनेता से पूछा गया कि 2010 से 2020 तक के सफर पर बात करें तो आप हर जगह नजर आए। बड़े-बड़े किरदार में नजर आए। लेकिन, क्या ऐसा लगा कि दिख तो रहा हूं लेकिन एक पहचान बनाना बाकी है? इस पर जयदीप अहलावत ने कहा हां बिल्कुल लगा। मैंने बहुत बड़े-बड़े डायरेक्टर्स के साथ काम किया। एक काम के बाद दूसरे काम में गैप भी बहुत ज्यादा रहा। ऐसे बहुत लंबा वक्त बीता है। लेकिन, जब आप वहां जाते हो तो यही वो पिलर हैं जहां मकान बनता है। तो मुझे लगता है कि नींव काफी मजबूत है। जयदीप ने आगे कहा, बस यही है कि जब आप खाली बैठो तो वह दौर निराशा में नहीं जाना चाहिए। खाली बैठे एक्टर को बहुत तैयारी करनी चाहिए। कई एक्टर्स ने बहुत अच्छा काम किया। फिर गायब हुए और वापस आए। ऐसे में कंसिस्टेंसी बहुत जरूरी है।

वेब सीरीज पाताल लोक ने जयदीप अहलावत के करियर को एक नए मुकाम पर पहुंचाया। उन्होंने इसमें हाथीराम चौधरी का किरदार अदा किया है। दिलचस्प बात यह है कि यह शानदार सीरीज एक्टर को बिना किसी ऑडिशन के मिली। दरअसल, जयदीप अहलावत 10 जून को देहरादून में आयोजित संवाद कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे। यहां उन्होंने पाताल लोक को लेकर खुलासा किया।

कैसे मिली पाताल लोक?

15 मई 2020, वह दिन जब भारत के तमाम लोग अपने घरों में थे। तब पाताल लोक रिलीज हुई और लोगों को हाथीराम चौधरी देखने को मिला। लोगों के फोन आने शुरू हुए होंगे? क्या अनुभव था? जयदीप अहलावत ने कहा, मेरे पास जब यह सीरीज आई, तो कहा गया कि आप इसके लिए हां कहो और आपका कोई ऑडिशन नहीं होगा। मुझे बहुत सरप्राइज हुआ कि मैं आठ-नौ एपिसोड की एक सीरीज करूं और मुझे जांचा-परखा भी न जाए। जिस खूबसूरती से पाताल लोक को लिखा गया, दुनिया में ऐसा कोई एक्टर नहीं जो इस स्क्रिप्ट को मना कर सकता है।

एक्टर से पूछा गया पाताल लोक के बाद क्या कोई ऐसा कॉल आया जब आपको हैरानी हुई हो? एक्टर ने कहा, उस वक्त कई दिग्गजों के फोन आए। मनोज (बाजपेयी) भाई ने मुझसे करीब 20 मिनट तक बात की। मैं रो रहा था और वो बोले जा रहे थे। उन्होंने कहा कि इसे देखकर मुझे लग रहा है कि मेरी एक्टिंग की वर्कशॉप हो रही है। मुझे लगता है कि इससे सुंदर मुझे कोई क्या बोलेगा? 5 दिन के बाद बहुत बड़े-बड़े लोगों ने बधाई दी तब महसूस हुआ कि अब ये बड़ा हो गया।

मैं शेखर सर और धनुष के साथ काम करना चाहती थी इसी वजह से 'कुबेर' के लिए हां कहा

धनुष स्टारर फिल्म 'कुबेर' का आज सॉन्ग लॉन्च इवेंट हुआ। इस खास मौके पर नागार्जुन अक्किनेनी, धनुष, रश्मिका मंदाना, जिम सरभ और दलीप ताहिल जैसे दिग्गज एक्टर्स ने शिरकत की। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित और सह-लिखित 'कुबेर' एक सोशल थ्रिलर है। इस दौरान अभिनेत्री रश्मिका मंदाना से फिल्म से जुड़े अपने अनुभवों को साझा किया। रश्मिका मंदाना ने डायरेक्टर शेखर कम्मुला और को-स्टार धनुष के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि मैं शेखर सर और धनुष के साथ काम करना चाहती थी। यही वजह थी कि मैंने इस फिल्म के लिए हां कह दी। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए रश्मिका ने कहा यकीनन मैंने ऐसा रोल पहले कभी नहीं किया। मैं पूरी तरह से डायरेक्टर के हवाले हो गई और यही खूबसूरती है। हर डायरेक्टर का अपना अंदाज होता है, इसीलिए मुझे इतने दिलचस्प और अलग-अलग किरदार निभाने को मिलते हैं। मैं इसके लिए हमेशा शुक्रगुजार रहूंगी।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में यशस्वी जायसवाल के पास इतिहास रचने का मौका, द्रविड़-वीरेंद्र का रिकॉर्ड तोड़ने के करीब

नई दिल्ली (एजेंसी)। 20 जून से शुरू हो रहे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय युवा खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल इतिहास रच सकते हैं। दरअसल, यशस्वी रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराने और वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ने के कगार पर हैं। टेस्ट क्रिकेट में 2023 में डेब्यू के बाद से ही ये युवा खिलाड़ी ने अपनी छाप छोड़ी है। उन्हें पहले से ही दुनिया के बेहतरीन युवा खिलाड़ियों में गिना जाता है। बाएं हाथ का ये बल्लेबाज रिकॉर्ड बुक में अपना नाम और दर्ज करा सकता है। उसके पास टेस्ट में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले भारतीय बनने का सुनहरा मौका है।

यशस्वी जायसवाल ने फिलहा 19 मैच की 36 पारियों में 52.88 के औसत से 1789 रन बनाए हैं। इसमें उनके नाम चार शतक और दस अर्द्धशतक हैं। अगर वह अगली तीन पारियों में 2000 रन का आंकड़ा पूरा करने में सफल हो जाते हैं तो वह टेस्ट में भारत के लिए सबसे तेज 2000 रन बनाने के मामले में राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग को पछाड़ सकते हैं। द्रविड़ और सहवाग दोनों ने 40 पारियों में ये उपलब्धि हासिल की थी। ऐसे में जायसवाल के पास इंग्लैंड में आगामी सीरीज में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने का बेहतरीन मौका होगा।

यशस्वी जायसवाल के लिए इंग्लैंड की परिस्थितियों में ओपनिंग करने की चुनौती आसान नहीं होगी। दौरे की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अभ्यास मैच में चार पारियों में उन्होंने सिर्फ एक अर्द्धशतक बनाया। जायसवाल के साथ केएल राहुल पारी की शुरुआत कर सकते हैं, जिन्होंने देश की शुरुआत इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शतक के साथ की थी और इंट्रा-स्क्वाड मैच में भी अर्धशतक बनाया था।

आईसीसी ने घोषित किया महिला एकदिवसीय विश्वकप का कार्यक्रम, भारत पाक मुकाबला 5 अक्टूबर को कोलंबो में

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस साल 30 सितंबर से शुरू होने जा रहे आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। ये टूर्नामेंट इस साल 30 सितंबर से भारत में शुरुह होगा हालांकि इसमें पाकिस्तान के मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे। दोनो देशों के बीच तनाव को देखते हुए ही हाईब्रिड मॉडल रखा गया है। इसमें मेजबान भारतीय टीम श्रीलंका से पहला मुकाबला बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 30 सितंबर को खेलेगी। आठ टीमों का यह टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा। इसमें शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। वहीं फाइनल 2 नवंबर को होगा। ऑस्ट्रेलिया इसमें पहला मुकाबला 1 अक्टूबर को इंदौर के होलकर क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड से खेलेगी।

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण पाकिस्तान के सभी मैच कोलंबो में खेले जाएंगे। इसमें भारत और पाक के बीच मुकाबला 5 अक्टूबर को कोलंबो में खेला जाएगा। इस टूर्नोमें में भारत में होने वाले मैच बेंगलुरु, गुवाहाटी, इंदौर और विशाखापत्तनम जबकि श्रीलंका में होने वाले मैच कोलंबो में खेले जाएंगे। ये सभी मैच दोपहर 3 बजे से होंगे।

गंभीर के पहले टेस्ट के लिए टीम से जुड़ने की संभावना बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की मां की तबियत पहले से कुछ ठीक है। ऐसे में गंभीर जल्द ही टीम से जुड़ सकते हैं। ये भी कहा जा रहा है कि गंभीर 20 जून से शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारती टीम अभी इंग्लैंड में अभ्यास कर रही। अभी टीम के कोच की जिम्मेदारी बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण निभा रहे हैं।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्मण एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए स्विट्जरलैंड की यात्रा पर थे और टीम से मिलने के लिए इंग्लैंड गए थे। ये गंभीर के भारत लौटने से पहले ही उनकी योजना का हिस्सा थे। लक्ष्मण ने लंदन से लॉज़ेन की यात्रा की और इंट्रा-स्क्वाड (आपस में हुए) मैच में वह भारतीय खिलाड़ियों के साथ रहे। ये मैच भारत ए और राष्ट्रीय टीम के बची टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए खेला गया। इसमें लक्ष्मण का काम टीम पर नजर रखना और अपने अुनभवी साझा करना रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्मण की टीम के साथ कोई आधिकारिक भूमिका नहीं है। वह स्विट्जरलैंड गए थे और लंदन में लड़कों के साथ समय बिताने के लिए रुके थे। यह पहले से उनकी योजना में शामिल था,'

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वह पहले टेस्ट से पहले निश्चित रूप से टीम में शामिल होंगे। उन्होंने अपनी मां की स्थिति के बारे में डॉक्टरों से बात की है। वह अभी भी आईसीयू में हैं हालांकि उनकी सेहत में पहले से सुधार है। ऐसे में कोच जल्द ही अपनी वापसी की योजना बनाएंगे.'

उनकी वापसी तक भारतीय टीम को टीम लक्ष्मण के अनुभवों से सीखने को मिलेगा।

सरफराज को लेकर टीम प्रबंधन पर बरसे आकाश चोपड़ा

–तकनीक ही पसंद नहीं है तो उनको इंडिया ए के लिए भी क्यों रखते हो?

मुम्बई (एजेंसी)। भारत ए की ओर से बल्लेबाज सरफराज खान के अच्छे प्रदर्शन के बाद पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने एक बार फिर टीम प्रबंधन पर निशाना साधा है। चोपड़ा ने कहा है कि अगर प्रबंधन को सरफराज पर भरोसा ही नहीं था तो उसे क्यों इंग्लैंड दौरे पर ले जाया गया था। चोपड़ा ने ये बात इसलिए कही है क्योंकि सरफराज को इस दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। भारत ए और भारतीय टेस्ट टीम के बीच इंट्रा स्क्वॉड मैच में सरफराज ने जबरदस्त पारी खेली। उन्होंने कहा है कि जब आपको सरफराज की तकनीक ही पसंद नहीं है तो उनको इंडिया ए के लिए भी क्यों रखते हो?

15 चौके और 2 छक्कों की मदद से इस इंट्रा स्क्वॉड मैच में शतक लगाने से पहले सरफराज ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भी 92 रनों की पारी खेली थी। पिछली सीरीज के दौरान ये बल्लेबाज भारत की टेस्ट टीम का हिस्सा था पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उसको अवसर नहीं मिला था। इस पर चोपड़ा ने कहा है कि इस खिलाड़ी ने ऐसा कुछ गलत नहीं किया है कि उनको टेस्ट टीम में न रखा जाए।

चोपड़ा ने कहा, सरफराज ने अब तक कुछ भी गलत नहीं किया है। वास्तव में, उन्होंने अब तक कुछ भी गलत नहीं किया है। उन्होंने जो एक मैच खेला, उसमें उन्होंने 90 से ज्यादा रन बनाए। वे शतक नहीं बना पाए, लेकिन उन्होंने रन बनाए। उसके बाद, आपने उन्हें अगले मैच में नहीं खिलाया और वे टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं। वह अब तक इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में विफल नहीं हुए हैं, लेकिन आपने उन्हें मौका ही नहीं दिया। यह अच्छी कहानी नहीं है। मैं समझ सकता हूं कि अगर आपको उसकी तकनीक या खेलने के तरीके पर भरोसा नहीं है, तो शायद वह वहां रन नहीं बना पाएगा, तो आपको फैसला लेना होगा। फिर उसे इंडिया ए के साथ भी मत भेजिए, क्योंकि आपके

पास पहले से ही एक धारणा है।

आकाश ने कहा, अगर आपको लगता है कि वह रन बना सकता है और इसीलिए उसे इंडिया ए टीम में चुना गया है, तो उसे इंडिया टेस्ट टीम में भी खिलाइए। उसने क्या गलत किया है? उसने बेंगलुरु में शतक बनाया। फिर वह दो मैचों में विफल रहा, लेकिन उन मैचों में किसी और ने भी तो रन नहीं बनाए। उसने ऑस्ट्रेलिया में एक भी मैच नहीं खेला। वहीं सरफराज को टेस्ट टीम से बाहर करने पर मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने तर्क दिया था, कभी-कभी आपको सिर्फ अच्छे फैसले लेने होते हैं।

डब्लयूटीसी जीतने के बाद भी दक्षिण अफ्रीका रैंकिंग में शीर्ष पर नहीं पहुंच पायी

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीकी टीम की टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल खिताब जीतने के बाद भी आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर नहीं पहुंच पायी है। वहीं डब्लयूटीसी फाइनल में हारी ऑस्ट्रेलियाई टीम अब ताजा जारी आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीकी टीम 114 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि 123 रेटिंग अंकों के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम शीर्ष पर बरकरार है। इंग्लैंड की टीम 113 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर पहुंची है। वहीं भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से सीरीज हारने के कारण चौथे स्थान पर खिसक गयी है। भारतीय टीम 20 जून से शुभमन गिल की कप्तानी में इंग्लैंड टीम से पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी ,इसमें जीत से वह अपनी रैंकिंग बेहतर करना चाहेगी। न्यूजीलैंड आईसीसी रैंकिंग में पांचवें स्थान पर है। वहीं श्रीलंका की टीम छठे और पाकिस्तान की टीम सातवें स्थान पर है। वेस्टइंडीज की टीम इस समय 8वें नंबर पर बनी हुई है जबकि बांग्लादेश 9वें स्थान पर है। आयरलैंड की टीम 10वें पायदान पर है ।

बीसीसीआई ने यात्रा नीति में किया बदलाव, अब हर दिन दिये जाएंगे 10 हजार रुपये

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी यात्रा नीति को सरल बनाया है। बीसीसीआई की मौजूदा यात्रा नीति के अनुसार कर्मचारियों को छोटी अवधि की यात्रा (चार दिन तक) के लिए प्रतिदिन 15,000 रुपये और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल), महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) और भारत द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की प्रतियोगिताओं से संबंधित लंबी अवधि की यात्रा के लिए प्रतिदिन 10,000 रुपये का भुगतान किया जाता रहा है। हालांकि, अब इसमें बदलाव किया गया है। यात्रा के दौरान एकमुश्त आकस्मिक भत्ता 7500 रुपये था पर अब आकस्मिक भत्ते को हटा दिया गया है और कर्मचारियों को अब यात्रा के दौरान प्रतिदिन 10,000 रुपये का भुगतान किया जाएगा। आईपीएल का आयोजन दो महीने से कुछ अधिक समय तक होता है, जबकि आईसीसी प्रतियोगिता भी कम से कम एक महीने तक चलती है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा है कि कटौती यानी टीडीएस के बाद प्रतिदिन भत्ता 6500 रुपये होता है। नीति में संशोधन किया जा रहा था इसलिए वित्त, संचालन और मीडिया विभाग सहित बीसीसीआई के कर्मचारियों को आईपीएल और डब्ल्यूपीएल के लिए उनके दैनिक भत्ते का भुगतान नहीं किया गया है, लेकिन अब जब नीति तैयार हो गई है तो उनके बकाए का भुगतान जल्द ही किया जाना चाहिए। सूत्र ने कहा, ''भत्तों के संदर्भ में एक स्पष्ट नीति की आवश्यकता थी, क्योंकि कुछ कर्मचारी टूर्नामेंट के दौरान मुंबई मुख्यालय से संचालन करते हुए भी भत्ते का दावा कर रहे थे। अब जब यह तैयार हो गई है तो बकाए का भुगतान जल्द ही किया जाएगा।'' अधिक स्पष्टता के लिए एक कर्मचारी जो पूरे 70 दिवसीय आईपीएल के लिए यात्रा कर रहा है वह 10,000 रुपये के दैनिक भत्ते के लिए पात्र होगा, जिसमें कुल दावा राशि सात लाख रुपये होगी।

शुभमन के लिए फायदेमंद होंगे अर्शदीप : पोंटिंग

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अच्छी गेंदबाज करेंगे। पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज का पहला मैच 20 जून को हेडिंग्ले में खेला जाएगा। अर्शदीप ने अभी तक एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है पर टी20 मैचों में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। बांए हाथ का गेंदबाज होना भी उन्हें अतिरिक्त लाभ देता है। इसी कारण उन्हें इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

आईपीएल में पंजाब किंग्स के कोच पोंटिंग ने कहा कि उन्होंगे लीग के दौरान इस तेज गेंदबाज के स्तर को देखा है। अर्शदीप के काम करने के तरीके और तकनीकी ताकत पर भरोसा व्यक्ति किया है। उन्होंने कहा कि वह इस दौरे में नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के लिए फायदेमंद गेंदबाज साबित होंगे। पोंटिंग ने कहा, मुझे उसे अच्छी तरह से जानने का अवसर मिला है। वह टीम के लिए एक शानदार खिलाड़ी है। वह टीम के साथ बहुत शांत रहता है, जो कि उसकी विशेषता है। यही बात हम सभी को पसंद है। जैसे ही दूसरे दिन टीम की घोषणा हुई, टेस्ट टीम, मैंने अपनी टीम बैठक में सबसे पहले यह तय किया कि मैं सबके सामने अर्शदीप को चुने जाने की बात स्वीकार करूं और सबके सामने उसे बधाई दूं। मुझे लगता है कि यह उसका अधिकार है। मुझे लगता है कि वह इंग्लैंड में भी अच्छी गेंदबाजी करेगा। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने जसप्रीत बुमराह के सभी पांच टेस्ट मैचों के लिए अनुपलब्ध होने की संभावना के संकेत दिए हैं। ऐसे में अर्शदीप पर और अधिक जिम्मेदारी आ जाएगी। पोंटिंग ने कहा, मुझे लगता है कि ड्यूक्स गेंद उनके लिए इंग्लैंड में भी सहायक रहेगी। मुझे लगता है कि बाएं हाथ का गेंदबाज होना भी अंतर पैदा करता है। पोंटिंग ने पिछले साल काउंटी क्रिकेट में इस गेंदबाज के कार्यकाल पर जोर दिया। पिछले साल काउंटी चैंपियनशिप के दौरान केंट का प्रतिनिधित्व करते हुए अर्शदीप ने पांच डिवीजन 1 खेलों में 13 विकेट लिए थे।, जिसमें 3/58 का आंकड़ा उनका सर्वश्रेष्ठ रहा।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज पर माइकल क्लार्क की बड़ी भविष्यवाणी, यह टीम 3-2 से जीतेगी

लंदन (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर माइकल क्लार्क ने इंग्लैंड-भारत टेस्ट सीरीज से पहले बड़ी भविष्यवाणी की हैं। क्लार्क के मुताबिक 20 जून से शुरू होने जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज को भारत 3-2 से अपने नाम करेगा।

क्लार्क ने एक इंटरव्यू में कहा, 'यह 3-2 से होने जा रही है। मैं भारत के साथ जाऊंगा। मैं लॉर्ड्स टेस्ट देखने जा रहा हूं। मैं भारत को खेलते हुए देखने जा रहा हूं। मैं चाहता हूं कि वे 3-2 से जीतें।' उन्होंने आगे कहा, 'खैर, हां, मैं उन्हें एक मौका देता हूं, लेकिन यह उस टीम (इंग्लैंड) से कहीं ज़्यादा अनुभवहीन है जिसकी मुझे इंग्लैंड जाने वाली फ्लाइट में होने की

उम्मीद थी। रोहित शर्मा और विराट कोहली का न होना बहुत बड़ी बात है। खिलाड़ी आते हैं, खिलाड़ी जाते हैं, लोग रिटायर होते हैं और खेल आगे बढ़ता है। तो इसका मतलब यह नहीं है कि नया कप्तान भारत के लिए सबसे बुरी बात है। मैं ऐसा नहीं कह रहा हूं। कोई रिटायर होता है, और इससे किसी और को मौका मिलता है।'

इंग्लैंड और भारत हेडिंग्ले (लीड्स), एजबेस्टन (बर्मिंघम), लॉर्ड्स (लंदन), ओल्ड ट्रैफर्ड (मैनचेस्टर) और द ओवल (लंदन) में टेस्ट सीरीज खेलेंगे। टेस्ट प्रारूप में भारत के लिए एक नया युग शुरू हो रहा है क्योंकि आधुनिक समय की दिग्गज टीम रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज बल्लेबाजों के बिना अपने पहले दौरे और सीरीज के लिए तैयार है। भारत के सबसे युवा टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने देश को सफलता की ओर ले जाने और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप गदा के लिए चुनौती देने के लिए रोहित से कमान संभाली है।

5वां केयन्र्स कप शतरंज : फिर जीती हंपी और हरिका सयुंक्त बढ़त बनाई

सेंट लुइस। यूएसए में चल रही दुनिया की सबसे मज़बूत महिला प्रतियोगिताओं में से एक केयन्र्स कप के चौंथे राउंड में भारत की दोनों महिला खिलाड़ी विश्व रैपिड चैम्पियन कोनेरु हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली नें एक बार फिर से जीत दर्ज करते हुए खुद को पुन: सयुंक्त बढ़त में शामिल कर लिया है । हम्पी नें सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए कजक्सितान की बीबीसारा के खिलाफ सेमी स्लाव ओपनिंग में शुरुआत से दबाव बनाया और मात्र 35 चालों में अपनी जीत सुनिश्चित की । इस जीत के साथ हम्पी लाइव रैंकिंग में एक बार फिर 2550 के पार पहुँच गयी है । हरिका द्रोणावल्ली की दूसरी जीत जॉर्जिया की नंबर एक खिलाड़ी नाना दगनिडजे के खिलाफ आई और उन्होने काले मोहरो से खेलते हुए कुईं पान ओपनिंग में हाथी और ऊंट के एंडगेम में 47 चालों में जीत दर्ज की । वहीं उक्रेन की मारिया मुजयचूक नें आखिरकार अपनी पहली जीत दर्ज की , सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए उन्होने यूएसए की यिप करिसा को पराजित किया , अन्य दो मुकाबलों में पोलैंड की अलिना कश्लिंस्कया नें जॉर्जिया की नीनों बत्स्श्विली से और लगातार दो जीत से शुरुआत करने वाली यूएसए की ली एलिस नें चीन की तान ज़्होंगाई से ड्रॉ खेला । चार राउंड के बाद हम्पी , हरिका और एलिस 3 अंक बनाकर सबसे आगे चल रही है ।

लुईस की आक्रामक पारी से वेस्टइंडीज ने आयरलैंउ को हराया

जमैका । वेस्टइंडीज ने एक रोमांचक टी20 मुकाबले में आयरलैंड को हरा दिया। इस मैच में वेस्टइंडीज की जीत के हीरो एविन लुईस रहे जिन्होंने 44 गेंद में 91 रन बनाये। वहीं आयरलैंड की हार का कारण लियाम मैकार्थी का ओवर रहा जिसमें मैकार्थी ने 4 ओवर में 81 रन दे दिये। इस प्रकार मैकार्थी अपने डेब्यू मैच में ही सबसे महंगे गेंदबाजी बने हैं। वेस्टइंडीज ने इस मैच में आयरलैंड को 62 रन के बड़े अंतर से हराया। इस मैच में आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने टॉस जीत पहले गेंदबाजी शुरु की। उसका ये फैसला गलत रहा। वेस्टइंडीज ने 5 विकेट पर 256 रन का बड़ा स्कोर बना लिया। लुईस ने सबसे अधिक 91 रन की पारी खेली। इस बल्लेबाज ने इस पारी में 7 चौके और 8 छक्के लगाए और उसका स्ट्राइक रेट 206.81 रहा। कप्तान शेई होप ने 27 गेंद में 51 रन बनाए। पहला मैच खेल रहे केसी कार्टी ने भी 49 रन बनाये। रोमारियो शेफर्ड ने 6 गेंद में 3 छक्कों की मदद से 19 रन बनाए। आयरलैंड के तेज गेंदबाज मैकार्थी ने चार ओवर में ही 81 रन दे दिये। इसके साथ ही वह टी20 क्रिकेट में मूसा जोबार्टे गाम्बिया के बाद दूसरे सबसे महंगे गेंदबाज बन गए हैं। मूसा ने पिछले साल जिम्बाब्वे के खिलाफ 4 ओवर में 93 रन लुटा दिये थे। वेस्टइंडीज से मिले कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की टीम लड़खड़ा गयी। रॉस अडायर ने 48, हैरी टेक्टर ने 38 और मार्क अडायर ने 31 रन बनाये पर ये पर्याप्त नहीं रहा। पूरी आयरिश टीम निर्धारित 20 ओवर में 194 रन ही बना पायी। वेस्टइंडीज की ओर से अकील हुसैन ने सबसे अधिक 3 विकेट जबकि जेसन होल्डर ने दो विकेट लिए।

श्रीलंका ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए घोषित की टीम, तीन नये खिलाड़ी शामिल

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने इस माह के अंत में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए अपनी 18 सदस्यीय टीम टीम घोषित कर दी है। इस सीरीज से दोनो ही टीमों के नए टेस्ट चैंपियनशिप सर्किल 2025 से 2027 सत्र की शुरुआत होगी। दो मैचों की ये टेस्ट सीरीज 17 जून से शुरु होगी और इसका पहला मुकाबला गाले में खेला जाएगा। इसमें श्रीलंकाई टीम की कप्तानी धनंजय डी सिल्वा टीम करेंगे। वहीं अनुभवी बल्लेबाज एंजेलो मैथ्यूज अंतिम बार श्रीलंका की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में खेलते हुए नजर आयेंगे। इसके अलावा पसिंदु सूरियाबंडारा, पवन रत्नायके और इसिथा विजेसुंदरा नए चेहरे हैं, जो टेस्ट डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट डेब्यू करने वाले लाहिरु उदारा और सोनल दिनुषा को भी टीम में जगह मिली है। वहीं अनुभवी खिलाड़ियों में तेज गेंदबाज लाहिरु कुमारा को चुना गया है हालांकि वह चोट के कारण पहले टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे। पहले टेस्ट मैच में सबकी नजरें पूर्व कप्तान एंजेलो मैथ्यूज पर रहेगी। यह उनके टेस्ट करियर का अंतिम मुकाबला होगा। मैथ्यूज ने 2009 में गाले में अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की थी और वह श्रीलंका की सफेद जर्सी में उसी स्थान पर संन्यास लेंगे। वहीं बांग्लादेश ने इस महीने की शुरुआत में अपनी टीम की घोषणा की थी जिसमें नजमुल हुसैन शांतो नए डब्ल्यूटीसी चक्र में टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। बांग्लादेश की टीम श्रीलंका के खिलाफ पहला टेस्ट मैच गाले में 17 जून से 21 जून के बीच खेलेगी। इसके बाद दोनों टीमें दूसरा टेस्ट के लिए कोलंबो में आमने सामने होंगी। यह मुकाबला 25 जून से 29 जून के बीच खेला जाना है।

श्रीलंका टीम- धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), पथुम निसांका, ओशादा फर्नांडो, लाहिरु उदारा, दिनेश चांदीमल, एंजेलो मैथ्यूज, कुसल मेंडिस, कमिंदु मेंडिस, पसिंदु सूरियाबंडारा, सोनल दिनुषा, पवन रत्नायके, प्रभात जयसूर्या, थारिंदु रत्नायके, अकिला धनंजय, मिलन रत्नायके, असिथा फर्नांडो, कसुन रजिता, इसिथा विजेसुंदरा।

भारत बनाम इंग्लैंड सीरीज से पहले करुण नायर का खुलासा, बड़े खिलाड़ी ने संन्यास लेने की सलाह दी थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर टेस्ट क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं। नायर को घरेलू क्रिकेट में रन बनाने का इनाम मिला है। लेकिन 33 वर्षीय खिलाड़ी के लिए वापसी का रास्ता बहुत कठिन और भावनात्मक था और एक समय तो भारत के एक बड़े खिलाड़ी ने उन्हें संन्यास लेकर फ्रेंचाइजी क्रिकेट में खेलने की सलाह तक दे डाली थी। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट से पूर्व नायर ने अपने जीवन के सबसे कठिन समय को याद किया।

नायर ने कहा, 'मेरी पत्नी ने कहा कि तुम क्या कर रहे हो, लेकिन मैंने उससे कहा कि मैं कैसा महसूस कर रहा हूं। वह शायद मेरे जीवन का सबसे कठिन क्षण था। ऐसा लगा कि मेरी दुनिया खत्म हो गई है। मुझे नहीं पता था कि आगे क्या करना है। मैं खुद से पूछ रहा था कि मुझे क्या करना चाहिए? मेरा एक परिवार है और मेरे बेटे का हाल ही में जन्म हुआ है। नायर भावुक हो गए।'

करुण ने एक रिपोर्ट में कहा, 'मुझे अभी भी याद है कि एक प्रमुख भारतीय क्रिकेटर ने मुझे फोन किया और कहा कि आपको संन्यास ले लेना चाहिए क्योंकि इन लीगों में मिलने वाला पैसा मुझे सुरक्षित बनाएगा। ऐसा करना आसान होता, लेकिन मुझे पता था कि पैसे के बावजूद मैं इतनी आसानी से संन्यास लेने के लिए खुद को कोसता।'

इसके बाद नायर ने ट्वीट करते हुए एक और मौका मिलने की बात कही थी। उन्होंने ट्वीट किया, 'प्रिय क्रिकेट, मुझे एक और मौका दो।' यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और फिर नायर को विदर्भ में शामिल किया गया जहां उन्होंने अपने करियर को बदल दिया।

वास्तविकता से निपटने के लिए संघर्ष करते हुए नायर अपनी पत्नी के जन्मदिन पर रो पड़े। उन्होंने कहा, 'मैं भारत के लिए दोबारा खेलना कभी नहीं छोड़ने वाला था। यह दो साल पहले की बात है और देखिए कि हम अब कहां हैं। यह पागलपन है, लेकिन अंदर से मुझे पता था कि मैं काफी अच्छा हूं।'

करुण नायर ने आगे कहा कि वह मैचों की संख्या या दीर्घकालिक योजनाओं पर ध्यान केंद्रित नहीं करते हैं। उन्होंने कहा, 'अब जो मायने रखता है वह यह है कि मैं फिर से भारतीय टीम की कैप पहनने का आनंद उठा पाऊं। इससे पहले मैं अपने मौकों का पूरा फायदा नहीं उठा पाया था। इस बार मैं एक बार में एक मैच में अपना पूरा योगदान देना चाहता हूं।'